RNI NO.UPHIN/2010/36547
वर्ष 14 अंक 101
लखनऊ, बुधवार, 31 जनवरी, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ
नगर संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

चीन हमारे पड़ोसी देशों को प्रभावित करेगा
राष्ट्रीय-10

www.dailypioneer.com

झारखंड में राजनीतिक उथल-पुथल

ईडी सोरेन को कर सकती है गिरफ्तार, हेमंत की पत्नी संभालेंगी कमान

राजेश कुमार। नई दिल्ली/रांची

बिहार के बाद अब पड़ोसी राज्य झारखंड राजनीतिक अनिश्चितता की ओर बढ़ रहा है क्योंकि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की पूछताछ से बच रहे हैं। उन्होंने मंगलवार को अपनी पार्टी के नेताओं और मंत्रियों के साथ एक बैठक बुलाई, जिसमें उनकी पत्नी की मौजूदगी से संकेत मिले कि सोरेन अपने परिवार को बैटन सौंप सकते हैं। ऐसी भी अटकलें हैं कि अगर सोरेन 31 जनवरी को पूछताछ के लिए ईडी के सामने पेश होते हैं तो उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता है। पटना में बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव मंगलवार को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए ईडी के सामने पेश हुए। उनके पिता और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव के एक दिन पहले ईडी के सामने पेश हुए थे।

जांच एजेंसी के अधिकारियों द्वारा लगभग 30 घंटे तक सोरेन का पता लगाने में विफल रहने के बाद मंगलवार को झारखंड की राजधानी रांची में फिर से सामने आने के बाद सोरेन ने सस्पेंस खत्म कर दिया। रांची और दिल्ली में तनावपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम के बीच झामुमो प्रमुख की फिर से उपस्थिति हुई है। अपनी आधिकारिक कार में यात्रा करते हुए सोरेन अपने ठिकाने की गहन अटकलों के बीच मीडियाकर्मियों की ओर मुस्कुराए और हाथ हिलाया।

रांची में महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद विधायकों के साथ झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन।

सोरेन ने झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ गठबंधन के विधायकों और मंत्रियों के साथ एक बंद कमरे में बैठक की अध्यक्षता की और सभी पार्टी विधायकों और उसके गठबंधन सहयोगियों कांग्रेस और राजद को अगले निर्देश तक राजनीतिक स्थिति के मद्देनजर राज्य की राजधानी में रहने के लिए कहा। इस जोरदार चर्चा के बीच सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन भी मौजूद थीं कि अगर उन्हें गिरफ्तार किया जाता है तो वह सरकार की बागडोर संभाल सकती हैं। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने दावा किया है कि कल्पना सोरेन पति हेमंत की जगह ले सकती हैं और इसके लिए ही गठबंधन के विधायकों को रांची में रहने का निर्देश दिया गया है। दुबे ने कहा कि हेमंत ने सभी सहयोगी विधायकों को 'अपने सामान के साथ' रांची पहुंचने के लिए बुलाया है। एक्स पर एक पोस्ट में दुबे ने सवाल किया कि जो आदमी फरार है वह राज्य के लोगों की रक्षा कैसे करेगा। उन्होंने कहा, 'मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन जी के इशारे पर गलत काम करने वालों को बड़ी सलाह, सीएम खुद को भगोड़ा साबित कर रहे हैं, जांच एजेंसी का सामना करने से भाग रहे हैं, दिन भर देश-विदेश में बेइज्जती झेल रहा आदमी अधिकारियों या राज्य के लोगों की रक्षा कैसे करेगा?' । 81 सदस्यीय विधानसभा में झामुमो के 30, कांग्रेस के 16, राजद के 1 विधायक हैं जबकि विपक्षी भाजपा के 25, झारखंड विकास मोर्चा के 3, ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन के 2 और अन्य के 4 विधायक हैं।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए ईडी के अधिकारी सोमवार को उनके दिल्ली स्थित पते पर पहुंचे थे, लेकिन उनका पता नहीं चल सका। जिस चार्टर्ड प्लेन से उन्होंने रांची से दिल्ली तक का सफर किया वह दिल्ली एयरपोर्ट पर खड़ा है। उनके स्टाफ के कई लोगों के फोन बंद हैं। उनके ड्राइवर से भी पूछताछ की गई, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। एजेंसी ने सोमवार को दक्षिण दिल्ली में 5/1 शांति निकेतन भवन में उनके घर की तलाशी के बाद 36 लाख रुपये नकद और हरियाणा में पंजीकृत एक बीएमडब्ल्यू कार जब्त की, जिसे ईडी 'बेनामी' मानता है और कुछ 'संदिग्ध' दस्तावेज भी जब्त किए। सूत्रों ने कहा कि ईडी ने राज्य के अधिकारियों और केंद्रीय सुरक्षा बलों को अपनी टीम की संरचना के बारे में सूचित कर दिया है, जो 31 जनवरी को दोपहर 1 बजे से पहले रांची में एयरपोर्ट रोड पर अपने जोनल कार्यालय से सोरेन के आवास पर उनके कैंप कार्यालय में चले जाएंगे। पूछताछ वहीं से जारी रहेगी जहां 20 जनवरी को समाप्त हुई थी। सूत्रों के अनुसार सोरेन से लगभग 16-17 प्रश्न पूछे गए और उनका बयान धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत लिखित और ऑडियो-वीडियो प्रारूप में दर्ज किया गया। ईडी के जांचकर्ताओं ने उस दिन सीएम आवास पर करीब सात घंटे बिताए थे। मंगलवार को रांची पहुंचे सोरेन ने ईडी को सूचित किया है कि वह बुधवार को दोपहर एक बजे के आसपास राज्य की राजधानी में अपने आवास पर उनके सामने पेश होने के लिए तैयार हैं। सहयोग करने की इच्छा व्यक्त करते हुए, सोरेन ने जोर देकर कहा कि जांच का समय राजनीति से प्रेरित प्रतीत होता है, जिसका उद्देश्य उनकी सरकार के कामकाज को बाधित करना है।

ईडी के रांची कार्यालय को सोरेन द्वारा लिखे गए पत्र में कहा गया है, 'आप अच्छी तरह से जानते हैं कि विधान सभा का बजट सत्र 2 और 29 फरवरी 2024 के बीच आयोजित किया जाएगा और नीचे हस्ताक्षरकर्ता अन्य पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों के अलावा उसी की तैयारियों में व्यस्त रहेंगे। सूत्र ने बताया कि सोरेन आधी रात को यहां अपने आधिकारिक आवास पर पहुंचे। सीएमओ द्वारा एक्स पर साझा की गई तस्वीरों और वीडियो में बड़ी संख्या में विधायक और मंत्री बैठक में हिस्सा लेने से पहले सोरेन का अभिवादन करते नजर आए. बैठक में सीएम की पत्नी कल्पना सोरेन भी मौजूद रहीं। घटनाक्रम के बीच भाजपा ने दावा करना शुरू कर दिया कि मुख्यमंत्री 'भागे हुए' हैं। (शेष पेज 9)

नई दिल्ली में सर्वदलीय बैठक के दौरान केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, प्रह्लाद जोशी, अर्जुन राम मेघवाल।

बजट सत्र के सुचारु ढंग से चलने की उम्मीद

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

संसद का बजट सत्र बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा निचले और ऊपरी सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करने के साथ शुरू हो रहा है। सरकार ने विपक्षी दलों से कार्यवाही के सुचारू संचालन में सहयोग करने का आग्रह किया है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अप्रैल-मई में होने वाले संभावित लोकसभा चुनाव से पहले बुधवार को अंतरिम बजट पेश करेंगी। नई सरकार कार्यभार संभालने के बाद पूर्ण बजट पेश करेगी। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने संसद में राजनीतिक दलों के नेताओं की बैठक में बताया कि सीतारमण जम्मू-कश्मीर के लिए भी बजट पेश करेंगी, जो राष्ट्रपति शासन के तहत है। जोशी ने कहा कि 9 फरवरी को समाप्त होने वाले 17वीं लोकसभा के संक्षिप्त सत्र का मुख्य एजेंडा राष्ट्रपति का अभिभाषण, अंतरिम बजट की प्रस्तुति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जवाब के साथ राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक के दौरान विपक्षी नेताओं ने कई मुद्दे उठाए। कांग्रेस नेता के सुरेश ने कहा कि सत्र में पार्टी बेरोजगारी, उच्च मुद्रास्फीति, कृषि संकट और जातीय हिंसा प्रभावित मणिपुर की स्थिति का मुद्दा उठाएगी। तृणमूल कांग्रेस नेता सुदीप बंद्योपाध्याय ने कहा कि वित्त मंत्री को अंतरिम बजट में विभिन्न केंद्रीय (शेष पेज 9)

सपा ने लोकसभा चुनाव के लिए घोषित किए 16 प्रत्याशी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● लखनऊ से रविदास मेहरोत्रा लड़ेंगे चुनाव

समाजवादी पार्टी ने यूपी की 16 लोकसभा सीटों पर उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर दिया है। डिंपल यादव, धर्मेंद्र यादव समते कई नाम शामिल हैं। सपा ने अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव को मैनपुरी से चुनावी मैदान में उतारा है। डिंपल यादव मैनपुरी से ही मौजूदा सांसद है। इसके अलावा पार्टी ने संभल से शफीकुर्रहमान बर्क को टिकट दिया है। वह भी इसी सीट से सांसद हैं। समाजवादी पार्टी ने राजधानी लखनऊ से रविदास मेहरोत्रा को अपना प्रत्याशी बनाया है।

सपा ने कांग्रेस और रालोद को 11 और 7 सीटें देने का ऐलान किया था। इसके बाद समाजवादी पार्टी की तरफ से लोकसभा प्रत्याशियों की पहली लिस्ट मंगलवार को पार्टी के अधिकारिक हैंडल से सामने आयी है। जिसके मुताबिक समाजवादी पार्टी ने लोकसभा चुनाव के लिए 16 प्रत्याशियों की घोषणा की है जिसमें संभल से शफीकुर्रहमान बर्क, फिरोजाबाद से अक्षय यादव, मैनपुरी से डिम्पल यादव, एटा से देवेश शाक्य, बदायूं से धर्मेंद्र यादव, खीरी से उत्कर्ष वर्मा, धौरहरा से आनन्द भदौरिया, उन्नाव से अनु टण्डन, लखनऊ से रविदास मेहरोत्रा, फर्रुखाबाद से डॉ. नवल किशोर शाक्य, अकबरपुर से राजाराम पाल, बांदा से शिवशंकर सिंह पटेल, फैजाबाद से अवधेश प्रसाद, अम्बेडकर नगर से लालजी वर्मा, बस्ती से रामप्रसाद चौधरी, गोरखपुर से काजल निषाद को लोकसभा का प्रत्याशी बनाया है। रालोद और कांग्रेस दोनों ही पार्टी अभी गठबंधन में सीटों के ऐलान को लेकर अपनी स्थिति साफ नहीं की है।

सपा ने कांग्रेस और रालोद गठबंधन के साथ लोकसभा चुनाव के मैदान में उतरने का फैसला किया है। यूपी की 80 में से 60 सीटों पर सपा ने लड़ने का फैसला लिया है, जबकि सात सीटें जयंत चौधरी की रालोद को दी गई है और 11 सीटें सपा ने कांग्रेस को दी है। हालांकि कांग्रेस की तरफ से इन सीटों का लेकर अभी तक न तो इनकार किया गया है और न ही खुलकर गठबंधन की बात ही स्वीकारी गई है। कुछ लोगों का कहना है कि दोनों दलों में अंदरखाने बात हो गई है। इसी को देखते हुए सपा ने प्रत्याशियों का ऐलान कर दिया है। ऐसी स्थिति में प्रत्याशियों को अपना प्रचार-प्रसार करने का अधिक समय मिल जाएगा।

पुलिस महकमे में भारी फेरबदल, 84 आईपीएस अफसरों के तबादले (पेज 3 पर)

चंडीगढ़ मेयर चुनाव में भाजपा ने आप, कांग्रेस को दी शिकस्त

राजेश कुमार। नई दिल्ली/चंडीगढ़

आप और कांग्रेस को एक बड़ा झटका देते हुए भाजपा ने मंगलवार को चंडीगढ़ मेयर चुनाव में जीत हासिल की और तीन शीर्ष पदों पर कब्जा बरकरार रखा। आप और कांग्रेस ने सहयोगी के रूप में चुनाव लड़ा था। भाजपा उम्मीदवार मनोज सोनकर ने मेयर पद के लिए आप के कुलदीप कुमार को हराया, उनके प्रतिद्वंद्वी को मिले 12 वोटों के मुकाबले उन्हें 16 वोट मिले। आठ मत अवैध घोषित किये गये। भाजपा के उम्मीदवार कुलजीत संधू और राजिंदर शर्मा क्रमशः वरिष्ठ उप महापौर और उप महापौर पद के लिए निर्वाचित घोषित किए गए। आम आदमी पार्टी (आप) ने इस नागरिक चुनाव के लिए कांग्रेस के साथ गठबंधन किया था - जिसे तीन महीने से भी कम समय में लोकसभा चुनाव से पहले इंडिया गठबंधन की पहली वास्तविक चुनावी परीक्षा के रूप में पेश किया गया था- लेकिन गठबंधन परिणाम देने में विफल रहा। इस हार ने विपक्षी समूह को और कमजोर कर दिया है, जो पहले से ही अपने दो सबसे बड़े सदस्यों - ममता बनर्जी की तृणमूल और नीतीश कुमार की जनता दल (यूनाइटेड) के बाहर निकलने के बाद पतन के कगार पर है। पंजाब में आप और कांग्रेस ने संकेत दिया है कि वे लोकसभा चुनाव एक साथ लड़ने के लिए अनिच्छुक हैं, भले ही वे दोनों इंडिया समूह में हैं। लेकिन वे पंजाब और हरियाणा दोनों की राजधानी के रूप में कार्य करने वाले केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में मेयर का चुनाव एक साथ लड़ने पर सहमत हुए। चंडीगढ़ में गठबंधन के हिस्से के रूप में आप ने मेयर पद के लिए चुनाव लड़ा, जबकि कांग्रेस ने दो अन्य पदों के लिए अपने उम्मीदवार उतारे। 35 सदस्यीय चंडीगढ़ नगर निगम में भाजपा के 14 पार्षद हैं। आप के 13 और कांग्रेस के सात पार्षद हैं। शिरोमणि अकाली दल का एक पार्षद है। हार के बाद आप और कांग्रेस ने भाजपा पर देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था पर 'शर्मनाक तरीके से कब्जा' (शेष पेज 9)

चंडीगढ़ मेयर का चुनाव जीतने के बाद पार्टी पार्षदों के बीच भाजपा के मनोज सोनकर।

भारत ने समुद्री डाकुओं से ईरानी पोत को बचाया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

समुद्री डाकुओं द्वारा जहाज पर हमला करने के बाद भारतीय नौसेना ने ईरानी ध्वज वाले मछली पकड़ने वाले जहाज और पाकिस्तानियों सहित चालक दल के 19 सदस्यों को बचाया। संयोग से पिछले 36 घंटों में सोमालिया के पूर्व में भारतीय नौसेना के युद्धपोत आईएनएस सुमित्रा का यह दूसरा ऐसा प्रयास था। पहले बचाव में सोमवार को एक ईरानी मछली पकड़ने वाली नौका इमान भी शामिल थी। अधिकारियों ने मंगलवार को यहां कहा कि इसी तरह की कार्रवाई में भारतीय नौसेना ने सेशेल्स रक्षा बलों और श्रीलंका नौसेना के सहयोग से श्रीलंकाई मछली पकड़ने वाले जहाज के अपहरण का जवाब दिया। यह कार्रवाई भी सोमालिया से दूर की गई।

भारतीय नौसेना केआईएनएस सुमित्रा ने मछली मारने वाली पोत अल नईमी तथा उसके क्रू सदस्यों (19 पाकिस्तानी नागरिक) को 11 सोमाली समुद्री डकैतों से बचाया।

विवरण देते हुए, उन्होंने कहा कि सोमालिया के मोगादिशु से लगभग 955 समुद्री मील पूर्व में श्रीलंकाई ध्वज वाले बहुदिवसीय मछली पकड़ने वाले ट्रॉलर लोरेंजो पुथा 04 पर अपहरण की घटना की सूचना मिली थी। 27 जनवरी को तीन समुद्री डाकू मछली पकड़ने वाली ट्रॉलर पर चढ़ गए और उसका अपहरण कर लिया। भारतीय नौसेना ने अपहृत मछली पकड़ने वाले जहाज का पता लगाने और उसे रोकने के लिए आईएनएस शारदा को तैनात किया। इसके अतिरिक्त आईएफसी आईओआर, नई दिल्ली में श्रीलंका और सेशेल्स अंतर्राष्ट्रीय संपर्क अधिकारियों के माध्यम से कुशल परिचालन समन्वय और सूचना साझा करने के परिणामस्वरूप सोमवार को सेशेल्स ईईजेड में एससीजीएस पुखराज द्वारा अपहृत मछली पकड़ने वाले जहाज को रोक दिया गया। तीन समुद्री लुटेरों ने सेशेल्स तट रक्षक (एससीजी) के सामने आत्मसमर्पण कर दिया और चालक दल के सभी छह सदस्य सुरक्षित हैं तथा जहाज को माहे, (शेष पेज 9)

भाजपा की वॉकथॉन ने अभी नहीं पकड़ी रफ्तार

कुमार चेलप्पन। कोच्चि

केरल भाजपा के अध्यक्ष के सुरेंद्रन की वॉकथॉन, जो 27 जनवरी को कासरगोड से शुरू हुई, को अभी तक राज्य के मतदाताओं से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है। पद यात्रा (वॉकथॉन) आगामी लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा के अभियान की प्रस्तावना है और यह प्रधानमंत्री द्वारा 3 जनवरी को त्रिशूर की यात्रा के दौरान गढ़ी गई थीम 'मोदी की गारंटी' पर केंद्रित है। सुरेंद्रन द्वारा संबोधित सभाओं में खराब भीड़ की प्रतिक्रिया ने इस तथ्य को रेखांकित किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के

बिना केरल भाजपा राज्य में एक बड़ा शून्य है। सार्वजनिक बैठक को सोमवार शाम को झटका लगा जब फिल्म अभिनेता सुरेश गोपी ने यात्रा के कन्नूर हिस्से को संबोधित करते हुए घोषणा की कि 2024 के लोकसभा चुनावों के नतीजे घोषित होने के तुरंत बाद (शेष पेज 9)

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के पद्चिह्नों की प्रेरणा यात्रा

दीपक कुमार झा। नई दिल्ली

महात्मा गांधी के विचार और दृष्टिकोण आज भी विश्व भर में शासन के लिए प्रासंगिक बने हुए हैं। दुनिया भर में वे जहां भी गए, उन्होंने जिस रास्ते का इस्तेमाल किया, उनके लाखों लाख अनुयायी उसकी स्मृतियों को संजोए हुए हैं,खासकर उनकी पुण्यतिथि या शहीद दिवस के रूप में जैसा कि मंगलवार को किया गया। ऐसी ही एक स्मृति है जिसके बारे में शायद ही कभी पढ़ा या जाना जाता हो। यह वह स्थान है जहां 16 अगस्त, 1908 को हमीदिया मस्जिद के बाहर महात्मा गांधी के नेतृत्व में 3000 मुसलमानों, हिंदुओं और ईसाइयों ने अपने पास और दस्तावेज जला दिए थे, जिन्हें सरकार द्वारा 'गैर श्वेत' के रूप में वर्गीकृत किया गया था। अंग्रेजों की दंडात्मक कार्रवाई में कारावास भी शामिल था। कड़ाही में जलाए गए विशाल अलाव ने दक्षिण अफ्रीका में मशाल को पहली बार जलाने और गांधी के सत्याग्रह, या निष्क्रिय प्रतिरोध, अभियान की शुरुआत को चिह्नित किया।

इस स्थान को वरिष्ठ आईएफएस अधिकारी अंजू रंजन ने दक्षिण अफ्रीका में महावाणिज्य दूत के रूप में अपनी पोस्टिंग (2019-2023) के दौरान 'सत्य' के रूप में बनाया है और अब यहां आगंतुकों की भीड़ उमड़ती है, जो दक्षिण अफ्रीका में उन स्थानों को देखने और उन्हें याद करने के लिए यात्रा करते हैं जहां गांधी ने समय बिताया था। अपने प्रारंभिक वर्षों में और चार दशक बाद भारत को स्वतंत्रता की ओर ले जाने के लिए उन्होंने खुद को बदल लिया। वर्तमान में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर), नई दिल्ली में उप महानिदेशक के पद पर तैनात अंजू ने कहा, 'मुझे उस स्थान के महत्व के बारे में पता चला जहां गांधीजी द्वारा पास जलाए गए थे। स्थानीय लोगों की मदद से मैं सत्य स्तंभ के साथ-साथ टॉल्स्टॉय फार्म को विकसित करने के लिए धन जुटाने में कामयाब रही।'

नई दिल्ली में राजघाट पर महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू, उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

2002 बैच के भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) अधिकारी ने गांधी से संबंधित कई अन्य दृष्टिकोणों के अलावा पूरे टॉल्स्टॉय फार्म, पुस्तकालय के पुनर्निर्माण और पुनर्विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, 1970 के दशक में ऐतिहासिक महत्व के पूरे क्षेत्र में तोड़फोड़ की गई थी। जोहान्सबर्ग में टॉल्स्टॉय फार्म के पुनरुद्धार के अलावा अंजू ने 75 प्रमुख भारतीय समुदाय के लिए जागरूकता पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। टॉल्स्टॉय फार्म जोहान्सबर्ग नगरपालिका के दक्षिण-पश्चिमी कोने में जोहान्सबर्ग से 35 किमी दूर स्थित है। यह नाम इसलिए लिया गया क्योंकि गांधी रूसी लियो टॉल्स्टॉय के लेखन से प्रेरित थे, जिन्होंने आक्रामकता के (शेष पेज 9)

लद्दाख में 477 समेत भारत में हैं 718 लुप्तप्राय हिम तेंदुएं

अर्चना ज्योति। नई दिल्ली

भारत 718 लुप्तप्राय हिम तेंदुओं का घर है। हिमालय क्षेत्र में 2019 और 2023 के बीच पांच वर्षों के दौरान किए गए अपनी तरह के पहले वैज्ञानिक सर्वेक्षण से पता चला है कि लद्दाख का उच्च ऊंचाई वाला क्षेत्र मायावी शाही बिल्लियों के लिए प्रमुख अभयारण्य के रूप में उभर रहा है, जहां वैयक्तिक रूप हिम तेंदुओं की संख्या 477 है। राज्य-वार जनसंख्या अनुमान से पता चलता है कि उत्तराखंड में 124, हिमाचल प्रदेश में 51, अरुणाचल प्रदेश में 36, सिक्किम में 21 और जम्मू-कश्मीर में 9 हिम

तेंदुएं हैं। भारत में हिम तेंदुओं की बहुप्रतीक्षित स्थिति रिपोर्ट 2019 और 2023 के बीच हिम तेंदुए की जनसंख्या आकलन (एसपीएआई) कार्यक्रम से मिली है, जिसे केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री, भूपेन्द्र यादव ने राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की बैठक में मंगलवार को जारी किया। अपनी मायावी और रहस्यमय प्रकृति के (शेष पेज 9)

फसलों के नुकसान का मुआवजा देने में लापरवाही पर सीएम योगी सख्त

17 जिलों के एसडीएम से जवाब तलब

- मुख्यमंत्री ने वंचित किसानों को तत्काल राहत प्रदान करने के दिए निर्देश
- अफसरों ने वंचित किसानों का दोबारा सर्वे कराकर शासन से की बजट की डिमांड

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बार फिर लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ कड़ा एक्शन लिया है। क्षतिग्रस्त फसलों का मुआवजा देने में लापरवाही बरतने पर सीएम योगी ने नाराजगी जताते हुए 17 जिलों के अधिकारियों से जवाब तलब किया है। दरअसलए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में विभिन्न आपदाओं से क्षतिग्रस्त हुई फसलों के मुआवजे और अन्य राहत को लेकर समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने त्रुटियों के कारण फसलों के नुकसान के दोबारा सत्यापन में लापरवाही और मुआवजा नहीं देने पर नाराजगी जताई और अधिकारियों को ऐसे मामलों में तत्काल सत्यापन कराकर किसानों को मुआवजा राशि प्रदान करने के स्पष्ट निर्देश दिये हैं। मालूम हो कि फसलों के नुकसान का सत्यापन करने के बाद प्रदेश सरकार की ओर से किसानों को मुआवजा राशि व अन्य राहत प्रदान की जाती है लेकिन कुछ मामलों में तकनीकी कमियों के कारण कुछ किसानों की फसलों का सत्यापन पूर्ण नहीं हो सका। वहीं दोबारा उनका सत्यापन नहीं किया गयाए जिससे कुछ किसान सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली राहत और मुआवजा राशि प्राप्त नहीं कर सके। इसी को लेकर सीएम योगी ने सख्ती जताते हुए अधिकारियों से जवाब तलब करने के साथ ही वंचित किसानों को तत्काल मुआवजा देने के निर्देश दिये हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समीक्षा बैठक में पाया कि वित्तीय वर्ष 2021-22 और वर्ष 2022-23 में आपदाओं से क्षतिग्रस्त फसलों से प्रभावित हजारों किसानों को डाटा फिडिंग के दौरान आधार, खाता संख्या और डुप्लीकेसी के कारण मुआवजे का भुगतान नहीं किया जा सका जबकि उन्होंने अधिकारियों को दोबारा सत्यापन करा मुआवजे से वंचित किसानों को सहायता राशि देने के निर्देश दिए थे। सीएम योगी के निर्देश के बाद भी प्रदेश के कई जिलों के अधिकारियों ने क्षतिग्रस्त फसलों से प्रभावित किसानों का सर्वे नहीं कराया। इसकी वजह से समय से किसानों को मुआवजा नहीं मिल सका। इस पर उन्होंने नाराजगी जाहिर करते हुए कड़ी फटकार लगाई। इतना हीं नहीं उन्होंने लापरवाह 17 एडीएम एफआर से जवाब तलब करते हुए कड़ा एक्शन लेने के निर्देश दिए। सीएम योगी की नाराजगी के बाद हरकत में अधिकारियों ने अपने-अपने जिले में मुआवजे से वंचित किसानों का दोबारा सर्वे कराकर शासन से बजट की डिमांड की है। अपर मुख्य सचिव राजस्व सुधीर गर्ग ने बताया कि प्रदेश के विभिन्न जिलों से क्षतिग्रस्त फसलों से प्रभावित वंचित किसानों को तत्काल मुआवजा देने के लिए डिमांड के अनुसार धनराशि उपलब्ध कराई जा रही है। अभी तक 35 करोड़ से अधिक की धनराशि का भुगतान किया जा चुका है। साथ ही विभिन्न जिलों के जिलाधिकारियों को जल्द से जल्द मुआवजे से छुटे किसानों का सत्यापन कराकर धनराशि के डिमांड के निर्देश दिये गये हैं ताकि कोई भी किसान इससे वंचित न रह जाए।

अपर मुख्य सचिव राजस्व ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर 17 जिलों के एडीएम एफआर से लापरवाही पर जवाब तलब किया गया है। इनमें अलीगढ़, हाथरस, बाराबंकी, मऊ, बरेली, बदांयू, अंबेडकरनगर, शाहजहांपुर, महोबा, देवरिया, कुशीनगर, महाराजगंज, झांसी, ललितपुर, गाजियाबाद, बिजनौर और कौशांबी के एडीएम एफआर शामिल हैं। सभी एडीएम को एक हफ्ते में अपना जवाब शासन को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि सभी एडीएम से जवाब मिलते ही रिपोर्ट मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी। सीएम योगी के निर्देश के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। राहत आयुक्त जीएस नवीन ने बताया कि बाढ़ए ओलावृष्टि और बेमौसम बारिश से 33 प्रतिशत से अधिक क्षतिग्रस्त फसलों से प्रभावित किसानों को मुआवजा दिया जाता है। सीएम योगी के निर्देश पर किसानों को मुआवजा धनराशि सर्वे के 24 घंटे में डीबीटी के माध्यम से उनके खातों में भेजी जा रही है।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2021-22 में प्रदेश के 75 जिलों के क्षतिग्रस्त फसलों से प्रभावित 1397480 से अधिक किसानों को 5083180715 रुपए से अधिक की सहायता धनराशि दी गई। वहीं वर्ष 2022-23 में 1044387 से अधिक किसानों को 4252241276 रुपए से अधिक की सहायता धनराशि दी गई जबकि वर्तमान वित्तीय वर्ष में जनवरी तक 187845 से अधिक किसानों को 808868299 रुपए से अधिक की सहायता धनराशि वितरित की जा चुकी है।

आत्मनिर्भर भारत के संकल्प की सिद्धि का मार्ग प्रशस्त करते हैं बापू के विचार: योगी

- मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर जीपीओ स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान बच्चों ने बापू की पुण्यतिथि पर स्वरांजलि दी। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया पर बापू को याद किया। उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर लिखा, 'मानवता के अप्रतिम प्रतीक राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि।' पूज्य बापू के विचार 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' और 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प की सिद्धि का मार्ग प्रशस्त करते हैं। उनकी दी गई शिक्षा में रामराज्य और विश्व शांति की कामना का भाव अंतर्निहित है। कार्यक्रम में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, मंत्री स्वत्रंतदेव सिंह, मेयर सुषमा खर्कवाल, एमएलसी महेंद्र सिंह आदि ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

गणतंत्र दिवस समारोह में यूपी की झांकी को मिला द्वितीय पुरस्कार

- 'विकसित भारत-समृद्ध विरासत' थीम पर सजाई गई थी झांकी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सीएम योगी के नेतृत्व में विकास के ट्रैक पर तेजी से दौड़ रहे उत्तर प्रदेश को एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिला है। नई दिल्ली में कर्तव्य पथ पर आयोजित गणतंत्र दिवस परेड 2024 में यूपी की मनोरम झांकी ने सभी का दिल जीत लिया। 'विकसित भारत-समृद्ध विरासत' की थीम पर सजाई गई उत्तर प्रदेश की झांकी को 75वें गणतंत्र दिवस पर द्वितीय पुरस्कार मिला है। मंगलवार को नई दिल्ली में उत्तर प्रदेश सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के निदेशक शिशिर को भारत सरकार के रक्षा राज्यमंत्री अजय भट्ट ने प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिह्न प्रदान किया। 26 जनवरी को 16 राज्यों-केंद्रशासित प्रदेशों के साथ ही 9 अलग-अलग मंत्रालयों व विभागों की कुल 25 झांकियां निकली थीं। इसमें पीपुल्स च्वॉइस के आधार पर उत्तर प्रदेश ने दूसरा स्थान हासिल किया। अयोध्या में नवनिर्मित राम मंदिर की थीम पर सजाई गई उत्तर प्रदेश की इस झांकी ने सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया। इसमें पांच वर्ष के रामलला को हाथों में धनुष लिए दर्शाया गया था। झांकी पर ऋषि-मुनियों के साथ सनातन परंपरा और महाकुंभ आयोजन का अद्भुत नजारा देखने को मिला। साथ ही रैपिड रेल, ब्रह्मोस मिसाइल के प्रदर्शन तकनीक के साथ ही आत्मनिर्भर होते यूपी की झलक पेश कर रहा था। उत्तर प्रदेश के लिए यह गौरव का क्षण है। उत्तर प्रदेश को गणतंत्र दिवस परेड में आकर्षक झांकी के लिए अनवरत पांचवें वर्ष सम्मानित किया गया। 2020 में यूपी की झांकी को द्वितीयए 2021 व 2022 में प्रथम पुरस्कार मिला था। 2023 में पीपुल्स च्वॉइस श्रेणी में द्वितीय व तृतीय पुरस्कार यूपी के खाते में आया। वहीं 2024 में भी पीपुल्स च्वॉइस श्रेणी में उत्तर प्रदेश की झांकी दूसरे स्थान पर रही।

पब्लिक सर्वेंट के लिए आने वाले समय में आएंगी बड़ी चुनौतियां: दुर्गा शंकर मिश्र

- मुख्य सचिव से प्रांतीय सिविल सेवा के 47 प्रशिक्षु अधिकारियों ने भेंट की

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र से प्रांतीय सिविल सेवा (कार्यकारी शाखा) 2021 बैच के 47 प्रशिक्षु अधिकारियों ने भेंट की। मुख्य सचिव ने प्रशिक्षु अधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि उन्हें उत्तर प्रदेश में बड़ी जिम्मेदारी मिली है। समानता के सिद्धांतों को कायम रखते हुए पक्षपात या भेदभाव के बिना कार्य करना होगा। आम नागरिकों को उनकी पृष्ठभूमि या संबद्धता की परवाह किए बिना समान अवसर देकर और उचित व्यवहार करके उनमें शासन के प्रति विश्वास जगाना होगा। उन्होंने कहा कि सिविल सेवा के अधिकारियों की एक अहम जिम्मेदारी होती है कि सरकारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक पात्र लोगों मिले, उनके जीवन में किस प्रकार से बदलाव लाया जाए, इस दिशा में गंभीरतापूर्वक कार्य करना होगा।

उन्होंने कहा कि समय अब बदल रहा है, पब्लिक सर्वेंट के लिए आने वाले समय में बड़ी चुनौतियां आएंगी। आज के दौर में जन आकांक्षाएं तेजी से बढ़ रही है। सिविल सेवकों को अपने कार्यों, निर्णयों और सार्वजनिक संसाधनों के उपयोग की जवाबदेही खुद तय करनी होगी। उन्होंने कहा कि सिविल सेवकों को समाज के हाशिये पर पड़े, वंचित और कमजोर वर्गों के प्रति उत्तरदायी होना चाहिए। यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनकी आवाज सुनी जाए और उनके अधिकारों की रक्षा की जाए। उन्होंने सिविल सेवा के अधिकारियों को अमृतकाल और 15 अगस्त, 2047 तक भारत को विकसित बनाने में पंचप्रण के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि देश विकसित तभी होगा, जब प्रदेश विकसित होगा। इसी प्रकार प्रदेश तभी विकसित होगा, जब प्रत्येक जनपद और जनपद के गांव और शहर विकसित होंगे। गांव में क्या परिवर्तन लाया जा सकता है, इसपर कार्य करने की जरुरत है।

डीजीपी से मिले 11 प्रशिक्षु आईएफएस अफसर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डीजीपी विजय कुमार ने मंगलवार को पुलिस मुख्यालय में भारतीय विदेश सेवा (आईएसएफ) के 11 प्रशिक्षु अधिकारियों से शिष्टाचार भेंट की। यह सभी प्रशिक्षु आईएफएस अधिकारी प्रशिक्षण कार्यक्रम के अनुरूप पुलिस विभाग की कार्य प्रणाली से अवगत होने के लिए पुलिस मुख्यालय आए थे। डीजीपी ने भेंटवार्ता के दौरान प्रशिक्षु आईएफएस अधिकारियों को पुलिस कार्यप्रणाली के सम्बन्ध में जानकारी देते हुए उनके जिज्ञासा भरे प्रश्नों का उत्तर दिया गया तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गयी। इस अवसर पर अपर पुलिस महानिदेशक//पुलिस महानिदेशक के जीएसओ सहित पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

सपा ने शहीद दिवस के रूप में मनाई राष्ट्रपिता की पुण्यतिथि

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि आज समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय में 'शहीद दिवस' के रूप में सादगी से मनायी गयी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और सत्य अहिंसाए करुणा और सद्भाव के पुजारी को नमन किया। अखिलेश यादव ने कहा कि गांधी जी ने भारत की आजादी के संघर्ष का नेतृत्व किया और पूरे देश को जगा दिया। भाजपा ने गांधी के रास्ते को देखिये किधर मोड़ दिया। गांधी के रास्ते पर चलने और उनके सपनों को पूरा करने का हमें संकल्प लेना है।

विचारों के बिना नहीं बन सकता कोई भी समाज: अविनाश पाण्डेय

कांग्रेस मुख्यालय सहित पूरे प्रदेश में कार्यक्रम आयोजित कर बापू को दी गई श्रद्धांजलि

- प्रदेश के सभी 844 ब्लाकों से चलाई जा रही यात्रा का प्रदेश के सभी 75 जिला मुख्यालयों पर हुआ समापन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की शहादत दिवस के मौके पर मंगलवार को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में प्रदेश मुख्यालय के साथ ही प्रदेश के सभी जनपदों के कांग्रेस मुख्यालयों पर कार्यक्रम आयोजित कर बापू को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर कांग्रेसजनों द्वारा राम धुन गाकर आजादी के महानायक को याद किया गया। इस अवसर पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं प्रभारी उत्तर प्रदेश अविनाश पाण्डेय एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राज ने हजरतगंज स्थित जीपीओ पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके अतिरिक्त भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समर्थन में प्रदेश कांग्रेस द्वारा प्रदेश के सभी 844 ब्लाकों से चलाई जा रही यात्रा का आज प्रदेश के सभी 75 जिला मुख्यालयों पर समापन हुआ। लखनऊ में इस यात्रा का समापन प्रदेश प्रभारी अविनाश पाण्डेय एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय की उपस्थिति में प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर हुआ।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता डॉ. उमा शंकर पाण्डेय ने बताया कि बापू के बलिदान दिवस पर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय की अध्यक्षता में एक विचार गोष्ठी 'महात्मा गांधी के जीवन का संदेश' आयोजित हुई। जिसमें विशिष्ट अतिथि के रूप में सुविख्यात गांधीवादी चिंतक, लेखक एवं प्रोफेसर राम पुनियानी, सुप्रसिद्ध इतिहासविद अशोक पाण्डेय एवं सुविख्यात सामाजिक चिंतक प्रो. रविकांत ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के महान व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर अपने विचार प्रस्तुत किए। संगोष्ठी का संचालन प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता डॉ. मनीष श्रीवास्तव हिंदवी ने किया।

इस मौके पर अपन अविनाश पाण्डेय ने कहा कि पूज्य बापू के विचार एवं उनके कार्यों को सुनकर आज हम सब गौरवान्वित हो रहे हैं। कोई भी समाज विचारों के बिना नहीं बन सकता है। हम यदि कभी कमजोर महसूस करते भी हैं तो यह तभी होता है जब हम भूल जाते है कि हमारा गौरवशाली इतिहास क्या है। हम अपने गौरवशाली अतीत की नीव पर एक बेहतरीन भविष्य के निर्माण के लिए यहां एकत्रित हुए हैं। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी के विचारों से ओत प्रोत होकर जननायक राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा के माध्यम से दक्षिण से उत्तर और अब भारत जोड़ो न्याय यात्रा के माध्यम से पूरब से पश्चिम सम्पूर्ण भारत का भ्रमण कर जन भावनाओं को समझ रहे हैं और लोगों को गले लगाते हुए आत्मविश्वास से लबरेज होकर भारत की विविधता में एकता का बिगुल बजा रहे हैं। राहुल गांधी के इन विचारों से प्रत्येक कांग्रेसजन उत्साहित होकर उनका अनुकरण करते हुए विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से प्रदेश को जोड़ने का कार्य कर रहे हैं। इसी श्रृखला में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में निकाली गई 'यूपी जोड़ो यात्रा' की सराहना करते हुए उन्होंने प्रदेश कांग्रेस कमेटी को बधाई दी।

अजय राय ने कहा कि प्रदेश में तिरंगे को महत्व को घटाने का जो कुचक्र भाजपा एवं आरएसएस द्वारा किया जा रहा है उसे समझ कर ही कांग्रेस पार्टी ने 26 जनवरी से 30 जनवरी तक भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समर्थन में प्रदेश के सभी 844 ब्लाकों में ध्वजवंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसका आज प्रदेश के सभी जनपद मुख्यालयों पर समापन हो रहा है। उन्होंने कहा कि गांधी जो विचार छूट रहे हैं उन्हें गांव-गांव तक ले जाएंगे। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी पूरी ताकत से गांधी की हत्या करने वाली विचारधारा के लोगों को जवाब देगी और 2024 में हम उनकी चूले हिला देंगे। उन्होंने कहा कि हम आराम करने वाले नहीं हैं हम गांधी के लोग हैं जो विचारधारा के लिए शहादत देने से पीछे नहीं हटेंगे। हम वचनबद्ध एवं कटिबद्ध होकर गांधी जी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का काम करेंगे।

मतदान से लेकर वोट गिनवाने तक सतर्क रहें सपा कार्यकर्ता: अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय के डॉ. राममनोहर लोहिया सभागार में बड़ी संख्या में एकत्र कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव देश के लिए महत्वपूर्ण साबित होंगे। समाज के सभी वर्गों को समाजवादी पार्टी के पक्ष में मतदान करने के लिए पूरी ताकत के साथ जुट जाना है। समाजवादी पार्टी पीडीए को एकजुट करके भाजपा के एनडीए गठबंधन को हरायेगी। अखिलेश यादव ने कहा कि हर समाजवादी कार्यकर्ता और पदाधिकारी को मतदान से लेकर वोट गिनवाने तक सतर्कता बरतनी है। समय कम बचा है। बूथ स्तर तक जुटना है। इस बार दिन रात एक कर देना है और हर हालत में जीत हासिल करना है। भाजपा उत्तर प्रदेश से 2014 में केन्द्र की सत्ता में आई थी। 2024 में उत्तर प्रदेश से ही भाजपा सत्ता के बाहर जाएगी। भाजपा की पैसे की ताकत जनता के सामने टिक नहीं पाएगी। यादव ने कहा कि सामाजिक न्याय के लिए आरक्षण आवश्यक है। भाजपा आरक्षण को साजिशन खत्म करना चाहती है। वह संविधान को भी बदलना चाहती है। 2024 के बाद लोकतंत्र पर खतरा है। भाजपा जनता को धोखा दे रही है। हालात अच्छे नहीं है। किसान, नौजवान, महिलाएं सभी परेशान है। महंगाई, बेरोजगारी, अन्याय, अत्याचार चरम पर है। समस्याओं का अंबार लगा है। इनके समाधान के लिए भाजपा के पास समय नहीं है। कानून व्यवस्था पूरी तरह चौपट है। हर तरफ अपराध का बोलबाला है।

दुनिया के 12 इंटरनेशनल ट्रैवल व ट्रेड फेस्टिवल्स में 'ब्रांड यूपी' को प्रमोट करेगी सरकार

यूपी को मोस्ट फेवरिट टूरिस्ट डेस्टिनेशन के तौर पर देश-विदेश में प्रोजेक्ट करने की विस्तृत कार्ययोजना हुई निर्धारित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश को देश के फोस्ट फेवरिट डेस्टिनेशन के तौर पर स्थापित करने में लगी योगी सरकार पर्यटन के लिहाज से भी राज्य को मोस्ट फेवरिट टूरिस्ट डेस्टिनेशन के तौर पर देश-दुनिया में प्रोजेक्ट करने की तैयारी में है। उत्तर प्रदेश के आध्यात्मिक पर्यटन के साथ ही अन्य प्रमुख पर्यटन आकर्षण केंद्रों के प्रति देश-दुनिया में एक सकारात्मक रुचि उत्पन्न करने की मंशा से सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देशन में एक विस्तृत कार्ययोजना के माध्यम से रूपरेखा तय की गई है। इसके अंतर्गत यह तय किया गया है कि दुनिया के प्रमुख 12 इंटरनेशनल ट्रेड फेयर्स, ट्रैवल फेयर्स व एक्सपो में उत्तर प्रदेश रोड.शोए कैंपेनिंग समेत तमाम माध्यमों से अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए ब्रांड यूपी और डेस्टिनेशनल यूपी को प्रमोट किया जाएगा। इनमें जापान, इजरायल, चीन, अमेरिका, फ्रांस, सिंगापुर, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, इजरायल, रूस व यूएई प्रमुख हैं। वहीं देश समेत कुल 28 राष्ट्रों के लगभग 50 शहरों में विभिन्न आयोजनों के दौरान उत्तर प्रदेश को टूरिस्ट हब के तौर पर प्रोजेक्ट करने की भी विस्तृत रूपरेखा तय कर ली गई है। इन सभी कार्ययोजनाओं पर उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने कार्रवाई भी शुरू कर दी है तथा नेशनल व इंटरनेशनल रोड शो के आयोजन के दृष्टिगत इंटरनेशनल ब्रांड बिल्डिंग, मार्केटिंग, पब्लिसिटी व संचालन के लिए एजेंसी को आबद्ध करने की प्रक्रिया जारी है।

सीएम योगी के विजन अनुसार तैयार की गई विस्तृत कार्ययोजना में उत्तर प्रदेश को ब्रांड यूपी तथा मोस्ट फेवरिट टूरिस्ट डेस्टिनेशन के तौर पर देश.दुनिया में प्रोजेक्ट करने के लिए जो मास्टर प्लान तैयार किया गया है उसमें इंटरनेशनल ट्रेड शो, ट्रैवल फेयर्स व एक्सपो की प्रमुख भूमिका है। जिन इंटरनेशनल आयोजनों को इस प्रक्रिया के जरिए टारगेट किया जाएगा उनमें आईटीबी एशिया (सिंगापुर), आईएफटीएम टॉप आरईएस, पेरिस (फ्रांस), जेएटी, टोक्यो (जापान), डब्लयूटीएम लंदन (ब्रिटेन), यूएसटीओ, अमेरिका, एफआईटीयूआर मैड्रिड (स्पेन), एआईएमई मेलबर्न (ऑस्ट्रेलिया), आईएमटीएम तेल अवीव (इजरायल), एमआईटीटी मॉस्को (रूस), एटीएम दुबई (यूएई) व सीओटीटीएम बीजिंग (चीन) जैसे आयोजन मुख्य हैं। सभी चयनित इंटरनेशनल लोकेशंस पर प्रचार और ब्रांड विकास अभियान आयोजित करने के साथ ही भारतीय दूतावासों के साथ समन्वय स्थापित कर इस प्रक्रिया को पूर्ण किया जाएगा।

कार्ययोजना के अनुसार, ब्रिटेन के लंदन, मैनचेस्टर, बर्मिंघम व ग्लासगो, स्पेन के मैड्रिड, बिलबाओ, बार्सिलोना, इटली के रोम, मिलान व जर्मनी के बर्लिन, म्यूनिख, फ्रैंकफर्ट में इंटरनेशनल रोड शो का आयोजन किया जाएगा। इसी प्रकार, पुर्तगाल के लिस्बन, नॉर्वे के ओस्लो, स्वीडन के स्टॉकहोम, फ्रांस के पेरिस, नीदरलैंड के हेग व फिनलैंड के हेलसिंकी में भी रोड शो व एग्जिबीशन स्टॉल्स लगाए जाएंगी। अमेरिका के प्रमुख शहरों सैन फ्रांसिस्को, लॉस एंजिल्स, न्यूयॉर्क व शिकागो में भी बड़े स्तर पर ब्रांड यूपी और उत्तर प्रदेश पर्यटन को प्रमोट किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स, ब्राजील के ब्रासीलिया, चीन के शंघाई, बीजिंग व ऑस्ट्रेलिया के सिडनी, मेलबर्न तथा ब्रिस्बेन में इंटरनेशनल रोड शो आयोजित किए जाएंगे। खाड़ी देशों में संयुक्त अरब अमीरात के दुबई, ओमान के मस्कट, कतर के दोहा, कुवैत के कुवैत शहर, लेबनान के बेरूत, रूस के मॉस्को, इज़राइल के तेल अवीव में भी इस प्रक्रिया को पूर्ण किया जाएगा। दक्षिण पूर्व देशों में सिंगापुर, थाईलैंड के बैंकॉक, जापान के टोक्यो, कंबोडिया के नोम पेन्ह, फिलीपींस के मनीला, वियतनाम के हनोई, इंडोनेशिया के जकार्ता, मलेशिया के कुआलालंपुर, साउथ कोरिया के सियोल, श्रीलंका के कोलंबो, भूटान के थिम्पू तथा नेपाल के काठमांडू में ब्रांड यूपी को प्रमोट करने के लिए विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का सहारा लिया जाएगा।

पायनियर वर्गीकृत

सूचना

सूचित करता हूं कि मैं अपनी फर्म अल मनार टूर्स एण्ड ट्रैवेल्स दुकान नं. 6ए., एल.जी.एफ. ए. आर सेन्टर, अमीनाबाद लखनऊ में स्थिति है अब अपनी उपरोक्त फर्म को अपने स्वेच्छा से बन्द कर रहा हूं। फर्म पर कोई बकाया या वाद विवाद नहीं है फहद पुत्र मो० शौकत निवासी 543/1231 शेखपुर हबीबपुर राजाजीपुरम लखनऊ

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है की शपथी का नाम पासपोर्ट में त्रुटिवश समसुद्दीन लिख गया है जबकि शपथी का पूरा नाम शमसुद्दीन मंसूरी है अत: शपथी का पूरा व सही नाम पासपोर्ट में दर्ज़ कर दिया जाए, शमसुद्दीन मंसूरी पुत्र मोहम्मद रौफ, ग्राम. नौडिहवा इटा रामपुर इंटाई रामपुर बलरामपुर

KVB Karur Vysya Bank
Smart way to bank
18/179 गंगा टावर, मॉल रोड, कानपुर – 208001
फोन: 0512-2303374
ईमेल: kpur@kvbmail.com

सुरक्षित जमा लॉकर तोड़ने की सार्वजनिक सूचना

निम्नलिखित किरायेदारों ने कानपुर शाखा से सुरक्षित जमा लॉकर सुविधा का लाभ उठाया है और निर्धारित समय के भीतर इसे नवीनीकृत करने में विफल रहे हैं, करूर वैश्य बैंक लि द्वारा उन्हें बार-बार नोटिस जारी किए जाने के बावजूद – किरायेदार लॉकर किराया बकाया का भुगतान करने में विफल रहे हैं, हम उक्त लॉकर को खोलने के लिए विवश हैं– "प्रकाशन की तारीख से पंद्रह दिन के बाद (अर्थात 15.02.2024)" सुबह 11 बजे संबंधित शाखा परिसर में, यह सार्वजनिक सूचना किराएदारों के वारिसों/कानूनी उत्तराधिकारियों को है, यदि लागू हो। इसके अलावा, करूर वैश्य बैंक लिमिटेड के पास बिना किसी पूर्व सूचना के ब्रेक ओपनिंग की तिथि को बदलने का अधिकार है।

क्र. सं.	किराएदार का नाम	लॉकर नं.	देय राशि (रु.)
1	जयकुमारी जाखोडिया	4404001F075	रु. 42,480
2	साक्षी अग्रवाल	4404003D022	रु. 5,900
3	विजय प्रताप चंद्रवन सिंह	4404002B020	रु. 10,974

दिनांक : 31.01.2024 कानपुर
शाखा प्रमुख – करूर वैश्य बैंक

एलडीए ने ई-ऑक्शन में बेची 675 करोड़ की व्यवसायिक सम्पत्ति

● सफल आवंटियों को आमंत्रित कर दिए गए सर्टिफिकेट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विकास प्राधिकरण ने ई-ऑक्शन में 675 करोड़ रूपये से अधिक कीमत की व्यवसायिक सम्पत्ति बेची है। पारदर्शी प्रक्रिया के तहत कराये गये इस ई-ऑक्शन में निवेशकों का जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। नतीजा यह रहा कि ई-नीलामी में आरक्षित दर से काफी अधिक कीमत तक बोली लगी और व्यावसायिक भूखण्डों के साथ ही ग्रुप हाउसिंग, स्कूल, हेल्थ सेंटर व नर्सिंग होम व मिश्रित भू.उपयोग के भूखण्ड भी बिके। प्राधिकरण की अध्यक्ष एवं मण्डलायुक्त और एलडीए उपाध्यक्ष द्वारा ई-ऑक्शन में बोली लगाने वाले सफल आवंटियों को आमंत्रित करके सर्टिफिकेट वितरित किए गए।

मंगलवार को एलडीए सभागार में कार्यक्रम के दौरान मण्डलायुक्त डॉ रोशन जैकब द्वारा सभी सफल आवंटियों को बधाई दी गयी। उन्होंने कहा कि व्यवसायिक सम्पत्ति खरीदने वाले सभी आवंटियों को 15 दिन के अंदर आवंटन पत्र निर्गत कर दिये जाएंगे। आवंटियों द्वारा इन सम्पत्तियों पर जो भी प्रोजेक्ट लाये जाएंगेए उसके लिए मानचित्र स्वीकृत करने आदि की समस्त कार्यवाही को सिंगल विन्डो सिस्टम के अंतर्गत निष्पादित कराया जाएगा। उपाध्यक्ष डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी ने बताया कि इस बार ई.ऑक्शन में लगायी गयी व्यवसायिक सम्पत्तियों का व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार कराया गयाए जिससे अधिक संख्या में लोगों को सम्पत्तियों के बारे में जानकारी प्राप्त हो सकी। सम्पत्ति खरीदने के इच्छुक लोगों को अभियंताओं व कर्मचारियों द्वारा साइट विजिट भी करवायी गयीए जिसके बेहतर परिणाम देखने को मिले।

उपाध्यक्ष ने कहा कि ई-ऑक्शन में बोली लगाने वाले जो लोग सफल नहीं हुयेए वह निराश न हों। प्राधिकरण द्वारा दोबारा लगभग 2500 करोड़ रुपए की व्यवसायिक सम्पत्तियों के ई-ऑक्शन के लिए पोर्टल खोल दिया गया है। इसमें बोली लगाने के लिए 16 फरीवरी 2024 तक पंजीकरण कराया जा सकता है। जिसके बाद 20 फरवरी 2024 को ई-ऑक्शन किया जाएगा।

180 करोड़ में बिका सीबीडी योजना का भूखंड

उपाध्यक्ष डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी ने ई-ऑक्शन में विक्रय की गयी सम्पत्तियों के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि सीजी सिटी स्थित सीबीडी योजना का भूखण्ड संख्या सीपी-04 (क्षेत्रफल-18962.81 वर्गमीटर) लगभग 180 करोड़ रुपए में बिका। वहीं, भूखण्ड संख्या सीपी-05, (क्षेत्रफल-524632 वर्गमीटर) में 45.85 करोड़ रुपए की अंतिम बोली लगी। इसके अलावा गोमती नगर विस्तार योजना के सेक्टर-7 में नर्सिंग होमध्हेल्थ सेंटर के लिए आरक्षित भूखण्ड संख्या-7/12, (क्षेत्रफल-8844.69 वर्गमीटर) 50.81 करोड़ से अधिक कीमत में बिका।

सीजी सिटी में स्कूल भूखंड भी बिका

अपर सचिव ज्ञानेन्द्र वर्मा ने बताया कि सीजी सिटी योजना में स्कूल के लिए आरक्षित भूखण्ड संख्या-एफ3 (क्षेत्रफल-19060-62 वर्गमीटर) लगभग 119 करोड़ रुपए में बिका। इसके अलावा मिश्रित भू-उपयोग के भूखण्ड संख्या-एफ1 (क्षेत्रफल-13989-18 वर्गमीटर) की बिक्री 102.93 करोड़ रुपए में हुई।

शहीदों को श्रद्धांजलि कार्यक्रम में शामिल हुए सीएम योगी

● जलाए दीप, गोमती मैय्या की पूजा-अर्चना भी की

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को शहीद स्मारक में आयोजित 'शहीदों को श्रद्धांजलि' कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के चित्र पर पुष्पार्चन किया। सीएम ने यहां दीप प्रज्ज्वलित कियाए फिर गोमती मैया की पूजा-अर्चना भी की।

कलाकारों ने श्रीराम स्तुति श्रीराम चंद्र कृपालु भजुमन, वैष्णव जन तो तेने कहिए, रघुपति राघव राजाराम का पाठ भी किया। इस दौरान महापौर सुषमा खर्कवाल, कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, विधायक योगेश शुक्ल, जया देवी आदि की मौजूदगी रही।

मेट्रो में नई भर्तियों के लिए शुरु हुआ ओरिएंटेशन व प्रशिक्षण कार्यक्रम

लखनऊ। ट्रांसपोर्ट नगर में यूपीएमआरसी द्वारा नए 16 रंगरूटों के लिए ओरिएंटेशन एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया है। नए छात्रों को ट्रेन ऑपरेटर, कनिष्ठ अभियंता और अनुरक्षक जैसे पदों की तैयारी के लिए अगले 6 महिनों तक सीएओईटी में कठिन प्रशिक्षण से गुजरना होगा। सोमवार को उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (यूपीएमआरसी) ने अपने ट्रांसपोर्ट नगर मेट्रो डिपो के सेंटर ऑफएक्सीलेंस फॉर ट्रेनिंग में 16 नए रंगरूटों के लिए ओरिएंटेशन एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया। यूपी मेट्रो के निदेशक रोलिंग स्टॉक नवीन कुमार ने सभी विभागों के विभागाध्यक्षों और उप विभागाध्यक्षों की उपस्थिति में भाषण देकर कार्यक्रम की शुरुआत की। इन नए छात्रों को ट्रेन ऑपरेटर, कनिष्ठ अभियंता और अनुरक्षक जैसे पदों के लिए तैयार होने के लिए अगले 6 महिनों तक सीएओईटी में कठिन प्रशिक्षण से गुजरना होगा। प्रशिक्षण के दौरान इन्हें लखनऊ, कानपुर एवं आगरा मेट्रो के ट्रेन संचालन, स्टेशन प्रबंधन, सिग्नलिंग, रोलिंग स्टॉक और सिस्टम के विद्युत पहलुओं के बारे में प्रशिक्षित किया जाएगा।

राजधानी के सीएमओ सहित कई डाक्टरों का प्रमोशन

लखनऊ। शासन स्तर पर मंगलवार को राजधानी के सीएमओ सहित प्रशासनिक पद पर सरकारी अस्पतालों में तैनात रहे कई डॉक्टरों को अपर निदेशक ग्रेड पर प्रोन्नति दे दी गई है। प्रमोशन के बाद अब सेवानिवृत्ति के करीब कई डॉक्टर अब 62 साल की उम्र में रिटायर हो जाएंगे। शासन स्तर से लेवल 4 ग्रेड के 44 डॉक्टरों को पदोन्नति दे दी गई, अब यह सभी डॉक्टर ग्रेड 5 में पहुंचकर अपर निदेशक कैडर में जा गए हैं। इसमें सीएमओ लखनऊ डॉ मनोज अग्रवाल, बलरामपुर अस्पताल के सीएमएस डा अतुल मेहरोत्रा, लोकबंधु अस्पताल में तैनात हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ जीपी गुप्ता, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ एपी सिंह अपर निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य ग्रेड में आ गए हैं। इसमें डॉ अतुल मेहरोत्रा इसी माह 31 जनवरी को रिटायर हो रहे हैं। डा अतुल ने वीआरएस के लिए आवेदन कर रखा था। लेवल 5 ग्रेड में आ जाने बाद वह अब 62 साल की उम्र में ही रिटायर हो जाएंगे। इसी तरह कई अन्य डॉक्टर जो ग्रेड 4 से 5 में प्रोन्नति पाए हैं। उन्हें भी वीआरएस लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी। शासनादेश के तहत ग्रेड 1 से 4 तक डॉक्टर 64 साल की उम्र में रिटायर होंगे। इन डॉक्टरों को वीआरएस आवेदन करना पड़ता है जबकि ग्रेड 5 व 6 के डॉक्टर 62 की उम्र में रिटायर हो जाएंगे।

केजीएमयू में पैरामेडिकल कोर्सों में दाखिले की प्रक्रिया शुरू

लखनऊ। किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी में संचालित पैरामेडिकल कोर्सों में दाखिले की प्रक्रिया मंगलवार से शुरू हो गई। स्टेट मेडिकल फैकल्टी की ओर से कलाम सेंटर में काउंसलिंग शुरू की गई है। प्रवेश प्रक्रिया तीन फरवरी तक चलेगी। केजीएमयू में नर्सिंग, एक्सरे, सीटी, ईसीजी, रेडियोथेरेपी, ओटी टेक्नीशियन समेत अन्य पाठ्यक्रमों का संचालन हो रहा है। स्टेट मेडिकल फैकल्टी की तरफसे दाखिले होते हैं। केजीएमयू प्रवक्ता डॉ सुधीर सिंह का कहना है कि पैरामेडिकल कोर्सों में दाखिले के लिए प्रथम वर्ष की फीस 43 हजार रुपये है।

यूपीएचसी खुर्रम नगर को मिला कायाकल्प अवार्ड

लखनऊ। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की ओर से कायाकल्प अवार्ड इस बार भी यूपीएचसी खुर्रमनगर को दिया गया है। इंदिरा नगर स्थित एक निजी होटल में आयोजित कार्यक्रम में नोडल कायाकल्प व डिप्टी सीएमओ डॉ संदीप सिंह ने खुर्रमनगर यूपीएचसी के अधीक्षक डॉ धीरेंद्र सिंह को कायाकल्प अवार्ड सौंपा। डॉ धीरेंद्र ने बताया कि लगातार चौथी बार उनकी यूपीएचसी को कायाकल्प अवार्ड मिला है। इससे पहले वर्ष 2022-23 में सर्वाधिक ई संजीवनी का कीर्तिमान भी यूपीएचसी के नाम दर्ज है।

पीजीआई में हेपेटाइटिस नियंत्रण उपचार केंद्र का उद्घाटन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान के हेपेटोलॉजी विभाग के तत्वावधान में मंगलवार को राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम के तहत उपचार केंद्र का उद्घाटन किया गया।

कार्यक्रम के तहत हेपेटाइटिस बी के लिए मुफ्त डीएनए परीक्षण और हेपेटाइटिस सी के लिए आरएनए परीक्षण किया जाएगा। हेपेटाइटिस बी और हेपेटाइटिस सी के मरीजों को मुफ्त परामर्श और दवाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। कार्यक्रम का लक्ष्य हेपेटाइटिस के समूल खात्मे का लक्ष्य साधना और 2030 तक देश भर में हेपेटाइटिस सी का उन्मूलन करना है। इन सेवाओं का लाभ उठाने के इच्छुक मरीजों को सोमवार और शुक्रवार को हेपेटोलॉजी ओपीडी में अपना पंजीकरण कराना होगा। एनवीएचसीपी केंद्र के उद्घाटन कार्यक्रम में महानिदेशक स्वास्थ्य डा. ब्रिजेश राठौड़, पीजीआई के डीन प्रोफेसर शालीन कुमार, चिकित्सा अधीक्षक प्रोफेसर वीके पालीवाल, सर्जिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी के विभागाध्यक्ष प्रो राजन सक्सेना, नोडल अधिकारी यूपी.एनवीएचसीपी डॉ विकासेंदु अग्रवाल, हेपेटोलॉजी के विभागाध्यक्ष प्रो अमित गोयल व सहायक प्रोफेसर हेपेटोलॉजी डॉ सुरेंद्र सिंह और डॉ अजय मिश्रा उपस्थित थे।

केंद्रीय मंत्री ने किया अनीता भटनागर जैन की तीन पुस्तकों का विमोचन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पूर्व आईएएस अधिकारी डॉ. अनिता भटनागर जैन द्वारा लिखित बच्चों की तीन पुस्तकों का विमोचन किया। 'मकाऊ की बर्थ-डे' जो कि पशु-पक्षियों के अधिकारों से संबंधित कहानी संग्रह है, उसके हिंदी व अंग्रेजी संस्करण और 'करोना वॉरियर और सिंबा' के उड़िया अनुवाद का विमोचन हुआ। 'मकाऊ की बर्थ-डे' की कहानियां लखनऊ जू और दुधवा नेशनल पार्क की पृष्ठभूमि में है। डॉ. जैन की बच्चों की कहानियां अब 16 भाषाओं में उपलब्ध है।

अयोध्या धाम की सेवा का अवसर मिलना मेरा सौभाग्यः डॉ. श्यामलेश तिवारी

● प्राण प्रतिष्ठा समारोह से लौटे लविवि के संस्कृत एवं प्राच्य विभाग के असिस्टेंट प्रो.डॉ. श्यामलेश तिवारी ने अपने मन के भाव किए साझा

● कहा, एक अकथनीय व अवर्णनीय आनंद की हुई प्राप्ति

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

श्री अयोध्या धाम में प्रभु श्रीराम के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को शब्दों में व्यक्त करना काफी कठिन है। एक अकथनीय, अवर्णनीय आनंद की प्राप्ति हुई। उस समय यह लग रहा था कि यहां राम तो नहीं है-यहां राम तो नहीं है। इसलिए 16 से 22 जनवरी तक श्री अयोध्या धाम में कभी जूता-चप्पल नहीं पहना। मन में बस यही भाव आ रहा था कि कहां भगवान के पद पड़े होंगे, कहां भगवान खेलें होंगे। उस रज में मेरे लिए जूता-चप्पल पहनकर चलना ठीक नहीं है तो रोज नये-नये मोजे पहन लेते थे। यह अनुभव प्रभु श्रीराम के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए श्रीराम मंदिर तीर्थ न्यास की तरफ से देश भर से आमंत्रित विद्वानों में शामिल लखनऊ विश्वविद्यालय के संस्कृत एवं प्राच्य विभाग के **असिस्टेंट प्रो.डॉ. श्यामलेश तिवारी** ने श्री अयोध्या से लौटने के बाद मंगलवार को **'पायनियर' के प्रमुख संवाददाता सतीश सिंह** के साथ एक बातचीत के क्रम में व्यक्त किया।

अपने अनुभव को साझा करते हुए प्रो. तिवारी ने बताया कि लोग अक्सर चर्चा में कहते हैं कि अयोध्या श्री विहीन है। माता जानकी का वहां पर अपमान हुआ था तो, माता अयोध्या को श्रापित करके गई थी। अयोध्या श्री विहीन रहेगा। भक्ति रहेगी, त्याग रहेगा, साधना रहेगी, सब कुछ होगा पर वहां श्री नहीं रहेगा। श्री के 10 गुण हैं। अगर श्री ना हो तो सब बेकार है। उन्होंने कहा कि 500 वर्ष में जो श्री का स्वरूप, ऐश्वर्य जो दिखा है, इस बार अयोध्या में दिखा है। इस बार जो मैं देखा आंखों से उसका वर्णन कर रहा हूं। जिस निमित्त मैं गया था, वह 16 जनवरी से 22 जनवरी तक का कार्य हुआ। यद्यपि मैं देश से विदेशों तक में कर्मकांड करा चुका हूं, प्राण प्रतिष्ठा भी कर चुका है। अयोध्या में स्वयं में दो प्राण प्रतिष्ठा करा चुका हूं। शास्त्र वही है, विद्या वही है, सब कुछ स्वरूप वही है लेकिन ऐसा लग रहा था मन में भाव न जाने कितने जन्म जन्मान्तर का पूर्ण जो संचित था, वह वह एकत्रित होकर उबाल मारा है और भी कुछ हो सकता था। ऐसा भाव पहले कभी प्रकट नहीं हुआ। जो अब जिस रूप में श्री अयोध्या को देख रहा हूं, सबसे ज्यादा आनंदित क्षण है। प्राण प्रतिष्ठा के क्रम में भगवान को स्नापन्न कराना पड़ता था, स्नापन्न का मतलब था कि 134 कलश। वहां पर जो विविध प्रकार के कलश स्थापित थे, वह अलग.अलग दिनों मे अलग-अलग प्रकार के कलशों से स्नापन करना पड़ता था। स्नापन्न के बाद जो स्वच्छता मंदिर करना पड़ता था, ऐसा लगता था पता नहीं किस रूप में प्रभु रहे होंगे। यह जो कार्य है, ठंड के मौसम में भी कभी गर्भ गृह में ठंड की अनुभूति नहीं हुई। ऐसा लगा कि इसी में लोट कर साफ करूं। मतलब हाथ लगाना पाप लग रहा था, हम लोगों ने पोछा जो लगाया, घुटनों के बाल बैठकर लगाया। इस प्रकार के भाव की मन में अनुभूति थी। 22 जनवरी के बाद जो अर्चक होंगे, उनको छोड़कर हमारे इस देश में जो अर्चक नहीं होंगे, किसी का भाग्य नहीं होगा कि वह वहां तक प्रवेश कर पावे। अगर भगवान राम भी मनुष्य रूप में आ जाएंगे और कहेंगे कि हम उस गर्भ गृह में प्रवेश करना चाहते हैं तो उन्हें भी प्रवेश नहीं मिलेगा। यह हम लोगों का सौभाग्य था कि सेवा करने का अवसर मिला। डॉ. तिवारी ने बताया कि दो प्रकार के विग्रह थे। एक तो जिन विग्रह का लोग दर्शन कर रहे थे और एक छोटे से रामलाल के श्री विग्रह थे। जिन्हें हम उत्सव मूर्ति कहते हैं, चांदी के थे। जो चल रूप में थे, अचल तो वहां पर थे। 16 जनवरी से लेकर 22 जनवरी तक प्राण प्रतिष्ठा से जुड़े कार्यक्रमों को साझा करते हुए डॉ. तिवारी ने बताया कि जब रामलला को लोग यज्ञ मंडप से लेकर पालकी तक आते थे, तो ऐसा लगता था हम रामलला को गोद में लिए हुए हैं। यह भाव पूर्ण कर्मों के चलते ही संभव था। एक और वर्णन में बताना चाहूंगा। वेद की जो परंपरा होती है,वह 24-25 साल में जाकर तैयार होते हैं। 8 साल में में पढ़ना शुरू करते हैं तो वह 24-25 साल में जाकर तैयार होते हैं। ऐसे लगभग 100 फीसद वही विद्वान वहां आए थे। वेद शास्त्र में कर्मकांड का जो पक्ष था, कहीं से भी त्रुटि न हो।

नेहरू इन्क्लेव में मिली गंदगी की शिकायत, नगर निगम को कैम्प लगाकर व्यवस्था सुधारने के निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

एलडीए में नागरिक सुविधा दिवस में नेहरू इंक्लेव के वासियों की शिकायत पर मण्डलायुक्त द्वारा नगर आयुक्त को समस्याओं के निस्तारण के निर्देश दिये गए। नेहरू इंक्लेव में नगर निगम को कैंप लगाकर व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए गए। वहीं, रिफंड की कार्यवाही में देरी पर विशेष कार्याधिकारी को प्रतिकूल प्रवृष्टि दी गयी। नामांतरण के प्रकरण में विलम्ब पर विशेष कार्याधिकारी व अनु सचिव को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।

मंगलवार को गोमती नगर स्थित एलडीए कार्यालय में मंगलवार को नागरिक सुविधा दिवस का आयोजन किया। कार्यक्रम में मण्डलायुक्त डॉ रोशन जैकब की अध्यक्षता में जिलाधिकारी सूर्यपाल गंगवार, प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ इन्द्रमणि त्रिपाठी व सचिव पवन कुमार गंगवार समेत विभिन्न विभागों के सक्षम अधिकारियों ने आम जन मानस की समस्याओं को विस्तारपूर्वक सुना। इनके निस्तारण के सम्बंध में सम्बंधित को दिशा.निर्देश दिये। नागरिक सुविधा दिवस में पहुंचे नेहरू इन्क्लेव के निवासियों ने कालोनी में गंदगी, ड्रेनेज व छुट्टा जानवरों के आतंक से प्रताड़ित होने की समस्या बतायी। इस पर मण्डलायुक्त ने नगर आयुक्त को निर्देश दिये कि नेहरू इन्क्लेव में एक बार कैम्प लगाकर स्थानीय लोगों की समस्याओं को सूचीबद्ध करते हुए स्थल निरीक्षण करा लें। इसके बाद समयबद्ध तरीके से सभी समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित कराया जाए। इसी तरह जानकीपुरम विस्तार में एकेटीयू के पास अवैध डेयरी, पार्क में गंदगी व स्ट्रीट लाइटें खराब होने की शिकायत पर नगर निगम की टीम को कार्यवाही के निर्देश दिये।

पुलिस महकमे में भारी फेरबदल, 84 आईपीएस अफसरों के तबादले

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● लखनऊ, वाराणसी व कानपुर पुलिस कमिश्नरेट में तैनात एक दर्जन पुलिस उपायुक्त हटाए गए

● पिछले दिनों प्रोन्नत हुए आईपीएस अफसरों को भी मिली तैनाती

लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी प्रदेश सरकार ने मंगलवार को पुलिस महकमे में बड़ा फेरबदल करते हुए 84 आईपीएस अधिकारियों के तबादले कर दिए। इनमें वह पुलिस अधिकारी भी शामिल हैं जो एक ही पद पर तीन साल और एक ही जिले में चार साल से अधिक समय से जमे हुए थे। इसके साथ ही पिछले दिनों प्रोन्नति पाने वाले आईपीएस अधिकारियों को भी तैनाती प्रदान की गई है।

शासन की ओर से जारी आदेश के अनुसार अंकिता शर्मा को कानपुर कमिश्नरेट से अपर पुलिस उपायुक्त पुलिस कमिश्नरेट वाराणसी के पद पर किया गया स्थानान्तरणनिरस्त, संतोष कुमार मीना को प्रयागराज पुलिस कमिश्नरेट से अपर पुलिस आयुक्त कानपुर, अभिजीत कुमार को बरेली से अपर पुलिस उपायुक्त प्रयागराज, श्रुति श्रीवास्तव को वाराणसी पुलिस कमिश्नरेट से अपर पुलिस उपायुक्त वाराणसी, पुनीत द्विवेदी को सहायक पुलिस अधीक्षक परिसहाय श्रीराज्यपाल के पद से अपर पुलिस अधीक्षक परिसहाय श्री राज्यपाल, शिवा सिंह को सहायक पुलिस आयुक्त कानपुर कमिश्नरेट से अपर पुलिस आयुक्त कानपुर कमिश्नरेट, नीतू को सहायक पुलिस आयुक्त वाराणसी कमिश्नरेट से अपर पुलिस उपायुक्त पुलिस कमिश्नरेट वाराणसी, आकाश पटेल को कानपुर कमिश्नरेट से अपर पुलिस उपायुक्त पुलिस कमिश्नरेट वाराणसी, आनंद प्रकाश तिवारी को कानपुर कमिश्नरेट से पुलिस महानिरीक्षक भवन एवं कल्याण पुलिस मुख्यालय, धर्मेंद्र सिंह को डीआईजी आरटीसी चुनार से पुलिस महानिरीक्षक आरटीसी चुनार मिर्जापुर, एलआर कुमार को डीआईजी कानून एवं व्यवस्था से पुलिस महानिरीक्षक कानून एवं व्यवस्था लखनऊ, अब्दुल हमीद को डीआईजी एएनटीएफ से पुलिस महानिरीक्षक एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स, डॉ.संजीव गुप्ता को आईजी/सचिव गृह से अपर पुलिस महानिदेशक/ सचिव गृह उत्तर प्रदेश शासन, रमित शर्मा को पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट प्रयागराज से पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट प्रयागराज, आकाश कुलहरि को संयुक्त पुलिस आयुक्त अपराध एवं मुख्यालय कमिश्नरेट से आईजी//संयुक्त पुलिस आयुक्त अपराध एवं मुख्यालय कमिश्नरेट लखनऊ, शलभ माथुर को डीआईजी अलीगढ़ परिक्षेत्र से आईजी अलीगढ़ परिक्षेत्र बनाया गया है। रोहन पी. कनय को एसपी लॉजिस्टिक यूपी से डीआईजी तकनीकी सेवाएं, संजय सिंह को सेनानायक 2 वाहिनी पीएसी सीतापुर से पुलिस उपमहानिरीक्षक पीटीसी गोरखपुर, वैभव कृष्णा को एसपी प्रशिक्षण एवं सुरक्षा से पुलिस उपमहानिरीक्षक वीआईपी सुरक्षा लखनऊ, प्रभाकर चौधरी को सेनानायक 32वीं वाहिनी पीएसी आजमगढ़ से पुलिस उपमहानिरीक्षक स्थापना मुख्यालय लखनऊ, संजीव त्यागी को एसपी क्षेत्रीय अभिसूचना, अयोध्या से पुलिस उपमहानिरीक्षक अभिसूचना मुख्यालय लखनऊ, पूनम को सेनानायक 20वीं वाहिनी पीएसी आजमगढ़ से पुलिस उपमहानिरीक्षक पीएसी सेक्टर आगरा, सत्यार्थ अनिरुद्ध पंकज को एसपी स्थापना, डीजीपी मुख्यालय से पुलिस उपमहानिरीक्षक उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नत बोर्ड, राठौर किरीट कुमार हरि भाई को सेनानायक 35वीं वाहिनी पीएसी लखनऊ से पुलिस उपमहानिरीक्षक पीएसी लखनऊ, शैलेश कुमार यादव को एसपी मानवाधिकार मुख्यालय से पुलिस उपमहानिरीक्षक पीटीसी सीतापुर, शफीक अहमद को एसपी प्रशिक्षण निदेशालय से पुलिस उपमहानिरीक्षक ईओडब्ल्यू लखनऊ, राधेश्याम को एसपी डीजीपी मुख्यालय से पुलिस उपमहानिरीक्षक लॉजिस्टिक्स लखनऊ, सुरेश्वर को एसपी उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती बोर्ड से पुलिस उपमहानिरीक्षक पीएसी मुख्यालय लखनऊ, रामजी सिंह यादव को एसपी सतर्कता अधिष्ठान लखनऊ से पुलिस उपमहानिरीक्षक प्रशिक्षण मुख्यालय लखनऊ, रामकिशुन को एसपी सतर्कता अधिष्ठान लखनऊ से पुलिस उपमहानिरीक्षक सतर्कता अधिष्ठान लखनऊ की जिम्मेदारी सौंपी गई है। राजकमल यादव को एसपी पीटीसी सीतापुर से डीआईजी पीटीसी सीतापुर, राकेश पुष्कर को एसपी सतर्कता अधिष्ठान से डीआईजी रेलवे लखनऊ, मनोज कुमार सोनकर को सेनानायक 12 वीं वाहिनी पीएसी फतेहपुर से डीआईजी एटीएस लखनऊ, कुलदीप नारायण को एसपी एसटीएफ मेरठ से डीआईजी एसटीएफ मेरठ, किरन यादव को एसपी पीटीएस गोरखपुर से पुलिस उपमहानिरीक्षक महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन लखनऊ, शहाब रशीद खान को एसपी पुलिस कम्प्यूटर केंद्र से पुलिस उपमहानिरीक्षक यूपी 112, अशोक कुमार चतुर्थ को एसपी सीबीसीआईडी लखनऊ से पुलिस उपमहानिरीक्षक सीबीसीआईडी लखनऊ, प्रदीप गुप्ता को सेनानायक 37वीं वाहिनी पीएसी कानपुर नगर से पुलिस उपमहानिरीक्षक दूरसंचार लखनऊ, अखिलेश कुमार निगम को डीआईजी ईओडब्ल्यू से पुलिस उपमहानिरीक्षक सीबीसीआईडी लखनऊ, कुंतल किशोर को सेनानायक 26वीं वाहिनी पीएसी गोरखपुर से पुलिस उपमहानिरीक्षक कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाएं लखनऊ, मनीराम सिंह को सेनानायक 27वीं वाहिनी पीएसी सीतापुर से पुलिस उपमहानिरीक्षक मानवाधिकार लखनऊ, राजीव नारायण मिश्र को सेनानायक 34वीं वाहिनी पीएसी वाराणसी से पुलिस उपमहानिरीक्षक पीएसी कानपुर नगर, सुशील कुमार सिंह को सेनानायक 10वीं वाहिनी पीएसी बाराबंकी से पुलिस उपमहानिरीक्षक यातायात मुख्यालय लखनऊ, हरीश चंदर को गौतमबुद्ध नगर कमिश्नरेट से अपर पुलिस आयुक्त कानपुन नगर, राहुल राज को लखनऊ कमिश्नरेट से पुलिस उपमहानिरीक्षक पीएसी सेक्टर, मेरठ, प्रमोद कुमार तिवारी को लखनऊ कमिश्नरेट से पुलिस उपमहानिरीक्षक प्रशिक्षण मुख्यालय, लखनऊ, कल्पना सक्सेना को पुलिस उपायुक्त गाजियाबाद कमिश्नरेट से अपर पुलिस आयुक्त पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद, अतुल शर्मा को सेनानायक 24वीं वाहिनी पीएसी मुरादाबाद से सेना नायक 35 वाहिनी पीएसी लखनऊ, आशीष श्रीवास्तव को लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट से पुलिस उपायुक्त कानपुर नगर, गौरव बंसवाल को एसपी वीआईपी सुरक्षा से पुलिस अधीक्षक प्रशिक्षण एवं सुरक्षा लखनऊ, पूजा यादव को डीजीपी मुख्यालय से सेनानायक 24 वाहिनी पीएसी मुरादाबाद, अमित कुमार प्रथम को वाराणसी पुलिस कमिश्नरेट से पुलिस अधीक्षक एसटीएफ, रईस अख्तर को लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट से पुलिस अधीक्षक तकनीकी सेवाएं लखनऊ, रवीना त्यागी को एसपी महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन से पुलिस उपायुक्त पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ, विक्रांत वीर को वाराणसी पुलिस कमिश्नरेट से सेनानायक 32 वीं वाहिनी पीएसी लखनऊ, प्रमोद कुमार को कानपुर कमिश्नरेट से पुलिस उपायुक्त वाराणसी, एसएम कासिम आबदी को लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट से पुलिस अधीक्षक मुख्यालय पुलिस महानिदेशक, हृदेश कुमार को लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट से पुलिस उपायुक्त वाराणसी, आनंद कुमार को 01वी वाहिनी एसएसएफ लखनऊ से सेना नायक 26वीं वाहिनी पीएसी गोरखपुर, श्रवण कुमार सिंह को लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट से पुलिस उपायुक्त कानपुर नगर, शिवा जी को कानपुर कमिश्नरेट से पुलिस उपायुक्त लखनऊ कमिश्नरेट, प्रबल प्रताप सिंह को वाराणसी पुलिस कमिश्नरेट से पुलिस उपायुक्त पुलिस कमिश्नर रेट लखनऊ, शैलेंद्र कुमार राय को एसपी पीटीएस मेरठ से पुलिस अधीक्षक कानून एवं व्यवस्था लखनऊ, डॉ. दुर्गेश कुमार को एसपी डीजीपी मुख्यालय से सेनानायक 11वीं वाहिनी पीएसी सीतापुर, डी. प्रदीप कुमार को ईओडब्लयू वाराणसी से सेनानायक 48वीं वाहिनी पीएसी सोनभद्र, बबिता साहू को एसपी प्रशासन डीजीपी मुख्यलाय से सेनानायक 27वीं वाहिनी पीएसी सतीपुर, राजधारी चौरसिया को ईओडब्ल्यू लखनऊ से पुलिस अधीक्षक प्रशासन मुख्यालय लखनऊ, कमला प्रसाद यादव को सेनानायक 33वीं वाहिनी पीएसी झांसी से पुलिस अधीक्षक पुलिस मुख्यालय लखनऊ, रमेश प्रसाद गुप्ता को एसपी अभिसूचना मुख्यालय लखनऊ से पुलिस अधीक्षक लॉजिस्टिक उत्तर प्रदेश लखनऊ, रामसेवक गौतम को वाराणसी पुलिस कमिश्नरेट से पुलिस उपायुक्त कानपुर नगर, सुरेंद्र नाथ तिवारी को एसपी सीबीसीआईडी लखनऊ से पुलिस अधीक्षक स्थापना मुख्यालय लखनऊ, मोहम्मद तारिक को एसपी रूल्स एंड मैनुअल से पुलिस अधीक्षक मानवाधिकार मुख्यालय महानिदेशक लखनऊ, पंकज कुमार पांडेय को एसपी पुलिस मुख्यालय से सेनानायक 33वीं वाहिनी पीएसी वाराणसी, अजीत कुमार सिन्हा को एसपी साइबर क्राइम से सेनानायक 33वीं वाहिनी पीएसी झांसी, सुशील कुमार शुक्ला को एसपी यूपी-112 से सेनानायक 20वीं वाहिनी पीएसी आजमगढ, दयाराम को एसपी भ्रष्टाचार निवारण संगठन लखनऊ से सेनानायक दूसरी वाहिनी पीएसी सीतापुर, सर्वानंद यादव को एसपी यातायात निदेशालय से सेनानायक 12वीं वाहिनी पीएसी फतेहपुर, कमलेश दीक्षित को एसपी रूल्स एवं मैन्युअल से सेनानायक 37वीं वाहिनी पीएसी कानपुर, अरुण कुमार श्रीवास्तव को सेनानायक 48वीं वाहिनी पीएसी सोनभद्र से सेनानायक 10वीं वाहिनी पीएसी बाराबंकी, सलमान ताज पाटील को कानपुर पुलिस कमिश्नरेट से पुलिस उपायुक्त कमिश्नरेट लखनऊ, विद्यासागर मिश्रा को गौतमबुद्ध पुलिस कमिश्नरेटटसे पुलिस उपायुक्त कमिश्नररेट लखनऊ, तेज स्वरूप को कानपुर कमिश्नरेट से पुलिस उपायुक्त कमिश्नररेट लखनऊ, डॉ महेंद्र पाल सिंह को एसपी एएनटीएफ से पुलिस उपायुक्त कमिश्नररेट लखनऊ, श्याम नारायण सिंह को लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट से पुलिस उपायुक्त कमिश्नरेट वाराणसी के पद पर तैनाती प्रदान की गई है।

अब यूपी में भी मिलेगी कैरवॉन पर्यटन सुविधा

● परिवार उन्मुख पर्यटन को मिलेगा बढ़ावाः जयवीर सिंह

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विदेशो में कैरवॉन पर्यटन की लोकप्रियता को देखते हुए यूपी में इसकी शुरूआत का निर्णय लिया गया है। कैरवॉन पर्यटन पर्यटकों को सुरक्षित यात्रा की अनुभूति कराने के साथ ही घर जैसा वातावरण प्राप्त होगा, इससे यूपी में कैरवॉन पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। राज्य सरकार निजी टूर आपरेटर को प्रोत्साहित करेगी। इसके लिए मंगलवार को पर्यटन विकास निगम की ओर से पहली बार मोटो होम टूर आपरेटर के सहयोग से कैरवॉन टूरिज्म की शुरूआत प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने पर्यटन भवन से हरी झंडी दिखाकर की।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए पर्यटन मंत्री ने कहा कि कैरवॉन टूरिज्म परिवार उन्मुख पर्यटन को बढ़ावा देगी। जहॉ पर ठहरने आदि की पर्याप्त व्यवस्थायें नहीं होगी, वहॉ इसे आसानी से उपयोग में लाया जा सकेगा। कैरवॉन टूरिज्म प्रदेश में पर्यटन के क्षेत्र में एक नई पहल है। इसे लोकप्रिय बनाने के लिए राज्य सरकार हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि यूपी में पर्यटन बहुत तेजी से बढ़ रहा है। इसको देखते हुए पर्यटन के क्षेत्र में नये-नये प्रयोग किए जा रहे हैं।

जयवीर सिंह ने कहा कि वर्तमान में ईको, वन्य जीव, तीर्थ पर्यटन इत्यादि की मांग निरंतर बढ़ रही हैं। ऐसे परिदृश्य में कैरवॉन टूरिज्म प्रभावी रूप से बढ़ती हुई मांग को पूर्ण कर सकेगा। कैरवॉन टूरिज्म युवाओं, परिवारों, वरिष्ठ नागरिकों और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों सहित एक विस्तृत श्रृंखला को आकर्षित करेगा। उन्होंने कहा कि काशी, मथुरा, प्रयागराज के बाद अब अयोध्या वैश्विक पर्यटन के रूप में उभरेगा। इससे अयोध्या सहित आसपास के जनपदों की अर्थव्यवस्था में व्यापक परिवर्तन आयेगा। उन्होंने बताया कि एक सप्ताह में ही लगभग 20 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने रामलला के दर्शन किये हैं।

इस अवसर पर प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति तथा धर्मार्थ कार्य मुकेश मेश्राम ने बताया कि कैरवॉन वैन पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन विभाग हरसंभव सहयोग प्रदान करेगा। इसकी सफलता को देखते हुए इसके विस्तार पर गम्भीरता से विचार किया जायेगा। उन्होंने कहा कि यूपी में संसाधन एवं क्षमता है। इसका अधिकतम दोहन करते हुए पर्यटन सेक्टर को लोकप्रिय बनाते हुए निवेशए रोजगार तथा राजस्व अर्जन का एक सुनिश्चित जरिया बनाया जायेगा। इस मौके पर पर्यटन विकास निगम के निदेशक एके पाण्डेय एवं मोटो होम टूर ऑपरेटर के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

कैरवॉन वैन में मिलने वाली सुविधाएं व खर्च

कैरवान वैन में छह से आठ पर्यटकों की बैठने सोने की व्यवस्था है। इसके अलावा एक ड्राइवर और एक अटेंडेंट रहेंगे। किचन और शौचालय भी है। एक दिन का किराया 50 हजार रुपये है, लेकिन आफर के तहत इस समय 35 हजार रुपये में बुकिंग हो रही है। इसके अलावा ईंधन, जीएसटी और टोल टैक्स अलग से देना होगा। 35 हजार रुपये की बुकिंग में 350 से 400 किलोमीटर तक भ्रमण करने की सुविधा रहेगी। यदि इससे ज्यादा दूरी होगी तो 150 रुपये प्रति किलोमीटर के हिसाब से किराया होगा।

सीएम योगी को पीएम मोदी द्वारा श्रीराम जन्मभूमि मंदिर, अयोध्या पर जारी किया गया डाक टिकट भेंट करते सीपीएमजी बी सेल्वा कुमार

मुख्यमंत्री से उनके सरकारी आवास पर पंजाब के पूर्व राज्यपाल वीपी सिंह बदनौर ने शिष्टाचार भेंट की

नीतीश सटकर तो अखिलेश हटकर कर कर रहे मोदी की सरकार बनाने में सहयोगः राजभर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने मंगलवार को कहा है कि विपक्ष भी केंद्र में फि र से नरेंद्र मोदी की सरकार बनाने में सहयोग कर रहा है। कुछ नेता सटकर तो कुछ नेता हटकर सहयोग करने में जुटे हैं। नीतीश कुमार एनडीए में आकर अब सटकर साथ दे रहे हैं तो सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी हटकर इसके लिए सहयोग कर रहे हैं।

पार्टी कार्यालय पर पत्रकारों से बातचीत में राजभर ने कहा कि सपा प्रमुख अखिलेश भी विपक्षी गठबंधन इंडी से बाहर निलकर भाजपा का सहयोग करना चाहते हैं। उन्होंने सवाल किया कि दिनभर भाजपा के खिलाफ बयानबाजी करने वाले अखिलेश भाजपा के बड़े नेताओं के पास गुलदस्ता लेकर क्यों जाते हैं? उन्होंने नारा दिया कि विपक्षियों ने ठाना है नरेंद्र मोदी को पीएम बनाना है। सपा के पास अब सिर्फ सपने ही देखने के लिए रह गए हैं। सपने में ही पीएमए सीएम बनते रहेंगे। सपा नेता शिवपाल सिंह यादव के बारे में राजभर ने कहा कि वह बड़े और अनुभवी नेता हैं। वह इस समय दुखी हैं। उनके हिसाब से समाजवादी पार्टी नहीं चल रही है। पार्टी में उनकी सूनी नहीं जा रही है। वहीं सुभासपा के राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता अरुण राजभर ने सपा कार्यालय के पास ओम प्रकाश राजभर को पलटूराम लिखते हुए होर्डिंग्स लगाए जाने की बात बताते हुए कहा कि आठ दलों से गठबंधन करके पलटने वाले सपा प्रमुख अपने गिरेबां में झांकें।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव पश्चिमी यूपी में राजभर की सभाओं में उमड़ रही भीड़ को देख राजभर से डरे व घबराए हुए हैं। आने वाले लोकसभा चुनाव में सपा को जनता शून्य से नवाजेगी। प्रदेश की जनता मोदीए योगी और राजभर के साथ है।

प्रदेश में बना है निवेश का माहौल

● भाजपा विदेश विभाग उत्तर प्रदेश एवं प्रवासी भारतीयों के बीच संवाद कार्यक्रम का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भाजपा विदेश विभाग उत्तरप्रदेश द्वारा उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक एवं प्रवासी भारतीयों के बीच संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि एवं वक्ता ब्रजेश पाठक ने योगी सरकार में विकसित होता उत्तर प्रदेश विषय पर कई देशों में रहने वाले यूपी के प्रवासियों से भाजपा विदेश विभाग, यूपी द्वारा आयोजित एनआरआई संवाद वर्चुअल कार्यक्रम पर चर्चा की। इस कार्यक्रम में कई देशों में रहने वाले भारतीय मूल के प्रवासी व उन देशों के रीजिनल कोऑर्डिनेटर एवं प्रदेश भाजपा विदेश विभाग के सभी क्षेत्रों के संयोजक वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से जुड़े । कार्यक्रम के मुख्य वक्ता उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने प्रदेश सरकार की उपलब्धियों पर चर्चा करते हुए उत्तरप्रदेश के विकास को लेकर योगी सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यो की विस्तार पूर्वक चर्चा की। उन्होंने योगी सरकार में उत्तर प्रदेश में चिकित्सा, शिक्षा, इंफ्रास्ट्रेक्चर तथा कानून व्यवस्था के क्षेत्र में किए गए कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि प्रदेश में सुशासन और सुरक्षा का परिणाम है कि आज प्रदेश में निवेश का माहौल बना है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि बिजय चौथाईवाले ग्लोबल हेड भाजपा विदेश सम्पर्क बिभाग ने सभी अतिथियों को देश व पार्टी हित में उनके योगदान हेतु प्रोत्साहित किया। उन्होंने यह भी बताया कि उण्प्र भाजपा विदेश विभाग द्वारा यू पी पॉजिटिव पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है जिसमें सरकार के कार्यों व प्रदेश के प्रवासियों के विभिन्न देशों में संपन्न हुये कार्यक्रमों का संकलन होता है व एक दूसरे की गतिविधियों से अवगत रहने का एक अच्छा माध्यम है।

गांवों में अन्तिम व्यक्ति तक बैंकिंग सुविधाएं पहुंचाना सरकार का लक्ष्यः जेपीएस राठौर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर ने कहा कि प्रधानमंत्री का संकल्प है कि देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाना है। 2047 तक अमृतकाल के दौरान माननीय केन्द्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह का लक्ष्य है कि कृषि के क्षेत्र में कोआपरेटिव का योगदान 50 प्रतिशत होना चाहिए और डिपोजिट 25 प्रतिशत तक होना चाहिए। इसी लक्ष्य को लेकर आज की कार्यशाला में चर्चा हुई कि किस तरह से नई टेक्नोलॉजी को लेकर एवं नये इनोवेशन को लेकर लोगों की क्या आवश्यकता है उस तरह से प्रोडक्ट डिजाइन करें ताकि उन्हें समय से लोन मिल सके और उनकी जरूरतें पूरी हो सकें।

उत्तर प्रदेश कोआपरेटिव बैंक द्वारा आयोजित नेफस्कॉब के तत्वावधान में अमृतकाल में राज्य सहकारी बैंक, जिला सहकारी बैंकों के व्यवसाय में वृद्धि के उपायों पर नेफस्कॉब द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर ने यह बातें मंगलवार को सहकारिता भवन लखनऊ स्थित सभागार में कही।

सहकारिता मंत्री ने कहा कि आने वाले समय में उत्तर प्रदेश कोआपरेटिव बैंक अग्रणी भूमिका निभाते हुए गांवों में अन्तिम व्यक्ति तक बैंकिंग सुविधाएं पहुंचाना सरकार का लक्ष्य है तथा सभी जिला सहकारी बैंकों को नेफस्कॉब का सदस्य बनाने का दिसम्बर 2023 में निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि 3200 पैक्स कम्प्यूटरीकरण किया जा चुका है तथा आने वाले 06 महीने में लगभग सभी पैक्स का कम्प्यूटरीकरण पूर्ण कर लिया जायेगा। तथा सभी पैक्स को 10-10 लाख रूपये प्रदान कर रहे हैं, वो भी ब्याजमुक्त, जिसका पूरा ब्याज प्रदेश सरकार देगी।

दी लखनऊ पब्लिक कॉलेजिएट में मनाया गया शहीद दिवस

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

दी लखनऊ पब्लिक कॉलेजिएट, शारदा नगर में 30 जनवरी 2024 को विद्यालय के सभागार में शहीद दिवस मनाया गया। जहां छात्रों के साथ दिन के महत्व को साझा किया गया।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्य तिथि के उपलक्ष्य में हर साल 30 जनवरी को शहीद दिवस मनाया जाता है। यह दिन उन बहादुर शहीदों को सम्मानित करने के लिए भी चुना गया है जिन्होंने देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। इस दुखद दिन को यादगार बनाने के लिए विद्यालय के सभागार में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय गान से हुई, उसके बाद हिंदी भाषण हुआ । विद्यार्थियों ने देश का जिम्मेदार नागरिक बनने का संकल्प भी लिया।

इस दिन का मुख्य आकर्षण एक वीडियो प्रस्तुति थी, जिसमें शहीदों की वीरता को याद किया गया, जिसने सभागार के चारों ओर महात्मा गांधी की विचार धाराओं को प्रतिबिंबित किया । संत पीड़ितों की वीरता की ओर ध्यान दिलाते हुए एक छात्र द्वारा अंग्रेजी भाषण दिया गया। उसके उपरांत ही एक छात्रा द्वारा मधुर भजन (वैष्णव जन) गाया गया।

अंत में डॉ. जावेद आलम खान ने छात्रों को उनके अद्भुत प्रदर्शन के लिए सराहा और अंत में कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

गर्मियों में सुचारू विद्युत आपूर्ति के लिए अभी से पूर्ण करें सभी अनुरक्षण कार्यः गोयल

● बीकेटी दुर्घटना पर अख्तियार किया कड़ा रुख, खुले वायर हीटर को प्रतिबंधित करने के दिए निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल ने बख्शी का तालाब क्षेत्र में संविदाकर्मी के हीटर पर गिर जाने पर हुई दुघर्टना पर कड़ा रूख अख्तियार कर तत्काल प्रभाव से खुले वायर हीटर को प्रतिबन्धित करने के निर्देश दिए है।

गोयल मंगलवार का प्रदेश की विद्युत व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा है कि प्रदेश में कही भी विद्युत कार्यालयों में ऐसे हीटर प्रयोग नहीं किए जाएंगे। उन्होंने कहा है कि सभी अधिकारी सब स्टेशनों का सही ढंग से निरीक्षण कर लें और कैपसीटर इंसुलेटर आदि सामग्री के सुचारू कार्य को सुनिश्चित कर लें। अध्यक्ष ने कहाकि हमें अपनी कार्य संस्कृति एवं सोंच में बदलाव लाना है। विद्युत आपूर्ति में बाधा को सामान्य घटना ना मानी जाये। यदि कहीं बिजली जाती है तो क्यों जाती है। प्राकृतिक घटनाओं या अपवाद को छोड़कर अनुरक्षण कार्यो में लापरवाही के कारण बिजली नहीं जानी चाहिए। बड़े शहरों में यदि विद्युत आपूर्ति बाधित हुई जो नहीं होनी चाहिए तो तुरन्त कार्यवाई होगी। जिम्मेदार कार्मिकों के विरूद्ध चार्जशीट के साथ स्थानान्तरण होगा। कार्यदायी संस्थाओं के प्रति भी नजरिया बदलकर उनसे बेहतर व्यवहार के साथ समय से उच्च गुणवत्ता युक्त कार्य कराइये। ठेकेदार भी विभाग के आवश्यक पार्ट है। उनके प्रति भी सोंच बदलिए। समीक्षा बैठक में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था राजस्व प्राप्ति तथा उपभोक्ता सेवा में और सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने आगामी गार्मियों में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था बेहतर रहे इसकी तैयारियों की भी समीक्षा की। अध्यक्ष ने कहाकि प्रदेश की विद्युत व्यवस्था को एक आदर्श विद्युत व्यवस्था बनाना है। इसके लिये जरूरी है कि प्रत्येक काार्मिक अपने निर्धारित कार्यों को ईमानदारी एवं लगन से पूरा करें। जो अपने लक्ष्यों को पूर्ण नही कर पायेगा उसके लिए कठिनाई होगी।

सौर ऊर्जा संसाधनों का अधिकतम उपयोग किया जाना चाहिएः डॉ. अरुण कुमार सक्सेना

● एसोसिएटेड चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री ऑफ यूपी और यूपी सोलर पावर डेवलपमेंट एसोसिएशन के मध्य एमओयू हस्ताक्षरित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कार्बन उत्सर्जन को कम करने एवं नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए मंगलवार को एसोसिएटेड चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री ऑफ यूपीण् द्वारा एक सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमीनार में प्रदेश के वन एवं पर्यावरण, प्राणि उद्यान तथा जलवायु परिवर्तन मंत्री डॉ. अरूण कुमार सक्सेना मुख्य अतिथि थे। गोमती स्थित एक होटल में आयोजित सेमीनार के दौरान एसोसिएटेड चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री ऑफ यूपी और यूपी सोलर पावर डेवलपमेंट एसोसिएशन ने कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए संयुक्त रूप से काम करने और नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस मौके पर वन मंत्री ने एसोसिएटेड चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ यूपी की पहल की सराहना करते हुए कहा कि हमारे देश में प्रचुर मात्रा में सौर ऊर्जा संसाधन मौजूद हैं और इसका अधिकतम उपयोग किया जाना चाहिए। सरकार सौर ऊर्जा का उपयोग करने के लिए लोंगों प्रोत्साहित कर रही है और प्रोत्साहन दे रही है। इससे कार्बन उत्सर्जन भी कम होगा और अंततः पर्यावरण की रक्षा होगी। उन्होंने पूपी सोलर पावर डेवलपमेंट एसोसिएशन को उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए जन अभियान चलाने की सलाह दी। उन्होंने घरों, उद्योगों एवं किसानों द्वारा सौर ऊर्जा का अधिक से अधिक प्रयोग किए जाने पर बल दिया। उन्होंने बताया कि गलोबल वार्मिंग को नियंत्रण करने में भारत सरकार द्वारा सराहनीय कार्य किया जा रहा है इससे प्रधानमंत्री का पूरे विश्व में सम्मान बढ़ा है।

किशोरी को तंग कर रहे शोहदों की पिटाई समझौते का दबाव बनाती रही पुलिस

संवाददाता। मोहनलालगंज

ननिहाल आई किशोरी से छेड़छाड़ के इरादे से घर में घुसे शोहदे को परिजनों ने दबोच लिया। परिजनों की पूछताछ में शोहदे ने अपने साथी के बारे में बताकर उसे भी बुला लिया। शोहदों की हरकत से खफा परिजनों ने दोनों की पिटाई कर पुलिस को सूचना दे दी। गांव पहुंची पुलिस शोहदों को कोतवाली लेकर चली गई। मंगलवार को मामला तूल पकड़ता देख पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। मोहनलालगंज के एक गांव की किशोरी दीपावली पर अपने ननिहाल आई थी। मामा के मुताबिक सोमवार की रात करीब 9 बजे एक शोहदा उनके घर में घुसकर भांजी से छेड़छाड़ करने लगा। परिजनों ने घेराबन्दी कर शोहदे को दबोच लिया। पूछताछ में उसने अपने एक साथी का नाम कबूल कर बहाने से उसे भी बुला लिया। परिजनों ने दोनो की पिटाई कर 112 नंबर पर सूचना दे दी। पुलिस टीम गांव पहुंची और दोनों शोहदों को कोतवाली लेकर चली गई। मामा का आरोप है कि थाने पहुंचकर उन्होने पुलिस से लिखित शिकायत की जिस पर पुलिस ने जांच का भरोसा देकर घर भेज दिया। मंगलवार को दरोगा ने फोन कर पीड़ित पक्ष को खुझौली पुलिस चौकी बुला लिया। मामा का आरोप है कि परिजनों के अड़े रहने के बावजूद दोपहर तक पुलिस मामले में समझौते का दबाव बनाती रही। दोपहर बाद मामला सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। इस संदर्भ में इंस्पेक्टर आलोक राव का पक्ष जानने की कोशिश की गई तो उन्होने काल ही रिसीव नही की। जबकि एडीसीपी साउथ शशांक सिंह ने मामले की जानकारी से इंकार किया।

बसपा सांसद अतुल राय को मिली सशर्त अंतरिम जमानत

विधि संवाददाता। लखनऊ

सुप्रीम कोर्ट के समक्ष कथित दुराचार पीड़िता व उसके साथी द्वारा आत्मदाह करने के मामले में निरुद्ध बसपा सांसद अतुल कुमार सिंह उर्फ अतुल राय को हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने मेडिकल आधार पर अंतरिम जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया है। अंतरिम जमानत की अवधि 22 मार्च 2024 तक होगी। पीठ ने अंतरिम जमानत देते हुए कुछ शर्तें भी तय की है। कहा है कि इस दौरान अतुल राय को देश में ही इलाज कराना होगा तथा वह कोई रैली अथवा पब्लिक मीटिंग में भाग नहीं लेंगे।

जस्टिस मोहम्मद फैज आलम खान की एकल पीठ ने यह आदेश अतुल राय की अंतरिम जमानत प्रार्थना पत्र पर दिया है। इस अर्जी में बीमारी का हवाला देते हुए कहा गया था कि वह 27 जुलाई 2019 से जेल में है। इस दौरान वह तमाम गंभीर बीमारियों से ग्रसित हो चुका है लेकिन सुविधाएं नहीं होने के कारण उसका इलाज नहीं हो पा रहा है। पीठ ने इस मामले में पूर्व की सुनवाईयों के दौरान मेडिकल रिपोर्ट तलब की थी। इनमें अभियुक्त के कान में गंभीर बीमारी, चक्कर, सिर दर्द व मेमोरी लॉस जैसी समस्याओं की पुष्टि हुई। अभियुक्त की ओर से उसके आंख की रोशनी घटते जाने व ब्लड प्रेशर आदि की समस्याओं की भी बात कही गई। इस सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अंतरिम जमानत का विरोध किया गया। कहा गया कि अभियुक्त को नैनी जेल के मेडिकल अधीक्षक ने तीन हफ्ते तक यात्रा नहीं करने की सलाह दी है। ऐसे में उसे फिलहाल अंतरिम जमानत पर रिहा करने का कोई औचित्य नहीं है। पीठ ने कहा कि अभियुक्त को एम्स, दिल्ली में दिखाने की सलाह दी गई है। यह विश्वास करना मुश्किल है कि एक मरीज को सिर में चक्कर आने की दवा लेने के कारण कैंसर जैसी बीमारी के इलाज के लिए यात्रा करने से ही रोक दिया जाए। गौरतलब है कि इस मामले में अतुल राय व पूर्व आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर पर कथित दुराचार पीड़िता व उसके साथी को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप है। पीड़िता ने अतुल राय के खिलाफ दुराचार की एफआईआर भी दर्ज कराई थी। हालांकि दुराचार के मामले में वह बरी हो चुका है।

प्रदेश में दस हजार से अधिक कुष्ठ रोगी चिन्हित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

योगी सरकार कुष्ठ और फाइलेरिया रोगियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने एवं इसे जड़ से खत्म करने के लिए मिशन मोड पर काम कर रही है। सीएम योगी की मानीटरिंग का ही नतीजा है कि प्रदेश में पिछले दो वर्ष में विशेष अभियान चलाकर दस हजार से अधिक कुष्ठ रोगियों को चिह्नित कर उनका इलाज किया जा रहा है। इतना ही नहीं, योगी सरकार उनके रहने और पौष्टिक आहार की समुचित व्यवस्था भी कर रही है। इसी क्रम में सीएम योगी के निर्देश पर मंगलवार को विश्व नॉन ट्रॉपिकल डिजीज यानि विश्व उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोग (एनटीडी) दिवस पर जन जागरूकता के विविध कार्यक्रम हुए।

प्रमुख सचिव स्वास्थ्य, चिकित्सा एवं परिवार कल्याण पार्थ सारथी सेन शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप प्रदेशभर में कुष्ठ रोग को जड़ से खत्म करने के लिए स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान एवं कुष्ठ पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। इसी के तहत मंगलवार को आईएमए में विभिन्न जन जागरुकता के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डीजी हेल्थ डॉ ब्रजेश राठौर ने कहा कि कुष्ठ रोग छुआछूत की बीमारी नहीं है। हमें इसे समझना होगा। हमें रोगी से नहीं, रोग से बचना चाहिए। कार्यक्रम की राज्य नोडल अधिकारी डॉ जया देहलवी ने बताया कि सीएम योगी के निर्देश पर प्रदेश में चलाए गए विशेष अभियान में अब तक 10000 से ज्यादा कुष्ठ रोगियों की तलाश की जा चुकी है। कार्यक्रम में कुष्ठ रोगियों को कंबल, चप्पल एवं प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं कुशीनगर की कुष्ठ रोगी चैंपियन नलिनी को ससम्मान मंच पर भी स्थान दिया गया। इसके अलावा बेहतर कार्य करने वाले स्वास्थ्य कर्मियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में आईएमए लखनऊ रोटरी इंटरनेशनल और इनरव्हील का सहयोग से नुक्कड़ नाटक और जादू के शो के जरिए भी प्रतिभागियों को कुष्ठ रोग के प्रति जागरूक किया गया।

बोनी कपूर और भूटानी ग्रुप बनाएंगे जेवर में फिल्म सिटी

● सबसे बड़ी बोली लगाकर हासिल किया प्रोजेक्ट

● पहले चरण में 230 एकड़ जमीन पर होगा फिल्म सिटी का निर्माण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ ग्रेटर नोएडा

उत्तर प्रदेश में फिल्म सिटी बनाने का सीएम योगी का सपना अब जल्द हकीकत बनने वाला है। गौतमबुद्ध नगर के जेवर में बनने वाली फिल्म सिटी को लेकर अंतिम मुहर लग गई है। निर्माता-निर्देशक बोनी कपूर और भूटानी ग्रुप मिलकर जेवर में फिल्म सिटी बनाएंगे। इस परियोजना के लिए मंगलवार को फाइनेंशियल बिड खोली गई, जिसमें बोनी कपूर और भूटानी ग्रुप के ज्वाइंट वेंचर बेव्यू प्रोजेक्ट्स एलएलपी ने हाईएस्ट बिड देकर प्रोजेक्ट हासिल कर लिया। कंपनी की ओर से 18 परसेंट ग्रॉस रेवेन्यू शेयर के साथ बोली लगाई थी। तकनीकी रूप से योग्य पाई गई संस्थाओं में से जो संस्था अधिकतम ग्रॉस रेवेन्यू शेयर प्राधिकरण को देगी उसे सेलेक्टेड बिडर के रूप में चयनित किए जाने का प्राविधान था। अभिनेता अक्षय कुमार भी प्रोजेक्ट के लिए दौड़ में शामिल थे।

फाइनेंशियल बिड में कंपनियों द्वारा ग्रॉस रेवेन्यू शेयर पर्सेंटेज के आधार पर बोली लगाई गई। बेव्यू प्रोजेक्ट्स एलएलपी की ओर से 18 पर्सेंटेज की सफल बोली लगाई गई। वहीं 4 लायंस फिल्म्स प्रालि ने 15-12 प्रतिशत सुपरसोनिक टेक्नोबिल्ड प्रा लि ने 10-80 प्रतिशत और सुपर कैसेट्स इंडस्ट्रीज प्रा लि ने 5.27 प्रतिशत पर बोली लगाई। यीडा के सीईओ अरुणवीर सिंह के अनुसार रेवेन्यू शेयर का अर्थ ये है कि फिल्म सिटी का निर्माण करने के बाद कंपनी को जो भी आय होगीए उसका 18 प्रतिशत वह प्राधिकरण को देगी। प्राधिकरण की ओर से उसे लैंड के अलावा अन्य इन्फ्रास्ट्रक्चर मुहैया कराया जाएगा जबकि फिल्म सिटी के अंदर सभी कंस्ट्रक्शन और सुविधाओं का विकास कंपनी को स्वयं करना होगा। बेव्यू प्रोजेक्ट्स एलएलपी द्वारा 2 अन्य फर्म के साथ कंसोर्टियम करते हुए निविदा प्रस्तुत की गई है। कंसोर्टियम में बेव्यू प्रोजेक्ट्स एलएलपी का 48 प्रतिशत शेयर है और उसका रोल ऑपरेशनल और मेंटिनेंस का है। वहीं परमेश कंस्ट्रक्शन कंपनी लि का 26 प्रतिशत शेयर है और उसका रोल फाइनेंशियल होगा। इस कंपनी के ओनर प्रेम भूटानी और आशीष भूटानी हैं। इसी तरह शेष 26 प्रतिशत शेयर नोएडा साइबरपार्क प्राण् लि. का है, जिसका रोल टेक्निकल सपोर्ट का है। पीपीपी गाइडलाइंस के अनुसार संस्थाओं द्वारा प्रस्तुत फाइनेंशियल बिड को पीपीपीबीईसी समिति की संस्तुति सहित कमेटी ऑफ सेक्रेट्रिएट के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा, जिसकी संस्तुति को कैबिनेट के अनुमोदन मिलने के बाद हाईएस्ट बिडर के रूप में सफल बिडर के रूप में लेटर ऑफ अवार्ड जारी किया जाएगा।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण की अंतर्राष्ट्रीय फिल्म सिटी परियोजना में रविवार को बिड करने वाली चारों कंपनियों के प्रतिनिधियों द्वारा प्रेजेंटेशन दिया गया था। प्रेजेंटेशन में कंपनियों द्वारा फिल्म सिटी परियोजना को विकसित किए जाने के संबंध में अपना विजन, कॉन्सेप्ट, टाइमलाइन, हाइलाइट्स पर जोर दिया गया था। चारों कंपनीज को टेक्निकली क्वालीफाइड पाया गया और फाइनेंशियल बिड के लिए भेज दिया गया। बेव्यू प्रोजेक्ट्स एलएलपी की तरफ से बोनी कपूर, आशीष भूटानी, सीईओ भूटानी इंफ्रा, अश्विनी चैटलें एवं अली चैटलें, राजीव अरोड़ा, अरविन्द कुमार बिन्नी द्वारा प्रेजेंटेशन दिया गया। इसके अलावा 4 लायंस फिल्म्स प्रालि की तरफ से केसी बोकाडिया, सुपरसोनिक टेक्नोबिल्ड प्रालि की तरफ से फिल्म अभिनेता अक्षय कुमार, दिनेश विजन मैडॉक फिल्म्स और सुपर कैसेट्स इंडस्ट्रीज प्राण् लिमिटेड (टी सीरीज) की तरफ प्रेजेंटेशन दिया गया।

राष्ट्रवादी भावना विकसित करने के लिए छात्रों को किया प्रेरित

- ट्रिपल आईटी झलवा में आयोजित हुआ कार्यक्रम
- समझौता ज्ञापन पर किये गए हस्ताक्षर

संवाददाता। प्रयागराज

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान के छात्र जिमखाना और थिंक इंडिया ने मंगलवार को राष्ट्रवादी भावना विकसित करने और युवा भारत को समाज की सेवा के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

देश के प्रतिष्ठित संगठन थिंक इंडिया के माध्यम से छात्रों को विभिन्न कार्यक्रमों में प्रतिभाग करने का अवसर मिलेगा। थिंक इंडिया देश की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को एक साथ लाने और उनमें राष्ट्र प्रथम का दृष्टिकोण पैदा करने की एक अखिल भारतीय पहल है। यह कल के नेताओं के लिए एक मंच है जहां वे राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर विचार विमर्श करते हैं। अपनी चिंताओं को उठाते हैं और भारत के सामने आने वाली समस्याओं के लिए अभिनव समाधान पेश करते हैं।

झलवा परिसर में थिंक इंडिया के राष्ट्रीय संयोजक सुमित पांडे ने कहा कि थिंक इंडिया को राष्ट्रीय पुनर्निर्माण के उद्देश्य को आगे बढ़ाने में छात्रों को भारतीय राष्ट्रवादी धागे से बांधने की आवश्यकता महसूस हुई। आईआईएससी आइ ंआई एमबी एन आईएमएचएएनएस और एनएलएसआईयू के छात्रों ने 2006 में भारत के प्रमुख संस्थानों के छात्रों के लिए एक संयुक्त मंच बनाने के लिए मिलकर काम किया।

वर्ष 2007 में थिंक इंडिया की शुरुआत आर्ट ऑफ लिविंग आश्रम बेंगलुरु में संक्युत रूप से हुई थी। हमारे प्रयास कक्षा की सीमाओं से परे विस्तार करते हुए सार्वजनिक कल्याण को बढ़ाने का लक्ष्य रखेंगे और ज्ञान को फैलाने के हमारे प्रयास अनुसंधान खोज प्रौद्योगिकी विकास उद्योग की सेवा करने के लिए एक बड़े बहु और अंतर विषयक मंच तक फैलेंगे। इस अवसर पर संस्थान के एसोसिएट डीन मानव संसाधन एवं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सविष्कार आयाम के काशी प्रांत के प्रमुख डॉ आशुतोष कुमार सिंह ने संस्थान के छात्रों को थिंक इंडिया के बारे में विस्तार से बताया एवं छात्रों को थिंक इंडिया से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया इसके पूर्वी थिंक इंडिया से संबंधित ओरिएंटेशन कैंप में पिछले दो तीन वर्षों से छात्रों को अवगत कराया जा रहा है।

इस अवसर पर विभाग संगठन मंत्री प्रभाकर संस्थान के डीन स्टूडेंट अफेयर प्रो रंजीत सिंह डॉ शशिकांत राय जिमखाना के अध्यक्ष रोहित सोनी सचिव आदित्य सहित शिक्षक एवं छात्र उपस्थित रहे। एमओयू में कहा गया है कि ट्रिपलआईटी के छात्रों के लिए अगले तीन वर्षो की अवधि में नियमित अतिथि व्याख्यान कार्यक्रम और छात्रों के लिए अन्य शैक्षणिक गतिविधियां शुरू की जाएंगी। प्रख्यात वैज्ञानिकों शोधकर्ताओं और प्रोफेसरों को उनकी पसंद के विषयों पर छोटे समूहों अध्ययन मंडलों को शामिल करने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। इसके अलावा हम बहु विषयक परियोजनाओं और राष्ट्रीय महत्व के अन्य विश्वविद्यालयों के छात्रों के साथ-साथ विभिन्न विषयों की ऐसी परियोजनाओं पर काम करने के लिए कुशल व्यक्तियों के साथ सहयोग के अवसर प्रदान करना चाहेंगे।

यह अनुशंसा की जाती है कि थिंक इंडिया को संस्थान में एक आधिकारिक छात्र क्लब के रूप में मान्यता दी जाए। इस अवसर पर प्रोफेसर रंजीत सिंह डीन स्टूडेंट अफेयर्स प्रभाकर डॉ शशिकांत राय रोहित कुमार सोनी स्टूडेंट्स जिमखाना के अध्यक्ष आदित्य और अन्य छात्र उपस्थित थे।

शहीद दिवस के रूप में मनाई गई राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि

संवाददाता। सोनभद्र

डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन कार्यालय पर स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों की स्मृति में मंगलवार को सुबह दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि शहीद दिवस के रूप में मनाई गई। वक्ताओं ने गांधीजी के मार्ग का अनुसरण करने की प्रतिबद्धता को दोहराया।

डीबीए के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एडवोकेट डॉ अतुल प्रताप पटेल ने कहा कि महात्मा गांधी की 30 जनवरी 1948 को नाथूराम गोडसे ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। गांधी जी के इस बलिदान की याद में हर साल 30 जनवरी को शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है। आज उनके उन आदर्शों को भी याद करने का दिन है जिसकी बदौलत उन्होंने बिना हथियार उठाए अंग्रेजों को भारत से बाहर खदेड़ दिया था। उनके विचार ही उनकी आक्रमण और ढाल दोनों थे। डीबीए के पूर्व उपाध्यक्ष पवन कुमार सिंह ने कहा कि महात्मा गाँधी उन्हीं स्वतंत्रता सेनानियों में से एक थे, जिन्होंने क्रूर ब्रिटिश सत्ता से आजादी दिलवाने के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया था इस लड़ाई में अहिंसा को अपना एक बड़ा हथियार बनाया था। महात्मा गांधी की इसी कुर्बानी की स्मृति और सम्मान में 30 जनवरी के दिन को शहीद दिवस के रूप में घोषित किया गया। यह दिन उनके योगदानों को याद करने का दिन है। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में एडवोकेट ओमप्रकाश पाठक रमेश देव पांडेय राजबहादुर सिंह राजबली चौबे प्रदीप कुशवाहा अशोक कनौजिया द्वारिका नाथ नागर रमेश चौबे सुरेंद्र चौरसिया विजय प्रकाश चौबे एड आदि शामिल रहे।

शिशु स्वास्थ्य जागरूकता हेतु हेल्दी बेबी शो का हुआ आयोजन

सोनभद्र। शिशु स्वास्थ्य को जागरुकता हेतु हिण्डाल्को ग्रामीण विकास विभाग द्वारा प्राथमिक विद्यालय रासपहरी में हेल्दी बेबी शो का आयोजन संस्थान के मुखिया एन. नागेश के मार्गदर्शन एंव ग्रामीण विकास विभाग प्रमुख अविजीत के नेतृत्व में किया गया। आयोजन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण माताओं को स्वंय एवं बच्चे की साफ सफाई उनके स्वास्थय पोषण टीकाकरण तथा बच्चों के रखरखाव को लेकर जागरुक करना था। इस दौरान कुल 50 बच्चों ने प्रतिभाग किया। इन बच्चों को उम्र के हिसाब से शून्य से एक, एक से तीन, और तीन से पांच वर्ष की श्रेणियो में विभक्त कर ग्रामीण विकास विभाग के चिकित्सक डॉ. डी.पी. सक्सेना द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। कार्यक्रम में डॉ. सक्सेना ने माताओं को बाल स्वास्थ्य सम्बन्धित जानकारी देते हुए कहा कि स्वस्थ बच्चे ही स्वस्थ समाज का निर्माण करते है।

ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारी राजेश सिंह ने माताओं को जानकारी देते हुए कहा कि बच्चों के टीकाकरण साफसफाई एवं खान पान पर ध्यान देना अत्यन्त आवश्यक है जिससे बच्चों का सही मानसिक एवं शारीरिक विकास संभव हो सके।

कांग्रेस की न्याय यात्रा को जनसमर्थन का किया दावा

सोनभद्र। भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समर्थन में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय द्वारा 26 जनवरी से 30 जनवरी तक चलने वाली ब्लॉक बार यात्रा सोमवार को राबर्ट्सगंज ब्लॉक में उचडीह देउरी महुरेसर ओइनी जमसोखर की ओर बढ़ी ब्लॉक अध्यक्ष अमरेश देव पांडे की अध्यक्षता में चल रही यात्रा में उन्होंने कहा कि आज यात्रा का चौथा दिन है। लगातार चल रही यात्रा में लोगों का आशीर्वाद मिल रहा है। कांग्रेस पार्टी सबको साथ लेकर चलने का काम करती है लोग हमारी यात्रा में जुड़ रहे है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य आशुतोष कुमार दुबे आशु ने कहा कि जनमानस का आशीर्वाद और साथ हम लोगों की इस यात्रा में मिल रहा है।

बापू की प्रतिमा के सामने रामधुन गाकर कांग्रेस ने निकाली भारत जोड़ो न्याय यात्रा

संवाददाता। गाजीपुर

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर आज 30 जनवरी (मंगलवार) को जिला एवं शहर कांग्रेस कमेटी ने संयुक्त रूप से प्रदेश उपाध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप सिंह और प्रदेश सचिव फसाहत हुसैन बाबू की मौजूदगी में आमघाट कालोनी स्थित पार्क में बापू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रामधुन गाया और श्रद्धांजलि अर्पित किया।

इसके बाद कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समर्थन में गांधीवादी तरीके से तिरंगे एवं कांग्रेस के झंडे बैनर के साथ शहर की मुख्य सड़कों पर न्याय यात्रा निकाला, यात्रा मिश्रबाजार, महुआबाग, कचहरी होते हुए स्व. सरजू पांडे पार्क में एक सभा में बदल गई जहां वक्ताओं ने बापू को श्रद्धांजलि देते हुए बीजेपी सरकार में व्याप्त भ्रष्टाचार, अराजकता और नीतियों का विरोध किया।

प्रदेश उपाध्यक्ष राघवेंद्र सिंह ने कहा कि आज बापू की हत्या करके सत्ता पर जिस विचारधारा के लोग आसीन हैं उनके विरोध में राहुल जी की सामाजिक न्याय यात्रा को आपार जनसमर्थन मिल रहा है, नीतीश कुमार के सवाल पर उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार की प्रासंगिकता खत्म हो रही है, वे चट्टी चौराहे के नेता के रूप में जोकर की तरह घूम रहे हैं।

वे पलटुराम हैं और अच्छा हुआ कि वे चुनाव से पहले ही गठबंधन से बाहर हो गए। प्रदेश सचिव फसाहत हुसैन ने कहा कि मजहबी बंटवारा करके जो भाजपा सरकार सत्ता पर काबिज है उसे हटाने के लिए हम सभी साथी एक होकर सड़क पर न्याय यात्रा के जरिए निकले हैं और जनता का साथ भी हमें मिल रहा है। वहीं जिलाध्यक्ष सुनील राम एवं शहर अध्यक्ष संदीप विश्वकर्मा ने बापू श्रद्धांजलि देते हुए बताया कि हमारे नेता राहुल जी की यात्रा के समर्थन में हमलोग भी गाजीपुर में यात्रा निकाले हैं जिसका समापन आज सरजू पांडे पार्क में किया गया है लेकिन घर घर जनसंपर्क चालू रहेगा, और आगामी लोकसभा में भाजपा की भ्रष्ट सरकार को हटाना ही मुख्य उद्देश्य है।

क्विक न्यूज

पूरे जोर शोर से आयोजित हुआ सांस्कृतिक कार्यक्रम

प्रयागराज। फिक्शन शो इक कुड़ी पंजाब दी एक जबर्दस्त ड्रामा है। जिसने अपनी दमदार कहानी और सधे हुए किरदारों के साथ दर्शकों के बीच दिलचस्प बढ़ा दी है। जी टीवी का शो पंजाब में रचा बसा यह शो हिम्मत और हौसले की एक बेमिसाल कहानी है। आगे क्या होगा जानने के लिए देखिए इक कुड़ी पंजाब दी रोज शाम सात बजे सिर्फ जी टीवी पर। जिसने अब तक दर्शकों को बांधे रखा है। हाल के एपिसोड्स में दर्शकों ने देखा कि किस तरह तेजी मोनिका खन्ना के बच्चे सनी सुभान खान और सिमरित मिशिका मिश्रा लोहड़ी मनाना चाहते हैं और वे हीर तनिशा मेहता से गुजारिश करते हैं कि इसके लिए वो राजविंदर मलीका घई को मनाएं। काफी कोशिशों के बाद आखिर हीर इस त्यौहार को पूरे जोर शोर से मनाने के लिए पूरे परिवार को इकट्ठा कर लेती है। जहां अटवाल परिवार ने जश्न मनाने के लिए तैयारी शुरू कर दी हैं, वहीं तनिशा मेहता उर्फ हीर भी इस सीक्वेंस के लिए पूरी तरह से पंजाबी कुड़ी के लुक में नजर आएंगी। एक खूबसूरत परांदा और पंजाबी जूती के साथ पिंक और गोल्डन सूट पहनकर तनिशा बहुत खूबसूरत नजर आ रही हैं। इतना ही नहीं तनिशा ने बताया कि उन्होंने इस आउटफिट के लिए अपनी खुद की ज्वेलरी इस्तेमाल की। तनिशा ने कहा मुझे इस शो में कलरफुल आउटफिट पहने हुए काफी समय हो गया।

सुपाचुआं में ग्रामीणों को किया गया कंबल वितरण

बीजपुर, सोनभद्र। एनटीपीसी रिहंद द्वारा सोमवार को विकास खंड म्योरपुर के ग्राम पंचायत सुपाचुआं में समाज कल्याण अनुसूचित जाती एवं जनजाति विभाग के राज्यमंत्री संजीव कुमार गोंड परियोजना प्रमुख रिहंद पंकज मेदीरत्ता तथा ब्लॉक प्रमुख म्योरपुर मानसिंह गोंड की उपस्थिती में वृद्ध, विधवा तथा दिव्याङ्ग महिला एवं पुरुष लाभार्थीयों को एनटीपीसी रिहंद के सीएसआर के अंतर्गत 600 कंबल वितरण किया गया। इस अवसर पर राज्यमंत्री संजीव कुमार गोंड ने एनटीपीसी रिहंद द्वारा जिले में किए जा रहे विकासोन्मुखी कार्य सड़कों का निर्माण रखरखाव, विद्यालयों के पठन पाठन सामग्री का वितरण स्मार्ट क्लास आंगनबाड़ी केंद्रों में आवश्यक सामग्री की आपूर्ति एमएमयू द्वारा ग्रामीणों एवं मातृत्व लाभ प्रदान किया जाना आदि सामाजिक कार्यों का उल्लेख किया। परियोजना प्रमुख रिहंद पंकज मेदीरत्ता द्वारा ग्रामीणों को आश्वस्त किया गया कि एनटीपीसी रिहंद सीएसआर की ओर से सामाजिक कार्य किए जाते रहेंगे। इस अवसर पर सुपाचुआं के प्रधान राम नारायण अपर महाप्रबंधक मानव संसाधन जाकिर खान उप महाप्रबंधक मानव संसाधन संतोष कुमार उपाध्याय एवं उप प्रबंधक मानव संसाधन अरविन्द कुमार शुक्ल के साथ अन्य लोग उपस्थित रहे।

भगवान कृष्ण ने बाल लीलाओं से दिया धर्म का संदेशः आदित्य कृष्ण

प्रयागराज। माघ मेला के ओल्ड जीटी रोड पर हरियाणा के पीठाधीश्वर स्वामी ब्रह्माश्रम महराज जी का शिविर लगा है। चरखी दादरी आश्रम के शिविर में वृन्दावन के आचार्य पं आदित्य कृष्ण महाराज की श्रीमद्भागवद् कथा चल रही है। अमृतमय श्रीमद् भागवत कथा के पंचम दिवस में पं आचार्य आदित्य कृष्ण जी महाराज ने भगवान कन्हैया के बाल लीलाओं का वर्णन विस्तार से किया। कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी बाल लीलाओं से धर्म का संदेश दिया था। उन्होंने कथा में कहा कि भगवान श्रीकृष्ण माखन चोरी की लीला ग्वालों और गोपियों के साथ चीर हरण लीला राक्षसों के उद्धार की कथा दवाग्नि पान की कथा कालिया नाग मर्दन कथा ब्रम्हा जी के मोह की कथा गोवर्धन भगवान के पूजन एवं छप्पन भोग की कथा के साथ पंचम दिवस की कथा का आज विश्राम हुआ।

संस्था ने पुलिस उपायुक्त सतीश चन्द्र को किया सम्मानित

प्रयागराज। सनातन एकता मिशन के अध्यक्ष पंडित अशोक पाठक और संरक्षक पंडित देवराज पाठक ने राष्ट्रपति पदक पुलिस उत्कृष्ट सेवा मेडल से सम्मानित अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त प्रयागराज सतीश चन्द्र को सनातन टावर बालसन चौराहा में सम्मानित किया। यह सम्मान अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त प्रयागराज सतीश चन्द्र को उत्कृष्ट सेवा मेडल सड़क सुरक्षा आपातकालीन स्वास्थ्य सेवा एम्बुलेंस 108 एवं आपातकालीन पुलिस सेवा 112 का कुशल प्रबन्धन समन्वय और नियंत्रण के लिए प्रदान किया गया है। कार्यक्रम में सनातन एकता मिशन शैलेन्द्र अवस्थी सीता सरण शास्त्री नीरज दीक्षित दिलीप द्विवेदी अनूप त्रिपाठी आदित्य पाठक सहित अन्य लोग थे।

स्वामी ओमानंद महराज की भागवद कथा दो से

प्रयागराज। वाराणसी के प्रसिद्ध कथावाचक स्वामी ओमानंद महराज का शिविर माघ मेला के ओल्ड जीटी रोड संगम लोवर चौराहे पर लगा हुआ है। स्वामी ओमानंद महराज की श्रीमद्भागवद् कथा दो फरवरी को दोपहर दो बजे से शिविर में शुरू होकर शाम पांच बजे तक चलेगी। भागवद् कथा की पूर्णाहुति आठ फरवरी को होगी। शिविर में विशाल अन्नक्षेत्र चल रहा है। इसका समापन माघी पूर्णिमा को होगा। स्वामी ओमानंद जी महराज ने बताया कि वह माघ मेला में 20 वर्ष से कल्पवास करते हुए श्रीमद्भागवद् कथा और श्रीराम कथा कर रहे है।

ज्वाला देवी गंगापुरी में महात्मा गांधी निर्वाण दिवस एवं कुष्ठ निवारण दिवस कार्यक्रम हुआ आयोजित

संवाददाता। प्रयागराज

ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कॉलेज गंगापुरी रसूलाबाद के रज्जू भैय्या सभागार में महात्मा गांधी निर्वाण दिवस एवं कुष्ठ निवारण दिवस के अवसर पर आज कार्यक्रम आयोजित हुआ। विद्यालय के आचार्य जर्नादन प्रसाद दुबे संत बहादुर चौरसिया एवं अभय श्रीवास्तव ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर दीपार्चन एवं पुष्पार्चन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर आचार्य अभय श्रीवास्तव ने राष्ट्रपिता गांधी के निर्वाण दिवस पर छात्रों को बताते हुए कहा कि शहीद दिवस के मौक पर हम देश के लिए अपनी जान गवांने वाले शहीदों को याद करते हैं।

साथ ही इस मौके पर हम उन महापुरुषों को भी याद करते हैं। जिन्होंने देश को आजाद कराने के लिए अपना बलिदान दिया। हम हर साल अलग अलग दिन पर शहीद दिवस मनाते हैं। इन्हीं में से एक दिन तीस जनवरी भी है। इस तारीख को ही राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हर साल हम इस मौक पर महात्मा गांधी के साथ साथ देश के लिए अपना बलिदान देने वाले अन्य शहीदों को भी याद करते हैं। शहीद दिवस के रूप में यह तारीख सबसे खास है। इस दिन वर्ष 1948 में नाथुराम गोडसे ने महात्मा गांधी की हत्या कर दी थी। इसके बाद से ही हम हर साल 30 जनवरी को महात्मा गांधी को याद करते हैं। कार्यक्रम की अगली कड़ी में आचार्य संतबहादुर चौरसिया ने विद्यार्थियों को कुष्ठ उन्मूलन के विषय में बताते हुए कहा कि यह रोग भारत सहित संपूर्ण विश्व के पिछड़े हुए देशों के लिए एक ऐसी समस्या है। जो कि लाखों लोगों को दिव्यांग बना देता है लेकिन पश्चिमी देशों में इस रोग का प्रभाव न के बराबर है। भारत देश में भी इस रोग पर काफी नियंत्रण किया जा चुका है। जिन कुष्ठ रोगियों को समाज धिक्कारता है उन कुष्ठ रोग से पीड़ित व्यक्तियों से हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी काफी स्नेह और सहानुभूति रखते थे।

कोहरे और कुहासा से परेशान रहे राहगीर और ग्रामीणजन

सकलडीहा, चन्दौली। बीते एक सप्ताह से घना कोहरे के साथ कड़ाके की शीत लहर कुहासा और पाला से लोगों का घरों से निकलना दूभर होगया है। इसके बाद भी में सुबह सुबह कुहासा और कोहरा से निजात नही मिल रहा है। मंगलवार को भी सुबह और शाम को ठंड व गलन से राहगीर और स्थानीय ग्रामीणों परेशान रहे। वही स्कूल खुलने से बच्चे कांपते हुए स्कूली बसों से जाने के लिये मजबूर है। मौसम वैज्ञानिकों की सूचना के बाद भी ठंड और गलन से राहत नही मिल रहा है। बीते कई दिनों से कड़ाके की ठंड से लोग कांप जा रहे है। वही तहसील प्रशासन द्वारा अलाव जलवाये जाने को लेकर कोरमपूर्ति किया जा रहा है। जबकि सुबह सुबह आने जाने वाले राहगीर, पुलिस कर्मी, किसान, छात्र, अधिवक्ता से लेकर सरकारी कर्मचारी कार्यालय ठंड में जाने को परेशान है। कस्बा के व्यापारी और ग्रामीणों ने सुबह सुबह अलाव जलाये जाने की तहसील प्रशासन से मांग की।

डीएम ने लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर की बैठक

अंबेडकरनगर। जिला निर्वाचन अधिकारी, जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में मुख्य विकास अधिकारी अनुराज जैन की उपस्थिति में समस्त नोडल अधिकारी ,अपर नोडल अधिकारी ,सहायक प्रभारी अधिकारी के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में आगामी लोकसभा सामान्य निर्वाचन- 2024 की तैयारी के संबंध में बैठक आयोजित किया गया।

बैठक के दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी, अपर जिलाधिकारी द्वारा विस्तार पूर्वक आगामी लोकसभा निर्वाचन की तैयारी के बारे में बिंदुवार जानकारी दिया गया। बैठक के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा समस्त नोडल अधिकारी,अपर नोडल अधिकारी ,सहायक प्रभारी अधिकारी को निर्देशित किया गया कि आगामी लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 में लगाए गए समस्त कार्मिक दिए गए दायित्वों का जिम्मेदारी पूर्वक निर्वहन करें जिससे आगामी लोकसभा निर्वाचन 2024 सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया जा सके। जिलाधिकारी द्वारा संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि संबंधित कार्मिकों को प्रशिक्षण दिलाएं, जिससे अधिकारियों, कर्मचारियों को अपने दायित्वों का निर्वहन करने में यथासंभव आसानी हो।

गांव चलो अभियान के तहत भाजपा की कार्यशाला संपन्न

संवाददाता। गाजीपुर

जनपद में गांव चलो अभियान की एक दिवसीय कार्यशाला मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष सुनील सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई। जिला प्रभारी राकेश त्रिवेदी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्र भक्ति भावना से प्रेरित होकर पुरे निस्वार्थ निष्ठा से पार्टी का कार्यकर्ता काम करता है। उन्होंने कहा कि हमारे राजनीति का मकसद सिर्फ सरकार बनाना नहीं बल्कि एक एक भारतीय का सीना और मस्तक विश्व के हर देश में हर जगह गर्व से ऊंचा हो भारतीय जनता पार्टी का यह उद्देश्य है।

उन्होंने कहा कि भारत अपना खोया वैभव प्राप्त करे हमे उसके लिए काम करना है।कार्यशाला को संबोधित करते हुए लोकसभा चंदौली, जौनपुर और गाजीपुर के क्लस्टर इंचार्ज उ प्र सरकार के मंत्री गिरीशचंद्र यादव ने कहा कि विदेशी ताकतें नहीं चाहती कि इस देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तिबारा प्रधानमंत्री बने। और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्व भर में देश कि प्रतिष्ठा और सम्मान की बेतहाशा वृद्धि हुई है।आज भारत भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता संगठन पंचनिष्ठा को स्वीकार कर समाज में लगातार समर्पित भाव से काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि देश के मजबुती और समाज के एक एक व्यक्ति के सुख और समृद्धी के लिए देश की और प्रदेश की सरकार काम कर रही है।और उन्होंने कहा कि आज जिन राज्यों में भाजपा और उसकी सरकार नहीं है वहां भी भाजपा कैसे स्थापित हो हमे उसके लिए अभी बहुत काम करना है ताकि हमारा देश विकसित भारत बन सके। उन्होंने कहा कि पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन कर तथा विभिन्न दायित्वों तथा नेतृत्व प्रदान कर भारतीय जनता पार्टी ने पिछड़ो दलितो को सम्मानित किया है।

लोकसभा गाजीपुर के प्रभारी आर पी कुशवाहा ने कहा कि पार्टी का सिर्फ एक लक्ष्य है और वह है आगामी लोकसभा चुनाव में विजय प्राप्त करना ।और उन्होंने कहा कि आज के इस गांव चलो अभियान कार्यशाला का उद्देश्य है। पार्टी कार्यकर्ता गांव गांव जाकर प्रवास करें तथा जन कल्याण की योजनाओं से लोगो को अवगत कराए । उन्होंने कहा कि पिछले चुनाव के परिणाम से हमें सीख लेने की जरूरत है।

जिलाध्यक्ष सुनील सिंह ने कार्यशाला विषय रखते हुए कहा कि संगठन क्षमता के वृद्धि, कुशलता एवं संचालन हेतु संगठन शीर्ष नेतृत्व द्वारा 4 से 11के बीच गांव चलो अभियान का आह्वान किया । तथा सबके प्रति धन्यवाद आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर नवनियुक्त लोकसभा प्रभारी आर पी कुशवाहा के जनपद में प्रथम आगमन तथा आगंतुक अतिथियों को पुष्प गुच्छ,अंग वस्त्र तथा स्मृति चिन्ह देकर स्वागत अभिनन्दन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ पार्टी महामनिषियो पं दीनदयाल उपाध्याय एवं डा श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर तथा वंदेमातरम गायन से हुआ।

आरएसएस के कर्मठ सदस्य देवी प्रसाद पांडेय का निधन

मीरजापुर। राम मंदिर आंदोलन के सिपाही एवं जनसंघ एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से पूरी जिंदगी पूरी निष्ठा के साथ जुड़े रहे जनपद मिर्जापुर बांकेलाल टंडन की गली वासलीगंज निवासी देवी प्रसाद पांडे जी का निधन 29 जनवरी 2024 को दोपहर 12ः30 बजे हो गया । श्री देवी प्रसाद पांडेय का पूरा जीवन जनसंघ आरएसएस एवं विश्व हिंदू परिषद को समर्पित रहा । उन्होंने अंजही की गली की व्यापारियों की समस्या को लगातार उठाने का कार्य किया । वह घंटाघर स्थित सबसे पुराने ऐतिहासिक लाइब्रेरी के आजीवन अध्यक्ष रहे।

बरियाघाट रामलीला कमेटी के गठन में भी उनके प्रमुख योगदान रहा , तथा जनसंघ एवं भाजपा में वर्तमान रक्षा मंत्री माननीय राजनाथ सिंह जी के साथ मिलकर मिर्जापुर में राम मंदिर आंदोलन को धार देने का कार्य किया। देवी प्रसाद पांडे राजनाथ सिंह जी के परम मित्रों में थे। राम मंदिर आंदोलन में 1991 में जौनपुर जेल में वर्तमान रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह जी के साथ जेल में भी अपने समर्थकों के साथ बंद रहे । श्री देवी प्रसाद पांडे जी की अंतिम यात्रा 29 जनवरी को बांकेलाल टंडन जी की गली स्थित निवास से उठकर चौबे घाट मिर्जापुर गया। जहां पर अंतिम संस्कार उनके छोटे पुत्र सुशील कुमार पांडे द्वारा किया गया।

वे अपने पीछे पूरा भरा पूरा परिवार छोड़कर गए हैं। स्व देवी प्रसाद पांडे, सुनील कुमार पांडे एडवोकेट जो कि आम आदमी पार्टी के प्रदेश सचिव जनपद प्रभारी सोनभद्र के पिता हैं और जो विभिन्न सामाजिक एव सांस्कृतिक एवं संगठनों से जुड़े हैं।

भाजपा सरकार में समाज का हर वर्ग हुआ लाभान्वितः दयालु

सोनभद्र। एक बार फिर मोदी सरकार सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूलमंत्र को जन जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से प्रारंम्भ दीवाल लेखन अभियान के अंतर्गत लोकसभा 80 के राबर्ट्सगंज विधानसभा के नगर के बूथ सं-22 पर उत्तर प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री लोकसभा कलस्टर प्रभारी डॉ दयाशंकर मिश्रा दयालु भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल व सदर विधायक भूपेश चौबे ने दीवाल लेखन किया। उ0प्र0 सरकार के राज्यमंत्री कलस्टर प्रभारी डॉ दयाशंकर मिश्रा दयालु ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार में समाज का हर वर्ग लाभान्वित हुआ है, मोदी जी के नेतृत्व में देश विकास के पथ पर तेजी से अग्रसर हो रहा है 2014 से लेकर अब तक तमाम योजनाओं के माध्यम से विकास की किरण अन्तिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य मोदी सरकार कर रही है। भौतिक विकास से लेकर आध्यात्मिक धरोहरों तक के विकास व पुनरोद्धार का कार्य तेजी से चल रहा है जिसका उदाहरण देश भर मे बन रही सड़के विश्वविद्यालय चिकित्सा विश्वविद्यालय सहित अनेको विकास परियोजनाएं है साथ ही साथ अयोध्या मे भगवान राम जी की प्राण प्रतिष्ठा भी हुयी। हम सभी पुनः मोदी जी को देश का प्रधानमंत्री बनाने के लिए संकल्पित है। भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल ने कहा कि जनपद के प्रत्येक बूथ तक दीवाल लेखन का कार्य किया जाना है।

आतंकियों की हत्या

पाकिस्तान का दावा

पाकिस्तान में दो आतंकियों की हत्या पर इस्लामाबाद ने इसका आरोप भारतीय संपर्कों पर लगाया है। इस प्रकार पाकिस्तान अपनी आदत के अनुसार फिर भारत पर निशाना लगा रहा है। भारत-कनाडा विवाद से संकेत लेकर इस्लामाबाद ने भारत पर दो पाकिस्तानी नागरिकों की हत्या में षडयंत्र का आरोप लगाया है जो ज्ञात आतंकी थे। हालांकि, अब कनाडा से विवाद हल्का हो गया है और ओटावा ने भी स्वीकार किया है कि भारत जांच में सहयोग कर रहा है। आश्चर्य की बात नहीं कि पाकिस्तान कनाडा जैसी स्थिति पैदा करना चाहता है, लेकिन प्रमाणों की जांच करना तथा पाकिस्तान का झूठ उजागर करना जरूरी है। दो आतंकियों की कथित हत्या की गहराई से जांच करने के बजाय पाकिस्तान ने जल्दी से भारत की ओर उंगली उठा दी। ऐसा कर वह असली मुद्दों से ध्यान हटाना तथा एक समानान्तर विमर्श तैयार करना चाहता है ताकि अपने भू-राजनीतिक हितों के लिए जनता का दृष्टिकोण बदल सके। लेकिन यह गौर करना जरूरी है कि हर घटना का एक विशिष्ट संदर्भ होता है और इससे जटिल भू-राजनीतिक परिवर्तनों का अति-सरलीकरण नहीं किया जा सकता है। भारत ने इस मामले में स्पष्ट रूप से अपनी संलिप्तता से इनकार किया है और इसके साथ ही उसने तथ्यों का पता लगाने के लिए पारदर्शी और निष्पक्ष जांच का अनुरोध किया है। नई दिल्ली ने इस्लामाबाद को चुनौती दी है कि वह अपने दावों के पक्ष में स्पष्ट प्रमाण प्रस्तुत करे। यह पहली बार नहीं है जब पाकिस्तान ने अपनी समस्याओं का दोष भारत पर मढ़ने का प्रयास किया है। वह अक्सर बिना किसी प्रमाण के आरोप लगाता रहा है कि भारत बलूचिस्तान में विद्रोह को बढ़ावा दे रहा है।

नवीनतम आरोप को इस परिदृश्य के संदर्भ में देखा जाना चाहिए कि पाकिस्तान अपनी धरती पर आतकवादियों को पालता-पोसता रहा है।

याद रखा जाना चाहिए कि पाकिस्तान ने ओसामा बिन लादेन को 'सुरक्षित स्वर्ग' उपलब्ध कराया था। वर्तमान समय में पाकिस्तान के अस्तित्व पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है और वह अपनी कमियों का दोष दूसरों पर मढ़ने के लिए कुछ भी करने को तैयार है। पाकिस्तान में जो आतंकी उपद्रव मचा रहे हैं उनको स्वयं उसने ही तैयार किया है। ऐसे में अपने देश में कट्टरपंथियों को संतुष्ट करने के लिए किए जाने वाले 'नाटक' का उसे कोई लाभ नहीं होगा। पाकिस्तान का इतिहास है कि वह अपने आंतरिक मुद्दों से ध्यान हटाने तथा अंतरराष्ट्रीय संवेदना प्राप्त करने के प्रयास करता रहा है। भारत पर आरोप लगा कर पाकिस्तान स्वयं को बाहरी हमले से पीड़ित बताने का प्रयास कर रहा है। वह सुविधाजनक रूप से अपनी सीमाओं के भीतर मौजूद आतंक को अनदेखा करना चाहता है। चूंकि दुनिया पाकिस्तानी दावों की जांच करेगी, इसलिए इस्लामाबाद को कथित हत्याओं में भारत की संलिप्तता के जांच योग्य प्रमाण प्रस्तुत करने चाहिए। जब तक ऐसे प्रमाण नहीं दिए जाते हैं तब तक अंतरराष्ट्रीय समुदाय को जल्दी से पाकिस्तानी विमर्श स्वीकार करने से बचना चाहिए। इसके बजाय देशों तथा वैश्विक संगठनों को घटना की गंभीर और निष्पक्ष जांच पर जोर देना चाहिए। इस प्रकार वे सत्य उजागर करने तथा राजनीतिक लाभ के लिए तथ्यों की तोड़-मरोड़ से बचने में सहायक सिद्ध होंगे। भारत द्वारा दो आतंकियों की हत्या में संलिप्तता के आरोपों की गहन जांच होनी चाहिए। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को वस्तुनिष्ठ होना चाहिए। पाकिस्तान का झूठ उजागर कर दुनिया क्षेत्रीय स्थायित्व में सहयोग कर देशों को उनकी कार्रवाइयों के लिए जिम्मेदार ठहरा सकती है। इस प्रकरण में सच्चाई और न्याय के प्रति प्रतिबद्धता दक्षिण एशिया में जटिल भू-राजनीति को देखते हुए जरूरी है।

ग्रामीण भारत में बेहतर स्कूली शिक्षा

सरकार के समर्थन के बावजूद वार्षिक शिक्षा स्थिति रिपोर्ट-असर से संकेत मिलते हैं कि सभी राज्यों में शिक्षा सुधारों पर तेजी से अमल नहीं हो रहा है। इससे ग्रामीण भारत में स्कूली शिक्षा प्रभावित हो रही है।

जे.एस. राजपूत
(लेखक, शिक्षा क्षेत्र से संबद्ध हैं)

सरकार के समर्थन के बावजूद वार्षिक शिक्षा स्थिति रिपोर्ट से संकेत मिलते हैं कि सभी राज्यों में शिक्षा सुधारों पर तेजी से अमल नहीं हो रहा है। हाल ही में गैर-सरकारी संस्था 'प्रथम' द्वारा प्रकाशित 'ऐनुअल स्टेटस आफ एजुकेशन रिपोर्ट'-असर ने एक बार फिर शिक्षा के क्षेत्र में दिलचस्पी लेने वाले लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। इससे भारत के भविष्य तथा ज्ञानवान समाज बनाने के उसके उद्देश्य पर भी ध्यान जाता है। पहली 'असर' रिपोर्ट 2005 में आई थी। उम्मीद की गई थी कि इससे न केवल शिक्षा व्यवस्था में कार्यरत लोगों, बल्कि पूरे भारत का ध्यान आकर्षित होगा और यह उनकी चिन्ता का विषय बनेगी। उस समय सरकारी स्कूलों की विश्वसनीयता और जनता में उनकी स्वीकार्यता बहुत कम हो गई थी जिसके कारण वित्तीय रूप से सक्षम लोग अपने बच्चों को निजी स्कूलों में दाखिला दिलाने के सारे प्रयास करते थे। मजेदार बात है कि भारत में निजी स्कूलों को 'पब्लिक स्कूल' कहा जाता है। लेकिन असर रिपोर्ट के बावजूद शिक्षा में यह गिरावट जारी रही जिसके परिणामस्वरूप शहरों और कस्बों में निजी स्कूलों की प्री-स्कूल कक्षाओं में प्रवेश की भारी भीड़ लगने लगी।

लोग अपने बच्चों की शिक्षा के लिए मनमानी फीस देने को तैयार थे तथा महत्वाकांक्षी मध्यवर्गीय लोग अपने जरूरी पारिवारिक खर्च घटा कर भी बच्चों को अच्छे स्कूलों में शिक्षा दिलाना चाहते थे। इसके लिए बहुत से लोग कर्ज भी लेने को तैयार दिखते हैं। विडंबना है कि जनता के इस आकर्षण के बावजूद अनेक निजी स्कूलों में भी शिक्षा की गुणवत्ता मानकों के अनुसार ठीक नहीं कही जा सकती है। हालांकि, पिछले वर्षों में भारत में स्कूली शिक्षा में अनेक मोर्चों पर उल्लेखनीय प्रगति हुई है। लेकिन इसके बावजूद शिखा की गुणवत्ता, कौशल प्राप्ति तथा संस्थागत कार्य संस्कृति जैसे अनेक मोर्चों पर चिन्तायें भी उभर कर सामने आई हैं। पिछले कुछ दशकों की एक महान उपलब्धि यह है कि लड़कियों को शिक्षा दिलाने की सामाजिक स्वीकार्यता बहुत बढ़ी है और इसे ग्रामीण भारत में भी समान रूप से स्वीकार किया गया है। लेकिन इसके बावजूद लड़कों और लड़कियों की शिक्षा तथा उनको प्राथमिकता को लेकर खाई बरकरार है। वर्तमान रिपोर्ट से पता चलता है कि जहां 43.7 प्रतिशत लड़कों के पास स्मार्टफोन था, वहीं केवल 19.8 प्रतिशत लड़कियों को यह सुविधा मिल रही थी।

हालांकि, यह तथ्य प्रेरणादायक है कि 90 प्रतिशत बच्चों के घर में स्मार्टफोन थे। वर्तमान सर्वेक्षण भारत के 26 राज्यों के 28 जिलों में 14-18 वर्ष के ग्रामीण बच्चों में किया गया और इसमें 34,745 बच्चों को शामिल किया गया। 'बड़े होने' की गुणवत्ता का संकेत उन बच्चों के प्रतिशत से मिलता है जो भविष्य में अपने कामकाज की आकांक्षा प्रकट करते हैं। यह देख कर निराशा होती है कि कवेल 21 प्रतिशत ने इस सवाल का जवाब दिया कि वे आने वाले वर्षों में क्या बनना चाहेंगे। काम के प्रति सर्वाधिक पसंद के मामले में 13 प्रतिशत ने कहा कि वे पुलिस में जाना चाहते हैं, जबकि 11.4 प्रतिशत ने शिक्षक बनने की इच्छा जताई। विडंबना है कि केवल 1.4 प्रतिशत बच्चे ही कृषि संबंधी कार्य करना चाहते थे। अन्य अध्ययनों तथा बच्चों से संवाद के माध्यम से सुरक्षित रूप से यह नतीजा निकाला जा सकता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षक बनने की इच्छा माता-पिता और परिवारी सदस्यों की प्राप्त करने योग्य पसंद पर निर्भर है। हालांकि, पुलिस में नौकरी की इच्छा थोड़ा संदेह के दायरे में है क्योंकि जनता में व्याप्त सोच के आधार पर इसके लिए बहुत अधिक संसाधनों और साधनों की जरूरत होगी। शिक्षकों की नौकरी के लिए भी दृष्टिकोण में तेजी से बदलाव आ रहा है। सुनिश्चित नौकरी या नियमित रूप से भर्ती निश्चित नहीं है।

यदि किसी की मानदेय-आधारित शिक्षा-कर्मी के पद पर आकर्षक पदनाम के साथ भर्ती हो भी जाती है तो सालों तक उस पर अनिश्चितता की तलवार लटकी रहती है। यह भी एक तथ्य है कि शिक्षकों पर शिक्षा-नौकरशाहों की तलवार हमेशा लटकती रहती है। इससे शिक्षक की समय पर हाजिरी भले ही सुनिश्चित हो जाए, पर बच्चों को पढ़ाने में उसका मन लगना जरूरी नहीं है। हालांकि, अनेक शिक्षामित्र पूरी मेहनत से बच्चों को शिक्षा देने में अपने कौशल का प्रयोग करते हे ंऔर उनको बच्चों तथा उनके माता-पिता से समुचित सम्मान भी मिलता है। लेकिन इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि उनको नियमित वेतनमान और ग्रेड पर नौकरी में शामिल किया जाएगा।

इस संबंध में शिक्षा व्यवस्था से भी लोगों को बहुत उम्मीदें हैं। व्यवस्था से सभी लोगों को उम्मीद है कि वह ज्यादा उदार, प्रभावशाली, पारदर्शी, संवेदनशील तथा पढ़ने वालों के लिए सहायक होगी। नई शिक्षा नीति-एनईपी-2020 की घोषणा तथा उसके क्रियान्वयन का अब चौथा साल शुरू हो गया है। उम्मीद की जाती थी कि इससे होने वाले परिवर्तन जल्द ही दिखने लगेंगे। लेकिन यह तथ्य रेखांकित किया जाना चाहिए कि स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, खासकर ग्रामीण स्कूलों की शिक्षा में सुधार मुख्यत: राज्य सरकारों की प्राथमिकता पर निर्भर है। केन्द्र सरकार ने शिक्षा सुधारों के मामले में राज्यों की अनेक प्रकार से फौरन सहायता की है। इसमें अकादमिक व पेशेवर समर्थन के साथ वित्तीय योगदान भी शामिल है ताकि अतिरिक्त शिक्षकों की भर्ती के साथ ढांचागत संरचना में सुधार हो सके। लेकिन अनेक राज्यों ने शिक्षा को समुचित प्राथमिकता नहीं दी है। यह बात खासकर बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों के लिए सहीं है जहां शिक्षा सुधारों को तत्काल लागू करना जरूरी हो गया है। असर रिपोर्ट पर गौर करने से स्पष्ट होता है कि राष्ट्र को इस मुद्दे पर विचार करना चाहिए। हर बच्चे को अच्छी गुणवत्ता वाली शिक्षा देना और उसे आवश्यक कौशल प्रदान करना बहुत जरूरी हो गया है। इसमें सक्रिय पेशेवर कार्य के दौरान लगातार आवश्यक कौशल प्राप्त करना भी शामिल है। यह भी जरूरी है कि सभी लोग 'न्यू इंडिया' के निर्माण में शिक्षकों और स्कूलों की प्राथमिक भूमिका समझें।

वर्तमान समय में सभी लोग इसे नहीं समझ रहे हैं। अपनी बात स्पष्ट करने के लिए में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 से यह संदर्भ देना चाहूंगा-'सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 2012 में गठित जस्टिस जे.एस. वर्मा आयोग के अनुसार, बहुसंख्य 20,000 टीईआई में से स्टैंड-एलोन संस्थान शिक्षक शिक्षण के प्रति गंभीर नहीं हैं, बल्कि वे एक कीमत लेकर डिग्रियां बांट रहे हैं। अब तक व्यवस्था में विकृतियां दूर करने के नियमित प्रयास नहीं किए गए हैं और हम गुणवत्ता मानक ही प्रभावी रूप से लागू कर सके हैं। वास्तव में इसका नकारात्मक असर उत्कृष्टता विकसित करने तथा क्षेत्र में खोजी क्षमताओं के विकास के मामले में पड़ा है। इसलिए क्षेत्र को तत्काल पुनर्जीवित करने के लिए एक नियामक तंत्र बनाने की आवश्यकता है।'

देश के ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूली शिक्षा की असलियत उजागर करने वाली 'असर' रिपोर्ट पर व्यक्तियों तथा संस्थानों को गंभीरता से गौर करना चाहिए। यह रिपोर्ट उनके लिए प्रेरणादायक होनी चाहिए। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूली शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए गतिशील, सटीक तथा सही सुधारों को फौरन लागू करना चाहिए। स्कूलों तथा यहां तक कि व्यावहारिक शिक्षा देने वाले संस्थानों में वर्तमान समय में प्रायोगिक कार्य पर जोर नहीं दिया जा रहा है। इनमें पालीटेक्निक व इंजीनियरिंग कालेज भी शामिल हैं। यह अत्यधिक चिन्ता का विषय है। इस विसंगति के कारण सैकड़ों इंजीनियरिंग व प्रबंधन संस्थान बंद हो चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद जमीनी स्तर पर ज्यादा सुधार नहीं दिख रहे हैं। किसी जीवन्त व संवेदनशील व्यवस्था में यह स्थिति पूरी तरह अस्वीकार्य है।

परीक्षा को उत्सव की तरह मनाएं

> **भारतीय शिक्षा प्रणाली में शैक्षणिक सफलता को छात्र के समग्र मूल्य के साथ जोड़ने की प्रवृत्ति देखी गई है, जिससे अनजाने में उच्च दबाव का माहौल बन गया है।**

प्रियंक कानूनगो
(लेखक, राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष हैं)

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) के अध्यक्ष के रूप में, मैंने भारतीय शिक्षा प्रणाली की परिवर्तनकारी यात्रा को करीब से देखा है, खासकर परीक्षाओं के संदर्भ में। इस परिवर्तन के केंद्र में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की परीक्षा पे चर्चा पहल है, जो परीक्षाओं के तनाव को कम करने का एक अग्रणी प्रयास है। हमें इस महत्वपूर्ण बदलाव को समझने और परीक्षा प्रक्रिया को तनावमुक्त करने के लिए एक सामाजिक आंदोलन की वकालत करने की आवश्यकता है।

पिछले कुछ दशकों में, भारतीय शिक्षा प्रणाली में शैक्षणिक सफलता को छात्र के समग्र मूल्य के साथ जोड़ने की प्रवृत्ति देखी गई है, जिससे अनजाने में उच्च दबाव का माहौल बन गया है। इस दृष्टिकोण के कारण छात्रों की चिंता और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं सहित नकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। %परीक्षा पे चर्चा% एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में उभरी है, जो परीक्षाओं को ज्ञान और सीखने के उत्सव के रूप में देखकर इस दृष्टिकोण को फिर से परिभाषित करती है।

शैक्षिक क्षेत्र में अपने अनुभवों और बातचीत के माध्यम से, मैं इस सांस्कृतिक बदलाव के महत्व को समझ गया हूं। प्रधान मंत्री मोदी द्वारा शुरू किए गए वार्षिक संवाद केवल बातचीत नहीं हैं; वे राष्ट्रव्यापी शैक्षिक सुधार के उत्प्रेरक हैं। ये इंटरैक्शन विचारों और चिंताओं के आदान-प्रदान की अनुमति देते हैं, जिससे छात्रों के लिए एक सहायक और समझने योग्य वातावरण को बढ़ावा मिलता है।

परीक्षा पे चर्चा के मूल में समग्र शैक्षिक दृष्टिकोण पर ध्यान केंद्रित करना है। यह ग्रेड और अंकों पर पारंपरिक फोकस को चुनौती देता है, एक ऐसी प्रणाली की वकालत करता है जो समझ, आलोचनात्मक सोच और ज्ञान के व्यावहारिक अनुप्रयोग को महत्व देती है। इस परिवर्तन में माता-पिता और शिक्षक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कई भारतीय घरों में, यह गहरी धारणा है कि अकादमिक उत्कृष्टता ही सफलता का एकमात्र रास्ता है, जो अक्सर अन्य प्रतिभाओं और कौशलों पर भारी पड़ती है। इस मानसिकता को बदलना जरूरी है. हमें एक संतुलित दृष्टिकोण को बढ़ावा देने की आवश्यकता है जहां शैक्षणिक उपलब्धियों को स्वीकार किया जाए, लेकिन बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य या व्यक्तिगत विकास की कीमत पर नहीं।

इसके अलावा, भारतीय सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य एक ऐसी शिक्षा प्रणाली की मांग करता है जो अनुकूलनीय और समावेशी हो। परीक्षा पे चर्चा इस आवश्यकता को स्वीकार करती है और एक ऐसी शिक्षा प्रणाली का समर्थन करती है जो विविध प्रतिभाओं का पोषण करती है, आलोचनात्मक और रचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करती है, जो भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए आवश्यक है।

हालांकि, ऐसी पहल की सफलता का असली पैमाना पूरे देश में इसकी स्वीकृति और कार्यान्वयन में निहित है। इसके लिए सरकार, शैक्षणिक संस्थानों, अभिभावकों और छात्रों के सहयोगात्मक प्रयास की आवश्यकता है। इन प्रयासों के अलावा, शिक्षा के उद्देश्य पर व्यापक संवाद की भी आवश्यकता है। शिक्षा केवल परीक्षा में अच्छे अंक लाने के बारे में नहीं होनी चाहिए, बल्कि एक सर्वांगीण व्यक्तित्व के विकास के बारे में भी होनी चाहिए। इसमें भावनात्मक बुद्धिमत्ता, नैतिक मूल्यों और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना का पोषण शामिल है। परीक्षा पे चर्चा इन व्यापक पहलुओं पर चर्चा शुरू करने, हमारी भावी पीढ़ियों के अधिक व्यापक विकास को सुनिश्चित करने का एक मंच हो सकता है।

इसके अलावा, नवीन शिक्षण पद्धतियों को एकीकृत करना सीखने के अनुभव को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इंटरैक्टिव और अनुभवात्मक शिक्षण विधियां शिक्षा को अधिक आकर्षक और कम डराने वाली बना सकती हैं।

परीक्षा पे चर्चा एक ऐसी शिक्षा प्रणाली की ओर एक यात्रा है जो व्यक्तिगत क्षमता का सम्मान और पोषण करती है। यह एक ऐसे युग की शुरुआत का प्रतीक है जहां परीक्षाएं एक बड़े, अधिक समृद्ध शैक्षिक अनुभव का हिस्सा हैं। हमारी सामूहिक जिम्मेदारी यह सुनिश्चित करना है कि यह परिवर्तन हमारे शैक्षिक दर्शन में गहराई से शामिल हो। निरंतर प्रयासों और एकजुट दृष्टिकोण के साथ, हम परीक्षाओं को समझने के तरीके को फिर से परिभाषित कर सकते हैं, जिससे एक ऐसा भविष्य बन सकता है जहां हमारे बच्चे न केवल शैक्षणिक रूप से कुशल होंगे बल्कि भावनात्मक और नैतिक रूप से भी मजबूत होंगे।

इस संदर्भ में, इस तनाव मुक्त परीक्षा दृष्टिकोण के व्यापक निहितार्थों को संबोधित करना महत्वपूर्ण है। तनाव कम करने का मतलब केवल परीक्षा पैटर्न बदलना नहीं है; इसमें एक ऐसे पारिस्थितिकी तंत्र का पोषण शामिल है जो मानसिक कल्याण का समर्थन करता है और निरंतर सीखने को प्रोत्साहित करता है। इसमें घर और स्कूल दोनों जगह सहायक माहौल बनाना शामिल है, जहां बच्चे खुद को स्वतंत्र रूप से अभिव्यक्त कर सकें और बिना किसी हिचकिचाहट के मदद मांग सकें।

इसके अतिरिक्त, जीवन कौशल और भावनात्मक बुद्धिमत्ता को पाठ्यक्रम में शामिल करना आवश्यक है। आज की तेजी से बदलती दुनिया में, छात्रों को लचीलापन, अनुकूलनशीलता और सहानुभूति जैसे कौशल से लैस होने की आवश्यकता है। शैक्षणिक ज्ञान के साथ-साथ ये कौशल उन्हें जीवन की चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करने के लिए तैयार करेंगे।

शिक्षकों, नीति निर्माताओं और हितधारकों के बीच निरंतर संवाद से शैक्षिक सुधार के लिए अधिक जानकारीपूर्ण और प्रभावी रणनीति बन सकती है। परीक्षा पे चर्चा खुले संचार और साझा सीखने की संस्कृति को बढ़ावा देने वाले ऐसे सहयोगी प्रयासों के लिए एक मॉडल के रूप में काम कर सकती है।

आप की बात

पाकिस्तान की असलियत

भारत ने आतंकी हाफिज सईद को फिर से प्रत्यर्पित करने की मांग की है। भारत में आतंकी गतिविधियां चलाने के लिए न केवल हाफिज सईद बल्कि दाऊद इब्राहिम, अजहर महमूद, छोटा शकील, टाइगर मेमन, अयूब मेमन, सैयद सलाउद्दीन समेत अनेक आतंकी जिम्मेदार हैं। पाकिस्तान दोनों देशों के बीच में प्रत्यर्पण संधि न होने का बहाना बना कर भारत की मांग ठुकरा देता है। हालांकि, सर्जिकल स्ट्राइक व एयर स्ट्राइक के बाद पाकिस्तान भारत में बड़ी आतंकी घटनायें करने में सफल नहीं हुआ है, पर वह दुनिया में खालिस्तान के नाम पर भारत-विरोध को बढ़ावा दे रहा है। वैसे दुनिया अब पाकिस्तान की असलियत समझ गई है और अधिकांश देश उसे आतंकवाद का गढ़ मानते हैं। लेकिन एफएटीएफ की कार्रवाई हल्की होने के कारण फिर पाकिस्तान में आतंकी-सरपरस्तों के हौसले बुलंद हो रहे हैं। ऐसे में भारत को एक बार फिर पाकिस्तान पर एफएटीएफ का शिकंजा कसने के लिए राजनयिक प्रयास तेज करने चाहिए। अनुच्छेद 370 हटाने के बाद से अब कश्मीर घाटी की जनता भी भारत सरकार के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है। अनेक देशों ने जम्मू कश्मीर में आमूल बदलाव को अपनी आंखों से देखा है। ऐसे में पाकिस्तान को दुनिया में अलग-थलग करने के प्रयास ज्यादा स्वीकार्य होंगे।

– **एमएम राजावत,** शाजापुर

समय पर न्याय

सुप्रीम कोर्ट की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर प्रधानमंत्री ने ईज़ आफ जस्टिस की अवधारणा प्रस्तुत की जिसके अनुसार समय पर न्याय मिलना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है। हर साल लंबित मुकदमों की संख्या बढ़ती जा रही है! सरकार शीघ्र न्याय के लिए प्रयास करती दिखती है, मगर मुकदमों की बढ़ती संख्या इन प्रयासों की व्यापकता पर सवाल खड़े करती है। अच्छी बात है कि न्यायालय में एआई, इंटरनेट प्रयोग और डॉक्यूमेंट की ई-फाइलिंग की जा रही है जिससे न्याय की गति तेज होगी। देश की बढ़ती जनसंख्या को देखते हुए सभी प्रकार के न्यायालयों की संख्या बढ़ाने के साथ ही उनमें खाली पदों की तुरन्त पूर्ति होनी चाहिए। भारत के प्रधान न्यायाधीश ने स्वयं ही न्यायालयों के अत्यधिक अवकाश पर विचार करने की बात कही है। सरकार ने ब्रिटिश काल के आपराधिक कानूनों को बदला है जिनके क्रियान्वयन पर समय पर न्याय मिलने में आसानी होगी। न्यायपालिका में सुधार के लिए बार या वकीलों के कामकाज, सेवाशर्तों तथा फीस के ढांचे में सुधार और पारदर्शिता की भी जरूरत है। अधीनस्थ न्यायालयों की ढांचागत संरचना तथा उनकी कार्यशैली में तुरन्त आमूल परिवर्तन की आवश्यकता है।

– **सुभाष बुड़ावन वाला,** रतलाम

अदालतों पर बोझ

न्यायिक सुधारों एवं आधारभूत संरचनाओं में वृद्धि के बावजूद 2023 में लंबित मामलों की कुल संख्या 5 करोड़ से अधिक है। इनमें जिला व उच्च न्यायालयों में 30 वर्षों से अधिक समय से लंबित 169,000 से अधिक मामले शामिल हैं। ऐसे में कुछ हास्यास्पद मामलों को लाकर लोग अदालतों का बेशकीमती समय बर्बाद करने में थोड़ा भी नहीं हिचकते। अब अदालत इस बात पर निर्णय कर रही है कि बटर चिकन और दाल मखानी को सर्व प्रथम किसने बनाया था। दिल्ली की एक रेस्तरां श्रृंखला के मालिकों ने प्रतिद्वंद्वी ब्रांड के खिलाफ उच्च न्यायालय में मुकदमा दायर किया है। फैसला किसी के भी पक्ष में आए तो क्या लाखों होटलों में परोसे जाने वाले बटर चिकन पर उसे रॉयल्टी मिलने लगेगी। अदालतों पर ऐसे ही निरर्थक मामलों के बोझ के कारण देश के अनेक लोग अपने मानवाधिकार उल्लंघनों का समुचित और समय पर निदान नहीं प्राप्त कर पाते हैं। गरीब और निरक्षर लोग अक्सर विचाराधीन कैदियों के तौर पर ही सालों जेलों में बिताने पर मजबूर होते हैं। न्यायपालिका के विस्तार के दावों के बावजूद अधीनस्थ अदालतों में भारी संख्या में जजों की कमी से अदालतों पर बोझ और बढ़ता जा रहा है जिसका खामियाजा जनता भुगतती है।

जंग बहादुर सिंह, जमशेदपुर

भारत की प्रगति

पिछले 9 वर्षों में भारत में नयी ऊर्जा का संचार हुआ है। यह कोई अतिश्योक्ति नहीं परन्तु सत्य है। डिजिटल लेनदेन के क्षेत्र में 2014 की तुलना में 100 गुना बढ़ोत्तरी हुई है। आईआईटी, आईआईएम और एम्स की संख्या में भारी बढ़ोतरी हुई है। प्रतिदिन राजमार्ग निर्माण की दर लगभग 7 गुना बढ़ गयी है। वर्तमान सरकार का लक्ष्य 2047 तक भारत को पूर्ण विकसित राष्ट्र बनाने का है। वर्तमान प्रगति को देखते हुए ये सपना साकार होता नज़र आने लगा है। भारत सांस्कृतिक, आध्यात्मिक व भौतिक क्षेत्र में नित नए आयाम स्थापित करने के लिए उत्साह और उत्सुकता से आगे बढ़ रहा है। 22 जनवरी, 2024 को अयोध्या में भव्य राममंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर देश में नयी ऊर्जा का संचार हुआ है। यह भारत में सांस्कृतिक पुर्नजागरण का संकेत है कि उसने अपने इष्ट और आराध्य को पूरे हर्षोल्लास के साथ बिना किसी सरकारी योगदान के पूर्ण समृद्धिशाली ढंग से स्थापित किया है। देश रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा है। भारत की प्रगति का सबसे बड़ा प्रमाण लाखों-करोड़ों युवाओं की आंखों में दिखता है जो पूरी तरह आत्मविश्वास से भरे हैं।

– **मनोज पुरुषार्थी,** मेरठ

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

भाजपा ने आयोजित की गांव चलो अभियान की कार्यशाला

● अभियान के द्वारा ग्रामीण जनता से स्थापित किया जाएगा संवाद

संवाददाता। रायबरेली

भारतीय जनता पार्टी की गांव चलो अभियान की जिला कार्यशाला आज जिला भाजपा कार्यालय अटल भवन में जिला अध्यक्ष बुड्ढीलाल पासी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। गांव चलो अभियान की जिला कार्यशाला को जिला प्रभारी पीयूष मिश्रा ने भी संबोधित किया। जिला कार्यशाला में समापन सत्र को संबोधित करते हुए लोकसभा प्रभारी वीरेन्द्र तिवारी ने कहा कि गांव चलो अभियान के माध्यम से पार्टी जिले में 4 फरवरी से 11 फरवरी तक प्रत्येक गांव तथा बूथ तक पहुंचकर व्यापक जनसंवाद का अभियान चलाएगी।

जिसमें पंचायत एवं सहकारिता के जनप्रतिनिधि,विधायक,पूर्व विधायक,जिला पंचायत अध्यक्ष,ब्लाक प्रमुख,नगर पंचायतों के अध्यक्ष सहित पार्टी के सभी प्रदेश,क्षेत्र एवं जिला पदाधिकारी, वरिष्ठ नेता तथा कार्यकर्ता गांव में प्रवास करेगें तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व की केन्द्र सरकार की सेवा, सुशासन व गरीब कल्याण की योजनाएं तथा विकसित भारत का विजन लेकर गांव, मजरो, टीलो, चौपालो तथा बूथों पर चर्चा करेंगे।

श्री तिवारी ने कहा कि संगठन व विचारधारा के विस्तार की सतत प्रक्रिया है और संगठन के विभिन्न अभियान व कार्यक्रम लक्ष्य को प्राप्त करने का माध्यम है। हर बूथ, हर क्षेत्र में संगठन की मजबूती में गांव चलो अभियान नींव का पत्थर साबित होगा। यह अभियान मिशन 2024 में बड़ी विजय का आधार बनेगा। लोकसभा प्रभारी ने कहा कि गांव चलो अभियान बूथ स्तर पर लोगों से सीधे जुड़ने का माध्यम बनेगा और केन्द्र सरकार व प्रदेश

सरकार की योजनाओं के साथ आत्मनिर्भर भारत, विश्व का नेतृत्व करने वाले भारत, चन्द्रमा तथा सूर्य को मापने वाला भारत, सांस्कृतिक, आर्थिक, सामरिक सार्मथ्यवान भारत के साथ जनसंवाद का माध्यम बनेगा। अभियान के तहत 1 और 2 फरवरी को मंडल की कार्यशालाएं सम्पन्न होगी। उन्होंने कहा कि गांव चलो अभियान व्यापक ग्राम सम्पर्क व जनसम्पर्क का अभियान है। आगामी 4 फरवरी से प्रारम्भ हो रहे अभियान में प्रत्येक व्यक्ति से सम्पर्क, प्रत्येक लाभार्थी से सम्पर्क करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व की भाजपा सरकारों की जनकल्याणकारी योजनाओं पर भी चर्चा करना है तथा राजनैतिक दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ लिए गए सरकार के निर्णयों पर भी संवाद करना है। अभियान के तहत ग्राम संयोजक व ग्राम प्रवासी तय किये जाएगें जो डोर टू डोर-मैन टू मैन कनैक्टिविटी की माइक्रोप्लानिंग पर काम करेगें। प्रवास के दौरान स्वच्छता अभियान, शहीदों के परिजनों का सम्मान, खिलाड़ियों, अधिवक्ताओं, शिक्षकों सहित विभिन्न कार्य क्षेत्रों से जुड़े लोगों से सम्पर्क करना है।

उन्होंने कहा कि अभियान के तहत नमो एप पर विकसित भारत एम्बेसडर बनाने का भी काम करना है। भाजपा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का पत्रक लेकर हर घर की चौखट तक पहुंचना है। जिला कार्यशाला में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रंजना चौधरी, क्षेत्रीय मंत्री दिलीप यादव, लोकसभा रामदेव पाल, पूर्व जिला अध्यक्ष आरबी सिंह, अजय त्रिपाठी, लोकसभा विस्तारक, विधानसभाओं के सभी विस्तारक, जिला पदाधिकारी, मण्डल अध्यक्ष एवं मण्डल प्रभारी तथा प्रवासी, मोर्चों के जिला अध्यक्ष, प्रकोष्ठों के जिला संयोजक, कार्यशाला के संचालक एवं अभियान के संयोजक पुष्पेन्द्र सिंह सहित पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जिलाधिकारी ने बैठक में की बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा

संवाददाता। श्रावस्ती, भिनगा

जिलाधिकारी कृतिका शर्मा की अध्यक्षता में बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक डीपीआरसी सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने बताया कि निपुण भारत मिशन के अन्तर्गत शासन द्वारा लक्ष्य निर्धारित किये गये हैं जिन्हे समयबद्ध रूप से प्राप्त किया जाना है इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सुनियोजित कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं। उन्होने कहा कि सभी विद्यार्थियों को निपुण विद्यार्थी विद्यालय को निपुण विद्यालय तथा विकास खण्डों को निपुण विकासखण्ड बनाने के साथ-साथ जिले को निपुण बनाया जाए। उन्होने बताया कि वर्तमान में विद्यालय खुले है। उन्होने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं समस्त ए0आर0पी0 को निर्देशित किया कि जनपद के विद्यालयों का निरंतर भ्रमण कर

निपुण भारत अभियान के सभी मानकों को सुनिश्चित किया जाए जिससे जनपद के साथ-साथ प्रदेश को निपुण प्रदेश बनाया जा सके।

उन्होने सभी अध्यापकों को निर्देशित किया कि शत-प्रतिशत शिक्षकों द्वारा निपुण लक्ष्य ऐप पर लॉगिन किया जाए। शिक्षकों द्वारा कक्षा 1-3 के शत-प्रतिशत बच्चों को निपुण लक्ष्य ऐप के माध्यम से आकलन पूर्ण कर तथा निपुण बच्चों का अंकन निपुण तालिका में अंकित किया जाए। विद्यालयों में एसएमसी/अभिभावक बैठकों का आयोजन कराते हुए अभिभावकों की भागीदारी सुनिश्चित कराया जाना तथा बच्चों की उपस्थिति के सम्बन्ध में अभिभावकों को प्रेरित किया जाए। ई0डब्ल्यू0एस0 के माध्यम से ट्रैकिंग एवं रिस्पांस (प्रतिउत्तर) रणनीति लागू कर विद्यार्थियो की उपस्थिति बढ़ाने हेतु कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि शिक्षकों द्वारा पंजिकाओं के डिजिटाइजेशन के सम्बन्ध में प्रेरणा ऐप पर लॉगिन कराना सुनिश्चित करें। इसके अलावा बैठक में छात्र उपस्थिति हेतु रणनीति पर चर्चा टीएलएम का प्रयोग निपुण एसेसमेंन्ट निपुण विद्यालय बनाने में आ रही समस्याओं पर चर्चा आदि पर विस्तृत चर्चा की गई।

संविदाकारों ने एनटीपीसी प्रबंधन को दिया आखिरी मौका, करेंगे प्रदर्शन

ऊंचाहार। अपनी विभिन्न मांगों को लेकर एनटीपीसी ठेकेदारों ने अब प्रबंधन से दो दो हाथ करने की ठान ली है , उधर प्रबंधन पहले ही नियमों के अनुरूप ही काम करने की बात कह चुका है। जिसे देखते हुए अब प्रबंधन और ठेकेदारों के बीच गतिरोध बढ़ता नजर आ रहा है।

ज्ञात हो कि मेगा टेंडर , कार्य समाप्त के बाद भी अंतिम भुगतान तक गेट पास निर्गत करने जैसी कई मांगों को ठेकेदार काफी समय से एनटीपीसी प्रबंधन को चेतावनी दे रहे हैं। उधर एनटीपीसी प्रबंधन ठेकेदारों की मांग को लेकर भारत सरकार और सार्वजनिक क्षेत्रों के उद्यम के नियमों का हवाला दे रहा है। इस बीच मंगलवार को पुन: ठेकेदारों ने बैठक करके प्रबंधन को अंतिम चेतावनी दी है। ठेकेदारों ने कहा है कि पांच फरवरी तक उनकी मांगों पर विचार करके प्रबंधन सकारात्मक निर्णय ले , अन्यथा छह फरवरी से ठेकेदार एनटीपीसी गेट पर धरना प्रदर्शन शुरू करेंगे। ठेकेदारों की अंतिम चेतावनी के बाद ठेकेदारों और प्रबंधन के बीच गतिरोध बढ़ता नजर आ रहा है। जिसको लेकर प्रबंधन भी सचेत हुआ है। मंगलवार को हुई बैठक में एम पी सिंह, देवेंद्र सिंह बड़े मामा , मनीष कुमार , तेज नारायण त्रिपाठी , जितेंद्र सिंह सेमरा आदि मौजूद रहे।

पुण्यतिथि पर याद किये गए महात्मा गांधी

संवाददाता। संतकबीरनगर

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर मंगलवार कों कांग्रेस पार्टी कार्यालय पर श्रद्धांजलि सभा का कार्यक्रम हुआ। कांग्रेसियों गाँधी के जीवन पर अपने- विचार कों रखा। नम आँखो से कांग्रेसियों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किये। कांग्रेस पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद आदरणीय राहुल गांधी निकाले गए भारत जोड़ों न्याय यात्रा को ताकत देने के लिए जिले के हर ब्लाक में चल रहे पद यात्रा का हुजूम मंगलवार जूनियर हाईस्कूल खलीलाबाद पहुंचा वहां से भारी संख्या में कार्यकर्ताओं ने जिला अध्यक्ष प्रवीण चंद पांडेय के नेतृत्व में पदयात्रा शुरू कर खलीलाबाद शहर होते हुए बरदहिया बाजार दीघा बाईपास पर समापन हुआ।

पदयात्रा में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश महासचिव अमरेंद्र मल एवं प्रदेश सचिव डॉ. नादिर सलाम शामिल रहे। पदयात्रा समापन के बाद पत्रकारों से बात करते हुए प्रदेश महासचिव एवं प्रदेश सचिव डा नादिर सलाम ने कहा

कि राहुल गांधी के भारत जोड़ो न्याय यात्रा से सत्ता केंद्र सरकार घबराई हुई है घबराहट इस प्रकार है की लगातार सरकारी संस्थाओं का दुरुप्रयोग कर लोगों को डरा रही है।

जबकि कांग्रेस का सिपाही कभी डरने वाला नही और हमारे नेता राहुल गांधी निर्भीक होकर न्याय को लेकर चल रहे हैं जिसमे आम जनमानस का भारी समर्थन मिल रहा है जिला अध्यक्ष प्रवीण चंद पांडेय ने कहा कि आज की पद यात्रा में आम जनता का शामिल होना यह सिद्ध करता है की भाजपा के ड्रामेबाजी से जनता त्रस्त आ चुकी है और यूपी में राहुल गांधी के भारत जोड़ों न्याय यात्रा प्रवेश करने के पहले ही भरपूर समर्थन देने का मूड बना चुकी है।

कबीर मगहर महोत्सव के कार्यक्रम में हुआ बदलाव

संतकबीरनगर। उप जिलाधिकारी सदर/सचिव कबीर मगहर महोत्सव शैलेश कुमार दूबे द्वारा अवगत कराया गया है कि जनपद में वर्तमान में कबीर मगहर महोत्सव जो आयोजित हो रहा है, 28 जनवरी से 3 फरवरी 2024 तक के उसके कार्यक्रम में सूक्ष्म संशोधन करते हुए सभी प्रिंट/इलेक्ट्रॉनिक मीडिया बंधुओ को अवगत कराया गया है कि दिनांक 3 फरवरी 2024 को भोजपुरी नाइट अक्षरा सिंह का शो होना था जो कि अब दिनांक 2 फरवरी 2024 को शाम 6 बजे से 11 बजे तक आयोजित होगा एवं 2 फरवरी 2024 को होने वाला एक शाम भगवान श्रीराम के नाम शो स्वाति मिश्रा एव सिया के राम द्वारा अब 3 फरवरी 2024 को होगा।

नवागत जिलाधिकारी निशा अनंत ने संभाला कार्यभार

अमेठी। नवागत जिलाधिकारी निशा अनंत ने 30 जनवरी को जिला कोषागार पहुंचकर जिलाधिकारी अमेठी के पद का कार्यभार ग्रहण किया। तत्पश्चात उन्होंने अधिकारियों से परिचय प्राप्त किया। नवागत जिलाधिकारी 2015 बैच की आई.ए.एस. अधिकारी हैं, इससे पूर्व वे सचिव व मुख्य कार्यकारी अधिकारी उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड, महानिदेशक अटल आवासीय विद्यालय, उपाध्यक्ष खुर्जा विकास प्राधिकरण, बुलंदशहर के पद पर कार्य कर चुकी हैं। नवागत जिलाधिकारी के कार्यभार ग्रहण करने के दौरान मुख्य विकास अधिकारी सूरज पटेल, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अर्पित गुप्ता, वरिष्ठ कोषाधिकारी रामेंद्र कुमार, समस्त उपजिलाधिकारी आदि मौजूद रहे।

क्विक न्यूज

डकैती व हत्या मामले में 2 आरोपियों को आजीवन कारावास

श्रावस्ती। महत्वपूर्ण व चिन्हित अभियोगों में अपराधियों को सजा दिलाने के लिए पुलिस महानिदेशक उप्र लखनऊ द्वारा प्रदेश स्तर पर चलाए जा रहे ऑपरेशन कनविक्शन अभियान के क्रम में अपर पुलिस महानिदेशक गोरखपुर जोन के निर्देशन व पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया द्वारा स्वयं चिन्हित मुकदमों में प्रभावी पैरवी कर अभियुक्तों को सजा दिलाने हेतु सम्बन्धित थाना प्रभारी व पैरोकारों को निर्देशित किया गया है।पुलिस अधीक्षक द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में मॉनीटरिंग सेल व विशेष लोक अभियोजक संयुक्त निदेशक अभियोजन तथा कोर्ट पैरोकार के प्रयास एवं की गई प्रभावी पैरवी के फलस्वरूप आज 30 जनवरी को न्यायालय जनपद श्रावस्ती ने थाना सोनवा में पंजीकृत मु0अ0सं0 257/2010 धारा 396,412 भादवि बनाम अभियुक्तगण तोताराम पुत्र छेदीराम लोनिया निवासी तिभुजापुर थाना रिसिया जनपद बहराइच व गजराज सिंह पुत्र बृजमोहन सिंह निवासी लीलापार थाना नानपारा जनपद बहराइच को धारा 396 भादवि का दोषी मानते हुये सश्रम आजीवन कारावास की सजा से दण्डित किया है।

मधुकर सिंह पावर कॉरपोरेशन संघ के अध्यक्ष बने

नसीराबाद, रायबरेली। मधुकर सिंह भदौरिया पावर कॉरपोरेशन संविदा कर्मचारी संघ के निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किए गये है । प्राथमिक विद्यालय फागूपुर के परिसर में उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन निविदा/संविदा कर्मचारी संघ की खंडीय कमेटी का चुनाव प्रदेश महामंत्री देवेंद्र जी के निर्देश पर संपन्न हुआ। जिसमें सलोन खंड के निविदा/संविदा कर्मचारी उपस्थित हुए। चुनाव समिति द्वारा कार्यक्रम की रूपरेखा बताई गई। सभी उपस्थित कर्मचारियों ने आपसी सलाह मशविरा करके सलोन खंडीय कमेटी हेतु निर्विरोध निर्वाचन संपन्न कराने का विचार रखा। आखिर में सर्वसम्मति से मधुकर सिंह भदौरिया को खंडीय अध्यक्ष, दिनेश कुमार को उपाध्यक्ष, गोकुल तिवारी को महामंत्री, हरिशंकर तिवारी को कोषाध्यक्ष, पप्पू रावत को मीडिया प्रभारी और ददन कुमार को संयुक्त मंत्री के पद पर एकल नामांकन होने की स्थिति में निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया।

विवादित पोस्ट शेयर करने वाला गिरफ्तार

गोंडा। बाबरी ढांचे की फोटो लगाकर इंस्टाग्राम ऐप पर हिंदू धर्म से संबंधित विवादित पोस्ट शेयर करने के मामले में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर जेल भेजा। अयोध्या में भगवान श्री रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के बाद 23 जनवरी को चांई टोला कस्बे के मुस्लिम समाज के कुछ युवको के द्वारा अपने इंस्टाग्राम एकाउंट पर बाबरी मस्जिद के ढांचे की फोटो के साथ एक धमकी भरा विवादित पोस्ट शेयर किया गया था। जिसके बाद कस्बे के विशाल सिंह की तहरीर पर चांई टोला मोहल्ला निवासी मोहम्मद कैफके खिलाफमुकदमा दर्ज किया गया था। इस मामले में विहिप की अगुवाई में अन्य हिंदूवादी संगठनों ने प्रभारी निरीक्षक का घेराव करते हुए अन्य कई युवकों के द्वारा सोशल मीडिया पर विवादित पोस्ट शेयर करने की बात बताई गई थी। जिस पर उच्च अधिकारियों द्वारा संज्ञान लेने के बाद स्थानीय पुलिस ने इस मामले में मंगलवार को मोफिया गांव निवासी गोलू खान उर्फशाह आलम को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

1100 ग्राम अवैध गांजे के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार

बछरावां, रायबरेली। थाना क्षेत्र के अंतर्गत अवैध मादक पदार्थ एवं द्रव्यों की बिक्री व तस्करी के विरुद्ध कृत कार्यवाही के अंतर्गत थाना बछरावां पुलिस टीम द्वारा मुखबिरखास की सूचना पर अभियुक्त जमशेद उर्फकल्लू पुत्र स्वर्गीय मोहम्मद लतीफनिवासी तिलिया कोट थाना कोतवाली नगर जनपद रायबरेली को 1100 ग्राम अवैध गांजा के साथ थाना क्षेत्र से नियम अनुसार गिरफ्तार किया गया है। जिनके विरुद्ध स्थानीय थाने पर अभियोग पंजीकृत कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है

दिव्यांगजनों हेतु सहायक उपकरणों का पुनः चिन्हांकन शिविर

अयोध्या। जिलाधिकारी नितीश कुमार ने बताया कि भारतीय कृषि अंग निर्माण निगम कानपुर द्वारा जनपद में दिव्यांगजनों हेतु सहायक उपकरणों का पुनः चिन्हांकन शिविर लगाया जायेगा। यह शिविर विकासखण्ड परिसर मवई में दिनांक 1 फरवरी 2024 को 11 बजे से 4 बजे तक, विकासखण्ड परिसर मयाबार में दिनांक 2 फरवरी 2024 को 11 बजे से 4 बजे तक, विकासखंड परिसर बीकापुर में दिनांक 3 फरवरी 2024 को 11 बजे से 4 बजे तक, विकासखण्ड परिसर मिल्कीपुर में दिनांक 5 फरवरी 2024 को 11 बजे से 4 बजे तक व विकासखण्ड परिसर हरिग्टनगंज में दिनांक 6 फरवरी 2024 को 11 बजे से 4 बजे तक आयोजित किया जायेगा। यह शिविर एडिप योजना के अंतर्गत दिव्यांगजनों के लिए लगने वाले आवश्यक अभिलेख लाने अनिवार्य होंगे। जिसमें आधार कार्ड, यूडीआईडी कार्ड, आय प्रमाण पत्र (जिनकी सभी स्रोतों में मासिक आय रू0 22,500/प्रतिमाह से कम हो), सांसद, विधायक एवं ग्राम प्रधान द्वारा प्रदत्त आय प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर सकते है।

पिछड़ा, दलित एवं अल्पसंख्यक की एकता ही दवा का काम करेगी: श्याम सुंदर

संवाददाता। रायबरेली

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के आह्वान पर जनपद की सभी विधानसभाओं के सेक्टरों में पांचवे दिन भी पीडीए पखवाड़ा मनाया गया। सेक्टर हरदोई एवं कोटवा मोहम्मदाबाद में आयोजित पीडी0ए0 जनपंचायतों को संबोधित करते हुए बछरावां विधायक श्याम सुंदर भारती ने कहा कि बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर ने कहा था कि कानून और व्यवस्था राजनीतिक शरीर की दवा है और जब रानीतिक शरीर बीमार पड़े तो दवा जरूर दी जानी चाहिए।

भाजपा राज में कानून व्यवस्था नहीं है राजनीति बीमार हो गयी है। पीडीए पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक की एकता ही दवा का काम करेगी। भाजपा सरकार में कानून व्यवस्था ध्वस्त है गरीबों, पिछड़ों, दलितों

अल्पसंख्यकों का उत्पीडन राजनैतिक भेदभाव से किया जा रहा है महिलाओं को समाज कल्याण विभाग से मिलने वाला अनुदान, वृद्धावस्था पेंशन भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया है। रायबरेली विधान सभा के सेक्टर रूपामऊ एवं सींकी सलीमपुर में आयोजित जनपंचायतों में बोलते हुए जिला महासचिव मो0 अरशद खान ने कहा कि वर्तमान सरकार में जनपद की सड़के चलने लायक नहीं है घरेलू बिजली बिलों में अनियमितता के कारण बढ़े बिजली बिलों के भुगतान गरीब, पिछड़े, दलित नहीं कर पा रहे है। सलोन विधान सभा क्षेत्र के सेक्टर डीह, निगोही, ऊंचाहार के सेक्टर गौरा हरदो हरचन्दपुर के सेक्टर सतांव एवं सरेनी के सेक्टर मदुरी एवं बरस में पीडीए जनपंचायतें आयोजित की गयीं। इस अवसर पर सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष रामू अनाडी जिला सचिव शकील मंसूरी, प्रमोद पटेल, छात्र सभा अध्यक्ष शुभम लोहिया, विनायक सोनकर, संदीप शुक्ला, आशुतोष यादव, पुत्तन सिंह, आदर्श यादव, आदि मौजूद रहे।

गांजे सहित दो लोगों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

मुसाफिरखाना, अमेठी। भाले सुल्तान शहीद स्मारक पुलिस ने अलग अलग मामलों में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार करते हुए 1 किग्रा 100 ग्राम गांजा व 5 साइकिल बरामद करने में सफलता हासिल की। एसपी डा इला मारन जी के निर्देश पर सीओ अतुल सिंह के कुशल मार्गदर्शन में थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने एसआई कृष्ण कुमार ने मय हमराही चेकिंग के दौरान थाना क्षेत्र के थौरी के पास से कादुनाला रोड से सुबह अवधेश पांडेय पुत्र भैरव प्रसाद पांडेय निवासी ग्राम थौरी को गिरफ्तार किया। पुलिस टीम ने गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से 01 किलो 100 ग्राम गांजा व बिक्री के 5850 रूपये बरामद किया वही एसआई कृष्ण कुमार ने मय हमराही क्षेत्र के रानीगंज मेन रोड के पास से दिन में चेकिंग के दौरान कमल चंद्र कौशल पुत्र स्वर्गीय सूरज लाल कौशल निवासी ग्राम हलियापुर सुल्तानपुर को गिरफ्तार करके उनके चोरी की 5 साइकिल पुराने अस्पताल के खंडहर से बरामद किया।

समय से पूर्ण करें सभी विभागों के निर्माण कार्य: जिलाधिकारी

गोंडा। जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने कलेक्ट्रेट सभागार में जिले में चल रहे विभिन्न विभागों के भवन निर्माण कार्य, सड़क व पुल आदि के निर्माण कार्यों की समीक्षा किया। समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि सभी निर्माण कार्यों को समय से पूरा किया जाय। निर्माण कार्य में गुणवत्ता से कोई भी समझौता न किया जाए। जिन भवन निर्माण में बजट के अभाव से कार्य रुका है उसे बजट मंगाकर पूरा किया जाए। बजट न होने पर शासन स्तर से पत्राचार किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि जिन भवनों का निर्माण कार्य पूरा हो गया है उनका टीम का गठन कर सत्यापन कराकर संबंधित विभाग को हैंडओवर कर दिया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि उच्चाधिकारियों द्वारा निरीक्षण के बाद जो निर्देश दिए जाते हैं उन्हें तत्काल पूरा कराया जाए। साथ ही उन्होंने सड़क निर्माण के दौरान कहा कि जनपद में बन रही सड़कों की गुणवत्ता उच्च स्तर की होनी चाहिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी एम. अरुन्मोली, एडीएसटीओ, एक्सईएइएन सीडी-2 बीके त्रिपाठी, प्रान्तीय खण्ड प्रमोद त्रिपाठी, ग्रामीण अभिन्यंत्रण विभाग, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, सभी संबंधित निर्माण कार्यदायी संस्था के अधिकारीगण, जिला कार्यक्रम अधिकारी, आदि मौजूद रहे।

गजेटियर विषय पर जिला स्तरीय कमेटी की हुई बैठक में सीडीओ ने दिये निर्देश

संवाददाता। संतकबीरनगर

जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर के निर्देश के क्रम में मुख्य विकास अधिकारी संत कुमार की अध्यक्षता में जनपद संत कबीर नगर का नया गजेटियर तैयार किये जाने के संबंध में शासन के निर्देशानुसार गठित जिला स्तरीय कमेटी की बैठक विकास भवन सभागार में आयोजित हुई।

बैठक में बताया गया कि शासन के निर्देश के क्रम में जनपद का नया गजेटियर निर्धारित मानक पर तैयार किया जाना है। जिसमें जनपद के एतिहासिक, भगौलिक, संस्कृति भाषा, लोक एवं समाज, प्रशासन, जनसंख्या सहित ए टू जेड जानकारी विभिन्न विभागों, संस्थाओं प्रबुद्ध नागरिकों से प्राप्त करते हुए संकलित किया जाना है।

मुख्य विकास अधिकारी ने बैठक में जनपद का गजेटियर तैयार किये जाने हेतु निर्धारित मानकों/बिन्दुओं के सापेक्ष डाटा तैयार

करने एवं आवश्यकतानुसार सम्बंधित अधिकारी को हिन्दी भाषा में डिजिटल फार्म में इसे तैयार कर जिला समिति के माध्यम से प्रिन्ट कराते हुए राज्य जिला गजेटियर कार्यालय को डिजिटल फार्म में प्रेषित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि जिला गजेटियर तैयार करने के लिए विभिन्न अध्यायों में प्रश्नावली तैयारी की गयी है। प्रश्नावली में शामिल बिन्दुओं के आधार पर डाटावेस तैयार किया जाएगा। जिसमें जनपद का इतिहास, जनपद के उद्योग व्यवस्था, कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन, उद्यान की पूर्ण विवरण, बैंक क्षेत्र में किए गए किए जा रहे कार्यों, पुलिस ,प्रशासन, न्याय व्यवस्था, परिवहन व्यवस्था, संचार व्यवस्था, नगरी निकाय, ग्राम पंचायत, विधानसभा संसदीय क्षेत्र विवरण सहित पर्यटन स्थल ऑन क्षेत्र के विकास किया जा रहे कार्यों किए गए कार्यों इत्यादि का समावेश करते हुए एक विस्तृत जिला गजेटियर बनाए जाना है इसके पहले एक प्रस्तावित गजेटियर बनाकर शासन को भेजा जाना है, जहां से स्वीकृति के उपरांत अंतिम रूप से प्रकाशन किया जाएगा। जिला गजेटियर एक ऐसा अभिलेख है जिससे जिले के सांस्कृतिक विरासत के साथ-साथ हुए विकास को एक साथ देखा एवं समझा जा सकता है।

बाबरी विध्वंस मुख्य आरोपी संतोष दुबे ने किये राम मंदिर में दर्शन

अयोध्या। बाबरी विधानसभा के मुख्य आरोपी संतोष दुबे ने सैकड़ो कर सेवकों के साथ राम मंदिर का दर्शन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि 40 वर्ष की साधना सफल हुई। अयोध्या में बंद रहे भव्य राम मंदिर निर्माण के लिए बलिदान हो गए लाखों कर सेवकों की आत्माएं निश्चित रूप से आज प्रसन्न होंगी, राम मंदिर निर्माण की साधना चुकी अब पूर्ण हुई है इसलिए अब अगला संकल्प जो पूर्ण करना है वह कृष्ण जन्मभूमि और काशी विश्वनाथ का है इसके लिए जल्दी ही अभियान प्रारंभ किया जाएगा।

श्री दुबे ने कहा कि तो कृष्ण जन्मभूमि को मुक्त कराने हेतु 5 लाख की टीम बनाई जाएगी हमें न्यायालय पर पूरा भरोसा है जिस प्रकार उन्होंने राम जन्म भूमि में अपना ऐतिहासिक निर्णय दिया हम आशा करते हैं कि इस तरह कृष्ण जन्म भूमि पर भी न्यायालय अपना ऐतिहासिक निर्णय प्रदान करेगा। इस अवसर पर कारसेवक राधा रमण त्रिपाठी 1992 के कार सेवक रविशंकर पांडेय, 1992 के कारसेवक मनीष पांडेय, विनोद पांडेय, प्रज्ञा श्रीवास्तव , अनु शर्मा अंकुर शर्मा विपल्व द्विवेदी रवि शंकर पांडे दिग्विजय नाथ चौबे ए विजय तिवारी अमरेश प्रताप सिंह ,वशिष्ठ गोयल ,संजय प्रधान कन्हैयालाल सुनीता श्रीवास्तव, अजय गुप्ता वेद राम प्रकाश पांडेय, बृजेश दुबे, दिलीप यादव, राजेंद्र पांडे लखनदार त्रिपाठी आदि शामिल हुए।

भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समर्थन में निकली यात्राओं का जोरदार स्वागत

संवाददाता। अमेठी

कांग्रेस जिला अध्यक्ष प्रदीप सिंघल के मार्गदर्शन में सभी ब्लाकों से निकली यात्रा मंगलवार को जिला मुख्यालय गौरीगंज पहुंची। न्याय यात्रियों की भारी संख्या पेट्रोल पम्प निकट स्टेट बैंक यात्रा पहुंचने पर सभी यात्रियों का जिला महासचिव अनुपम पाण्डेय ने स्वागत किया। मुख्यातिथि प्रदेश उपाध्याय मकसूद खान जिला अध्यक्ष सिंघल के नेतृत्व मे पैदल चलकर -बी मार्ट,फलमंडी तिराहा, बसस्टाप, हनुमान तिराहा होते हुए कांग्रेस कार्यालय पहुंची।

नेता राहुल गांधी की न्याय यात्रा के समर्थन मे शामिल यात्रियों के व्यापक उत्साह को देख कांग्रेस कार्यकर्ताओ ने गुंजायमान नारों से जबरदस्त स्वागत किया। गौरीगंज, मुसाफिरखाना, शाहगढ, जामो की यात्रा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष व विधानसभा प्रभारी सुनील सिंह की अगुवाई मे,अमेठी, भादर भेटुआ

संग्रामपुर की यात्रा विधानसभा प्रभारी वीरेंद्र मिश्र की अगुवाई व तिलोई, सिंहपुर, बहादुरपुर की न्याय यात्रा धर्मराज बहेलिया के नेतृत्व में लगभग 60 किमी चलकर, वहीं जगदीशपुर, जामो आंशिक, शुकुलबजार, बल्दीराय की यात्रा ब्लॉक अध्यक्षों एवं विधानसभा प्रभारी मतीन अहमद की अगुवाई एवं सलोन डीह छतोह की लम्बी यात्रा ब्लॉक अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह, शिवदर्शन पासी, विष्णु कांत मिश्र व विधानसभा प्रभारी सर्वेश सिंह के नेतृत्व मे न्याय यात्रा गौरीगंज पहुंची।

केंद्रीय कांग्रेस कार्यालय गौरीगंज में प्रदेश सचिव फरहान वारसी ने अपने सम्बोधन मे कहा हमारे नेता राहुल गांधी जी देश के नौजवानों, किसानों, महिलाओं के हक के लिए लड़ रहे और और ऐतिहासिक यात्रा भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समर्थन मे पूरे प्रदेश मे यात्रा हो रही और आम जनमानस का खूब सहयोग मिल रहा है।

मुख्य अतिथि मकसूद खान ने कहा अमेठी की धरती गांधी नेहरू परिवार की धरती है यहां मैं पहली बार आया हूं। यहां से प्रधानमंत्री बनते हैं। जिला अध्यक्ष सिंघल ने यात्रियों को धन्यवाद दिया।

नशा मुक्त न्याय पंचायत बनाने का शनेद्र सिंह ने दिलाया संकल्प

● मास्टर ट्रेनर नवीन ने मीना मंच की पावर एंजेल के दायित्वों से कराया अवगत

रूरा कानपुर देहात। अलावलपुर में माह जनवरी की बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में जेण्डर इक्विटी एवं मीना मंच के कार्य एवं दायित्व के बारे में अवगत कराते हुए मास्टर ट्रेनर नवीन कुमार दीक्षित ने कहा कि अगले माह जेण्डर इक्विटी एवं कक्षा 6, 7, 8 में पावर एंजेल बनेगी इनके सशक्तिकरण पर प्रशिक्षण हर ब्लॉक में आयोजित किया जाना है। अध्यक्षता कर रहे शिक्षक संकुल शनेद्र सिंह तोमर ने मीना मंच की सुगम कर्ता एवं शिक्षकों को नशा मुक्त न्याय पंचायत बनाने का संकल्प दिलाते हुए कहा कि दीक्षा ऐप का प्रयोग पाठ्यक्रम के साथ करना बहुत सहज है। बाजपेई पुरवा के प्रभारी प्रधानाध्यापक योगेन्द्र सिंह यादव ने बताया कि दीक्षा एप के प्रयोग से बच्चों को पाठ दी गई जानकारी के अतिरिक्त भी कंटेंट दिखाकर समझा सकते हैं भूपेंद्र कुमार ने मीटिंग में संकुलों से एजेण्डा बिन्दु के अनुसार विद्यालय को निपुण बनाने के लिए पांच प्वाइंट टूल किट बताए परिहारनपुरवा की प्रभारी प्रधानाध्यापक सरला ने विद्यालय मे बच्चों की मौखिक पठन क्षमता बढाने के तरीकें बताए जिससे बच्चों की अभिव्यक्ति मे वृद्धि हुई। प्रा. सिठमरा के प्रधानाध्यापक अरविंद राजपूत ने नियमित उपस्थित बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की। प्रभारी प्रधानाध्यापक अम्बियापुर प्रियंका ने इलेक्ट्रोलिसिस ऑफ वाटर एवं इलेक्ट्रिक सर्किट के बारे में जानकारी दी, प्रा वि अलावलपुर के प्रभारी प्रधानाध्यापक रामजी ने शब्द निर्माण कैसे करें, प्रा. वि. गेंदामऊ के प्रधानाध्यापक हरदीपक ने हेल्पिंग वर्ब का प्रयोग कैसे करें, प्रा वि अंगदपुर की शिखा तिवारी ने मात्राओं की डायरी, प्रा वि महाराजपुर के प्रधानाध्यापक रमेश चंद्र ने बादल और तितली कविता को पढ़ाने की रोचक विधि, उच्च प्रा वि गेंदामऊ के प्रभारी प्रधानाध्यापक प्रकाश मोहन मिश्र ने मिश्रित अक्षर, संख्याओं का ज्ञान, गणित मे 2 डी चित्र बच्चों को कैसे सझाएं इसका डिमंस्ट्रेशन दिया।

देशी शराब, बीयर व भांग की दुकानें ई-लाटरी के जरिए आवंटित

● नियमानुसार सभी प्रक्रियाएं करें पूर्ण सी. इन्दुमती

फतेहपुर। जिले की आबकारी दुकानों के व्यवस्थापन हेतु कलेक्ट्रेट सभागार में आवेदकों के समक्ष जिलाधिकारी सी. इंदुमती की अध्यक्षता में वर्ष-2024-25 हेतु देशी शराब की फुटकर दुकान छह, बीयर की दो व भांग की पांच फुटकर दुकानें ई-लाटरी के माध्यम से आवंटित की गयीं। शहर के ज्वालागंज पेट्रोल पंप के निकट बियर की दुकान आवेदक शिव सागर को धरोहर धनराशि 66 हजार रूपये में आवंटित की गई। टीवीएस एजेंसी के समीप बियर की दुकान आवेदक सोनू कुमार मौर्य को धरोहर धनराशि 54500 रूपये में आवंटित हुई। देशी शराब की दुकानों में खागा सब्जी मंडी की दुकान आवेदक सोनू कुमार मौर्य को धरोहर धनराशि 139200, पुरेताज महमदपुर की दुकान शिवसागर को 65 हजार, सेमरी की दुकान सावित्री को 64400 रूपए, गुनीर की दुकान उमा देवी को धरोहर धनराशि 58500 रूपए, लहंगी की दुकान ओमनारायण शुक्ला को धरोहर धनराशि 45100 रूपए व दुगरेई की दुकान तेज बहादुर सिंह को धरोहर धनराशि 41100 रूपए में आवंटित की गई। भांग की दुकानों में हथगांव की दुकान आवेदक दीपक कुमार साहू को धरोहर धनराशि 18400 रूपए में आवंटित की गई। खागा की दुकान राजेश कुमार को 18400 रूपए, थरियांव की दुकान दीपक सिंह को 17800.00 रूपए, बिंदकी की दुकान प्रभा देवी को 12600 रूपए व धाता की दुकान उमेश कुमार को धरोहर धनराशि 11200 में आवंटित की गई। डीएम ने आबकारी अधिकारी को निर्देशित किया कि नियमानुसार सभी प्रक्रियाओं को पूर्ण करें। पुलिस अधीक्षक, एडीएम (वित्त/राजस्व), एसडीएम सदर, बिंदकी, खागा, क्षेत्राधिकारी सदर, बिंदकी, जिला आबकारी अधिकारी, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी सहित आबकारी निरीक्षक उपस्थित रहे।

एसपी की उपस्थित में बेसिक लाइफसर्पोट ट्रेनिंग का किया आयोजन

कानपुर देहात। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन व प्राणोदय द्वारा कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन तथा बेसिक लाइफसर्पोट ट्रेनिंग वर्कशाप का आयोजन रनियॉ के आईटीआई राकन में एसपी बीबीजीटीएस मूर्ति की उपस्थित किया गया। इस मौके पर डाक्टरों द्वारा सीपीआर व बीएलआर के बारे मे जानकारी देते हुये बताया कि यह इमरजेंसी मेडिकल टेक्निक है जो लोगों को अस्पताल पहुँचने से पहले या उन स्थितियों में दी जाती है, जहॉ चिकित्सा सुविधा तुरन्त उपलब्ध नहीं होती है एवॅ जिसके जरिए किसी व्यक्ति का दिल धडकना बॅद कर देता है तो किस प्रकार उसकी जान बचाई जा सकती है। एसपी द्वारा उक्त तकनीक का अभ्यास किया गया। इस कार्यक्रम में डा0 प्रदीप टॅडन, डा0 सुनीता, डा कुनाल सहाय, डा0 नन्दनी रस्तोगी आदि सम्मिलित हुए।

किसानों की मेहनत पर छुट्टा मवेशियों का झपट्टा

अमौली/फतेहपुर। किसानों की फसल अन्ना मवेशी उजाड़ रहे हैं। प्रशासन कागजों पर गोवंश पकड़ कर गोशाला में बंद करने का दावा कर रहा है लेकिन वास्तविकता कुछ और ही है। किसानों को रात-रात भर फसल को बचाने के लिए जागना पड़ रहा है। फिर भी अन्ना गौवंश से फसल बचाना मुश्किल हो रहा है।

सरकार किसानों की दोगुनी आय के साथ उन्हें किसान सम्मान निधि भेजकर प्रोत्साहित करने में लगी हुई है। वही किसान साल भर के लिए खाने पीने व अन्य साधनों के लिए इस समय सरसों, आलू, गेहूं, चना, मटर आदि की फसले तैयार कर रखवाली करने के किए जी जान से लगें हुए हैं लेकिन अन्ना गोवंश उन्हें बर्बाद कर रहे है। इसके लिए वह रात-रात भर जाग रहे हैं। इसके बाद अगर किसान कहीं चूक गया तो अन्ना गोवंश का झुंड खेत में घुसकर कुछ ही देर में फसल चट कर जाते हैं। इससे क्षेत्र के किसान दुखी हैं। राजनीतिक मंच के अखाड़े से गोवंशों को गौशाला में भेजने के दावे भी झूठे साबित हो रहे है। किसान बार बार गोवंश को पकड़वाने की मांग करते हुए निराश हो कर रह जाते है।

पांच गौशालाएं फिर भी समस्या का हल नहीं

अमौली/फतेहपुर। विकास खंड क्षेत्र में पांच अस्थायी व तीन स्थायी गौशाला बनाई गई है। करोड़ों रुपए का खर्च करने के बाद भी हरेक माह लाखों का बजट पास करा लिया जा रहा है। गौवंश को पकड़कर गौशाला में बंद करने का आदेश है लेकिन गोशालाओं में गोवंश बंद नहीं किए जा रहे हैं। इससे गोवंश किसानों की फसलें उजाड़ रहे हैं। ग्रामसभा मवई, दपसौरा, परसेढा, मदरी में अस्थायी गोशाला बनाई गई है।

लोनिवि की सड़को के रखरखाव की पांच साल तक की जिम्मेदारी ठेकेदारों को सौपी

● ठेकेदारों का लगा जबरदस्त झटका

हमीरपुर। शासन ने पहली मर्तवा लोक निर्माण विभाग(लोनिवि) से निर्मित की गयी ग्रामीण सड़को समेत हरेक श्रेणी की सड़कों को पांच साल तक अनुरक्षण करने का जिम्मेदारी लोनिवि से हटाकर ठेकेदार को दे दी गयी है। इससे ठेकेदारों को जबरदस्त झटका लगा है। लोनिवि से स्टेट हाईवे, एमडीआर, ओडीआर, विलेज रोड का निर्माण ठेकेदारो से कराया जाता है। स्टेट हाईवे की सड़को के ठेकेदार द्वारा अनुरक्षण करने की जिम्मेदारी चार साल का था मगर अब शासन ने बदलकर पांच साल तक कर दी है। मेजर डिस्ट्रिक्ट रोड (एमडीआर) ओडीआर (अदर डिस्ट्रिक्ट रोड) पांच साल का पहले ही था मगर शासन ने इसकी अनुरक्षण अवधि फिलहाल पांच साल ही रखी है। मगर इसमे भी बदलाव करने की तैयारी की जा रही है। इसी प्रकार विपेज रोड (ग्रामीण सडको) के मरम्मत की जिम्मेदारी ठेकेदार की आठ साल की गयी थी मगर अब समयावधि घटाकर पाच साल कर दी है। ठेकेदारों द्वारा नव निर्मित सड़को का अनुरक्षण अनिवार्य नही था मगर अब शासन ने पांच साल तक रखरखाव की जिम्मेदारी अनिवार्य कर दिया है। लोनिवि के सहायक अभियंता (एई) सतपाल सिंह ने मंगलवार को बताया कि जिले में 163 ग्रामीण सडके, तीन स्टेट हाईवे, एमडीआर सडके पांच व ओडीआर सड़के 19 है। शासन ने साफ कहा है कि निर्माण की गयी सड़कों की जमा सिक्योरटी पांच साल तक ठेके दार को नही दी जायेगी। यदि ठेकेदार द्वारा सड़क का अनुरक्षण नही किया गया तो उसकी सिक्योरटी से विभाग अनुरक्षण करायेगा और ठेकेदार के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जायेगी। विभागीय अभियंताओं का कहना है कि नये नियम से विभाग के ठेकेदारों की संख्या घट जायेगी।

मोदी के नेतृत्व में भाजपा 400 के पार सीटें जीतकर हैट्रिक लगाएगी

फर्रुखाबाद। भाजपा सांसद एवं रेलवे संसदीय स्थाई सलाहकार समिति सदस्य मुकेश राजपूत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लड़ें जाने वाले 2024 लोकसभा चुनाव में भाजपा 400 से पार प्रचंड बहुमत से सीटें जीत कर हैट्रिक लगाएगी। राजपूत आज मंगलवार दोपहर वाद1. 20 बजे फर्रुखाबाद शहर के आवास विकास स्थित भाजपा जिला कार्यालय के समीप में आगामी 2024 लोकसभा केंद्रीय चुनाव कार्यालय के उद्घाटन में मंत्रो उच्चारण हवन पूजन के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के साथ ही, विश्व के लोकप्रिय नेता हैं। 2024 लोकसभा चुनाव उनके नेतृत्व मे400 से पार जीतने का लक्ष्य रखा गया इसे पार करके हम प्रचंड बहुमत के साथ जीत कर हैट्रिक लगाएंगे।श्री राजपूत ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गरीबो को लेकर, देश के 82 करोड़ लोगों को 5 किलो मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध कराने की अवधि 5 वर्ष बढ़ा दी है। इसके साथ ही आयुष्मान योजना के तहत गरीबों को मुफ्त इलाज की सुविधा तथा प्रत्येक पात्र परिवार में 6 से अधिक सदस्यों वाले लोगों को भी आयुष्मान भव के तहत लाभ पहुंचाया जा रहा है। प्रत्येक परिवार को छत देने का लक्ष्य पा लिया गया है फिर भी जो छूटे हुए लोग है को लाभ पहुंचाने के लिए सर्वे शुरू किया गया है

फर्रुखाबाद में सड़क व्यवस्था के प्रश्न पर उन्होंने बताया कि वर्ष 2014 से फर्रुखाबाद की सड़क व्यवस्था में रिकार्ड सुधार हुआ है जो सड़क 3 मी चौड़ी थी वहअव 5 मी चौड़ी हुई है, इसके अलावा एक्सप्रेस हाईवे नहीं था उसे हमने जोड़ने का प्रयास किया,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के निर्देश पर फर्रुखाबाद से जाने वाला 730 सीसी रोड चुनाव से पहले चालू हो जाएगा।

एक अन्य प्रश्न के उत्तर में उन्होंने बताया कि प्रदेश के सभी जनपदों में आगामी लोक सभा चुनाव 2024 के लिए भाजपा ने केंद्रीय चुनाव कार्यालय 30 जनवरी एव 31 जनवरी 2024 को खोलने कार्य चुनाव घोषणा से पहले इसलिए शुरू किया कि जब टिकट घोषित होती है तब समय कम रहता है,यह हमारी चुनाव तैयारी पूरे प्रदेश एवं देश में चल रही है। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष रूपेश गुप्ता, जनपद शाहजहांपुर महानगरपालिका मेंयर अर्चना वर्मा पूर्व जिला अध्यक्ष दिनेश कटियार, सांसद पीआरओ अनूप मिश्रा के अलावा दूसरे जनपदों के भाजपा के बड़ीसंख्यामें पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

क्विक न्यूज

26 लाख रूपये कीमत की अवैध शराब बरामद

कानपुर देहात। मूसानगर पुलिस ने मॅगलवार को 301 पेटी अवैध ॲग्रेजी शराब बरामद की, बरामद की गयी अवैध शराब की अनुमानित कीमत 26 लाख रूपये ऑकी जा रही है। एसपी ने प्रेस कॉफ्रेस में मामले की जानकारी दी। एसपी बीबीजीटी एस मूर्ति ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर मॅगलवार को मूसानगर पुलिस ने राहुल पटेल निवासी पौतिया हमीरपुर को डीसीएम आयशर में लदी कुल 301 पेटी अवैध ॲग्रेजी शराब ओल्ड मॅक बरामद की, जिसमें 194 क्वार्टर की पेटियॉ, 85 पेटी हाफपेटी, 22 पेटी फुल पेटी पथार गॉव पुलिया के पास मूसानगर पुलिस ने पकडी। आरोपी के खिलाफआबकारी अधिनियम की धाओं में मुकदमा पॅजीकृत कर जेल भेजा गया। गिरफ्तारी में व अवैध शराब की बरामदगी में पुलिसकर्मियों की प्रभावी भूमिका रही।

घायल की उपचार दौरान मौत

फतेहपुर। सदर कोतवाली क्षेत्र के लोधीगंज एनएच-2 में विगत बीस दिन पूर्व डिवाइडर से बाइक टकराने से घायल हुए युवक की इलाज के दौरान घर पर ही मौत हो गई। बताते चलें कि ललौली थाना क्षेत्र के आबू मुहम्मदपुर बनरसी गांव निवासी स्व. बाबू का पुत्र भिखारी दस जनवरी को अपने मित्र के साथ रिश्तेदारी में गया था। वापस लौटते समय लोधीगंज के समीप अनियंत्रित होकर बाइक डिवाइडर से टकरा गई थी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। जबकि उसका पुत्र घायल हुआ था। इलाज के बाद चिकित्सकों ने घर वापस भेज दिया था। चिकित्सक ने घायल को कानपुर के लिए रेफर कर दिया था। कानपुर में दस दिनों तक इलाज कराने के बाद परिजन उसे घर ले आये थे। घर पर ही उसका उपचार चल रहा था। बीस दिन बाद उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया।

पत्नी से झगड़ युवक ने लगाई फांसी

फतेहपुर। हुसैनगंज थाना क्षेत्र के ग्राम भोलापुर में पत्नी से लड़ने के बाद 30 वर्षीय एक युवक ने गांव के बाहर पेड़ से फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। भोलापुर गांव निवासी रामराज यादव का पुत्र संजय कुमार यादव का अपनी पत्नी सूमा देवी से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई जिस पर वह गांव से एक किलोमीटर दूर जंगल पहुंचकर चिल्वर के पेड़ में रस्सी का फंदा डाल फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जानवर चरा रहे लोगों ने फांसी पर लटके संजय का शव देख परिजनों को जानकारी दी। रोते-बिखलते परिजन मौके पर पहुंचे। किसी ने इसकी सूचना क्षेत्रीय पुलिस को दे दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया।

खौलता दूध गिरने से मासूम झुलसी

फतेहपुर। ललौली थाना क्षेत्र के कस्बा बहुआ मुहल्ला कृष्ण नगर में मंगलवार की सुबह खौलता दूध गिर जाने से तीन वर्षीय मासूम झुलस गई। जिसे उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार कृष्ण नगर निवासी अब्दुल हमीद की पुत्री रहमती आज सुबह खेलते-खेलते किचेन में पहुंच गई तभी गैस में चढ़ा खौलता दूध अचानक उसके ऊपर गिर गया। जिससे वह बुरी तरह झुलस गई। चीख-पुकार सुनकर मौके पर पहुंचे परिजनों ने तत्काल मासूम को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया।

ट्रेन से गिरकर युवक घायल

फतेहपुर। खागा व सतनरैनी स्टेशन के बीच मंगलवार की सुबह ट्रेन से गिरकर लगभग 30 वर्षीय अज्ञात युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे आरपीएफने घायल को सरकारी एंबुलेंस से उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां उसकी हालत गंभीर बनी है। समाचार लिखे जाने तक युवक के नाम की जानकारी नहीं हो सकी।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति कार्यक्रम की डीएम ने की बैठक

लखीमपुर खीरी। जिले में 01 फरवरी को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसके सफल क्रियान्वयन को लेकर डीएम महेंद्र बहादुर सिंह की अध्यक्षता में जिला समन्वय समिति की बैठक आयोजित हुई। डीएम ने कहा कि बच्चों के स्वास्थ्य को बढ़ावाए पोषण में सुधार व उन्हें गुणवत्तापूर्ण जीवन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम का सफल संचालन महत्वपूर्ण है। एक फरवरी को 1.19 साल के सभी बच्चों, किशोर .किशोरियों को कृमि नियंत्रण की दवाई (एल्बेंडाजॉल) सभी स्कूल, आंगनवाड़ी केन्द्रों पर निःशुल्क खिलाई जाएगी। गैर.पंजीकृत और स्कूल ना जाने वाले बच्चों को भी यह दवाई नज़दीकी आंगनवाड़ी केन्द्र में खिलवाएं। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के दिन छूट गए बच्चों को मॉप अप दिवस 05 फरवरी को एल्बेंडाजोल की गोली खिलाई जाएगी।

भाई को छोड़कर घर जा रहे छात्र की मौत, साथी घायल

संडीला (हरदोई)। अत्यंत तेज गति से आ रही ट्रैक्टर ट्राली की चपेट में आकर छात्र की मौत हो गयी जबकि उसका दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गया। कनौरा आंठ, थाना अतरौली निवासी उमेश अपने बड़े भाई रजनीश और दोस्त पुनीत के साथ मोटरसाइकिल से संडीला आया था। रजनीश को हरिद्वार जाना था। दोनों रजनीश को छोड़कर घर वापस लौटे। जब उनकी बाइक संडीला अतरौली मार्ग पर ग्राम मुसैला के पास पहुंची और उसने आगे जा रही ट्रैक्टर ट्रॉली को ओवरटेक करने की कोशिश की तो अनियंत्रित गति से जा रही इस ट्रैक्टर ट्रॉली चालक उसे नियंत्रित नही कर पाया और बाइक उसकी चपेट में आ गयी जिससे उमेश की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि पुनीत गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे सीएचसी में भर्ती कराया गया। मृतक उमेश अटल बिहारी इंटर कॉलेज ढिकुन्नी में कक्षा 10 का छात्र था। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर ट्रॉली लेकर भागने में सफल रहा। एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

स्मार्टफोन युवाओं के शैक्षिक विकास में सहायक है: मयंक गुप्ता

स्मार्ट फोन वितरण के बाद मौजूद विद्यार्थी व प्रबन्धक।

● एबी महाविद्यालय में पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि नें वितरित किये स्मार्ट फोन

गुरसहायगंज (कन्नौज)। उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे युवाओं के शैक्षिक विकास के लिये स्मार्ट फोन सहायक हैं। इसके माध्यम से विद्यार्थी सभी प्रकार के कम्प्टीशन में प्रतिभाग कर सकेंगे। भाजपा सरकार युवाओं को आत्मनिर्भर बनानें एवं डिजीटल भारत के निर्माण पर कार्य कर रही है। यह बात मंगलवार को नगर के मोहल्ला रामगंज स्थित अमतुन्ना बानो महिला महाविद्यालय में स्वामी विवेकानन्द सशक्तिकरण योजना के तहत छात्र-छात्राओं को स्मार्टफोन वितरित करनें के उपरान्त पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि मयंक गुप्ता नें कही। इस दौरान महाविद्यालय की प्रबन्धक रिजवाना सिद्धीकी नें कहा कि आज का युग तकनीकी शिक्षा से अधिक प्रभावित है। इसलिये छात्र-छात्राओं को स्कूली शिक्षा के साथ साथ तकनीकी ज्ञान का होना अति आवश्यक है। जिससे उनका चौमुखी विकास हो सके।

सीएसआर फंड से लगाई जा रहीं 20 ओपेन जिम

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

आज केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र ष्टेनी के द्वारा गेल इण्डिया के सीएसआर फण्ड योजना के अन्तर्गत लोकसभा खीरी के नगर पंचायत/नगर पालिका/विकासखण्डों में 20 ओपेन जिम लगाई जा रही है जिसमें आज संकटा देवी मंदिर के सामने स्थित सुभाष पार्क में ओपेन जिम का लोकार्पण किया।

केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र ष्टेनीष् ने संकटा देवी मंदिर के सामने स्थित सुभाष पार्क में गेल इण्डिया के सीएसआर फण्ड योजना के अन्तर्गत निर्मित ओपेन जिम का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ओपेन जिम का उद्देश्य यह है कि लोगों को सुबह टहलने के साथ.साथ कसरत करके स्वास्थ्य का लाभ ले सके। इस ओपेन जिम को जिलेवासियों को समर्पित कर रहा हूं। इस ओपेन जिम में सिट अप बेंच एबडोमिनल सिट अप, डबल

क्रास वॉकर, लेग प्रेस लेग सेपर, हेंड रोवर, क्रास ट्रेनर, एक्सरसाइज बार्स एवं पैरेलेल बार आदि उपकरणों को लगाया गया है।

इस कार्यक्रम में विधायक सदर योगेश वर्मा, नगर पालिका परिषद लखीमपुर अधिशाषी अधिकारी संजय कुमार, नगर पालिका परिषद लखीमपुर अध्यक्ष डा. इरा श्रीवास्तव, सांसद प्रतिनिधि अरविन्द सिंह संजय, सांसद प्रतिनिधि जितेन्द्र त्रिपाठी जीतू एड., सांसद प्रवक्ता अम्बरीष सिंह, अरविन्द गुप्ता, राजू अग्रवाल, एस.के. सिंह, संजय गिरि, वीरपाल मिश्रा, राहुल चौरसिया, सुरेन्द्र कश्यप, मयंक कश्यप, मधुकर मौर्या, सूरज पाण्डेय सहित भारी संख्या में व्यापारीगण मौजूद रहे।

बापू के बलिदान दिवस पर खून से खत लिखकर मांगी सड़क

● विजयीपुर-गाजीपुर मार्ग का निर्माण न आरंभ होने से ग्रामीणों में बढ़ता जा रहा गुस्सा

सड़क निर्माण की मांग को लेकर प्रदर्शन करते ग्रामीण।

खागा/फतेहपुर। विजयीपुर-गाजीपुर मार्ग निर्माण के लिए सड़क किनारे के गांवों में ग्रामीणों ने मंगलवार को खून से खत लिखकर शासन-प्रशासन के जिम्मेदारों को अपनी पीड़ा बताई। महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर किसानों, व्यापारियों, युवाओं ने खून से खत लिखे। सड़क संघर्ष समिति के कार्यकर्ताओं ने अभिया का नेतृत्व किया।

लोकसभा चुनाव से पहले यदि ध्वस्त पड़ी सड़क का निर्माण नहीं होता है तो वोट के माध्यम से अनदेखी का जवाब दिया जाएगा। बताते चलें कि फतेहपुर लोकसभा क्षेत्र की पांच लाख आबादी को प्रभावित करने वाले विजयीपुर-गाजीपुर मार्ग निर्माण के लिए विगत वर्ष गांधी जयंती के दिन से सत्याग्रह आंदोलन आरंभ हुआ था। जिला प्रशासन के अधिकारियों ने लिखित आश्वासन के बाद 12 अक्टूबर को इसे समाप्त करवा दिया था। आंदोलन समाप्त हुए चार महीने का समय बीत चुका है। सड़क निर्माण की दिशा में कोई सकारात्मक पहल नहीं हो सकी। सड़क निर्माण आंदोलन से जुड़े गांवों के लोगों ने जनसूचना अधिकार को हथियार बनाया तो यहां पर भी अधिकारियों ने बचाव कर लिया। वांछित सूचनाएं देने से अधिकारी बच रहे हैं। संघर्ष समिति के पदाधिकारियों का दावा है कि सड़क निर्माण के लिए शासन से अवमुक्त होने वाले बजट का बंदरबांट किया जा चुका है। जवाब में इसी बात की पोल खुलने का अंदेशा अधिकारियों को सता रहा है। जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों की कारगुजारियों से नाराज ग्रामीणों ने झोपड़ी से लेकर घरों के ऊपर तक रोड नहीं तो वोट नहीं का बैनर लगाने का अभियान तेज कर दिया है। राष्ट्रपिता के बलिदान दिवस पर विजयीपुर, बहेरा-बरैची, मोगरिहापुर, नरैनी, लोधौरा, बहियापुर आदि गांवों में ग्रामीणों ने खून से खत लिखे। इन पत्रों को राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री तथा जिलाधिकारी कार्यालय को प्रेषित किया गया है।

मण्डलीय विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक

बांदा। आयुक्त चित्रकूटधाम मण्डल बांदा बालकृष्ण त्रिपाठी की अध्यक्षता में आयुक्त कार्यालय सभागार में मण्डलीय विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि विकास कार्यों को तेज गति के साथ गुणवत्तायुक्त तरीके से पूर्ण किया जाए। समीक्षा के दौरान बताया गया कि वन ड्राप मोर क्रॉप के अन्तर्गत स्प्रिंकलर एवं ड्रिप सिंचाई के लिए 42 हजार हे0 भूमि का रजिस्टेऊशन किये गये हैं, उसकी टोकन मनी दस प्रतिशत धनराशि जमाकराकर शीघ्र आवेदकों को योजना से लाभान्वित करायें। आयुक्त ने ग्राम विकास के अन्तर्गत एनआरएलएम समूहों को बैंको से सीसीएल कराकर धनराशि दिलायी जाए। उन्होंने प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास योजना में प्रगति की समीक्षा करते हुए मुख्य विकास अधिकारी महोबा एवं बांदा को आवास निर्माण कार्यों में प्रगति लाने के निर्देश दिये। उन्होंने जल-जीवन मिशन हर घर नल योजना में लक्ष्य के अनुरूप जल हेतु कनेक्शन दिये जाने तथा खोदी हुई सड़कों की शत् प्रतिशत मरम्मत कराकर एक माह में पूर्ण किये जाने के निर्देश दिये। अधिशाषी अभियंता जलनिगम ने बताया कि जनपद बांदा में 2 लाख 60 हजार पानी के कनेक्शन दिये गये हैं तथा हमीरपुर में 89 प्रतिशत कनेक्शन लक्ष्य के अनुरूप दिये गये हैं। आयुक्त ने पंचायती राज विभाग के द्वारा व्यक्तिगत शौचालय, 15वें वित्त आयोग एवं राज्य वित्त में प्राप्त धनराशि से कराये गये कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए माडल गॉवों में विकास कार्यों को तेज गति पूर्ण कराये जाने तथा व्यक्तिगत शौचालयों में चित्रकूट जनपद में प्रगति लाने के साथ जीओ टैगिंग का कार्य शत् प्रतिशत रूप से पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिये।

डीएम ने ली जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक, दिए निर्देश

लखीमपुर खीरी। स्वास्थ्य योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा के लिए मंगलवार शाम को डीएम महेंद्र बहादुर सिंह की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक हुईए जिसमें मुख्य रुप से सीडीओ अनिल कुमार सिंह, सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता मौजूद रहे। बैठक के शुरू में सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता ने बैठक के एजेंडा बिंदु सहित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की अद्यतन स्थिति बताई। बैठक में जिला स्तर पर विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों, स्वास्थ्य संकेतको की अद्यतन स्थिति, प्रगति पर बिंदुवार समीक्षा हुई।

डीएम ने कहा कि पूरे स्वास्थ्य महकमे को फील्ड में एक्टिवेट करें व स्वास्थ्य संकेतको में बेहतर परफॉर्मेंस दिखाएं। सभी अधीक्षक लीडरशिप रोल लेते हुए अपने.अपने ब्लॉक में स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं का जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन सुनिश्चित कराते हुए डेली मॉनिटरिंग करें। मरीज व उनके तीमारदारों से चिकित्सक बेहतर व्यवहार करें। मरीजों को दिया जाने वाला भोजन की गुणवत्ता एमओआईसी स्वयं चेक करें। सीएचसी व पीएचसी

की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाया जाए। निर्देश दिए कि सभी पोर्टल्स पर फीडिंग को अपडेट रखा जाए, आपरेटर का समयबद्ध भुगतान भी सुनिश्चित कराया जाए। सभी एमओआईसी सुनिश्चित कराए कि सभी चिकित्सालियों से संस्थागत प्रसव की रिपोर्टिंग प्रॉपर हो। सभी आशा संगीनियों का नियमित, समयबद्ध भुगतान हो इसे सुनिश्चित कराए।

सीडीओ अनिल कुमार सिंह ने समीक्षा करते हुए कहा की जन्म मृत्यु पंजीकरणए आरसीएच सहित अन्य पोर्टल पर डाटा एंट्री ससमय शत.शत सुनिश्चित की जाए। उन्होंने ब्लॉकवार आयुष्मान गोल्डन कार्ड की समीक्षा कीए प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए।

डीएम ने चिकित्सालयो में ओपीडी प्रगति, आयुष्मान भारत पीएम जन आरोग्य योजना के तहत आयुष्मान कार्ड वितरण, उसके सापेक्ष उपचारित लाभार्थियों की अद्यतन स्थिति, जन्म पंजीकरण, स्टिलबर्थ रेश्यो, जननी सुरक्षा योजना, पीएम मातृत्व वंदना योजना, संस्थागत प्रसव, राष्ट्रीय दृष्टिहीनता निवारण कार्यक्रम, राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम, वेक्टर जनित रोग, न्यूबॉर्न स्टेबलाइजेशन यूनिट, राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम, ईसंजीवनी आईपीडी, ओपीडी, संचारी रोग, कवच एप्लीकेशन से परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण सहित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की बिंदुवार समीक्षा की, जरूरी दिशा निर्देश दिये।

रेलवे में नौकरी के बदले जमीन घोटाला मामले में तेजस्वी यादव से ईडी की पूछताछ

भाषा। पटना

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव से रेलवे में कथित नौकरी के बदले भूखंड घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के पटना स्थित कार्यालय में पूछताछ जारी है। ईडी अधिकारियों ने बताया कि बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री मंगलवार सुबह करीब 11.35 बजे ईडी कार्यालय परिसर में दाखिल हुए। उनसे पूछताछ शुरू हो गई है। इसी मामले में उनके पिता और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद से ईडी के अधिकारियों ने यहां अपने कार्यालय में सोमवार को नौ घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की थी।

केंद्रीय जांच एजेंसी ने 19 जनवरी को लालू प्रसाद और उनके बेटे तेजस्वी यादव से पूछताछ के लिए नया समन जारी किया था। इस मामले में राजद के दोनों नेताओं से पूछताछ के लिए दिल्ली से ईडी अधिकारियों की एक टीम रविवार को पटना पहुंची थी। राजद ने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर देश में विपक्षी नेताओं को निशाना बनाने के लिए केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करने का मंगलवार को आरोप लगाया।

राजद सांसद मनोज झा ने मंगलवार को बातचीत में आरोप लगाया, भाजपा ईडी, सीबीआई और आईटी विभाग का इस्तेमाल उन लोगों के खिलाफ करती है जिनसे वे डरते हैं। उन्होंने आरोप लगाया, यह स्पष्ट है कि दिल्ली के शासक अभी डरे हुए हैं और इसीलिए वे (विपक्षी दलों को) तोड़ने के लिए केंद्रीय जांच एजेंसियों का इस्तेमाल कर रहे हैं। झा ने दावा किया, भाजपा का शीर्ष नेतृत्व विपक्ष से डरता है। इसी तरह के विचार व्यक्त करते हुए राजद के विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) शक्ति सिंह यादव ने आरोप लगाया, भाजपा नेता 2024 के लोकसभा चुनाव से डरते हैं। यह सर्वविदित तथ्य है कि तेजस्वी यादव उस समय नाबालिग थे, जब कथित नौकरी के बदले भूखंड घोटाला मामला प्रकाश में आया था। वे उन पर इसलिए आरोप लगा रहे हैं क्योंकि वह लालू प्रसाद के बेटे हैं।

बिहार में पिछली महागठबंधन सरकार में तेजस्वी यादव द्वारा भारी संख्या में प्रदान की गई नौकरियों से भाजपा नेता डर गए हैं। राजद नेताओं के आरोपों को खारिज करते हुए बिहार के नवनियुक्त उपमुख्यमंत्री और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने मंगलवार को संवाददाताओं से कहा, जब लालू प्रसाद बिहार के मुख्यमंत्री थे, तब चारा घोटाला हुआ था। जब वह रेल मंत्री थे तो नौकरी के बदले जमीन घोटाला हुआ। फिर वे जांच एजेंसियों से क्यों डरते हैं... ईडी निश्चित रूप से मामले की जांच करेगी। नौकरी के बदले जमीन घोटाला 2004 और 2009 के बीच रेलवे में नौकरियों से संबंधित है।

भाजपा नेता की हत्या के मामले में पीएफआई से जुड़े 15 लोगों को मृत्युदंड

भाषा। केरल

केरल की एक अदालत ने दिसंबर 2021 में अलप्पुझा जिले में भाजपा की ओबीसी शाखा के नेता रंजीत श्रीनिवासन की हत्या के मामले में प्रतिबंधित इस्लामी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) से जुड़े 15 लोगों को मंगलवार को मौत की सजा सुनाई। मामले में विशेष अभियोजक ने यह जानकारी दी। अतिरिक्त जिला न्यायाधीश, मावेलिक्कारा वी. जी. श्रीदेवी ने दोषियों को सजा सुनाई। अदालत ने कहा कि इस मामले में सभी आरोपियों को मौत की सजा देना पूरी तरह उचित है। अदालत ने कहा, सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि जघन्य अपराध कंफर्ट जोन यानी पीड़ित के घर में, उसकी मां, पत्नी और नाबालिग बच्चे की उपस्थिति में किया गया था .... यह सबकुछ अपराध की क्रूरता को दर्शाता है। मामले में दोषी करार दिए गए व्यक्तियों के नाम नईसम, अजमल, अनूप, मुहम्मद असलम, अब्दुल कलाम, सरफुद्दीन, मनशाद, जसीब राजा, नवास, समीर, नसीर, सकीर हुसैन, शाजी, शेरनस अशरफ और अब्दुल कलाम है।

मारे गए नेता के परिवार और भाजपा ने फैसले का स्वागत किया। पार्टी ने श्रीनिवासन को महान शहीद बताते हुए कहा कि उन्हें आज न्याय मिल गया। विशेष अभियोजक प्रताप जी. पडिक्कल के अनुसार, मामले में दोषी ठहराए गए कुल 15 व्यक्तियों में से 14 को मंगलवार को अदालत में पेश किया गया था। न्यायाधीश ने मौखिक रूप से कहा कि सजा उस दोषी पर भी लागू होगी जिसे आज पेश नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि बीमारी के कारण अस्पताल में भर्ती होने की वजह से एक दोषी को अदालत में पेश नहीं किया जा सका, जिसे पेशी के दौरान सजा सुनाई जाएगी।

अदालत ने मामले में 20 जनवरी को 15 लोगों को दोषी ठहराया था। फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए श्रीनिवासन के परिवार ने कहा कि वे इससे संतुष्ट हैं। श्रीनिवासन की पत्नी ने संवाददाताओं से कहा, यह एक असाधारण दुर्लभ मामला था और हमारी क्षति बहुत बड़ी है। हम घटना की गहन और ईमानदार जांच करने के लिए अभियोजन और जांच अधिकारियों के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हैं जिसके परिणामस्वरूप अंततः अधिकतम सजा हुई।

अभियोजन पक्ष ने दोषियों के लिए अधिकतम सजा का अनुरोध करते हुए कहा था कि पीएफआई के ए सदस्य एक प्रशिक्षित हत्यारा दस्ते से जुड़े थे और जिस क्रूर तथा वीभत्स तरीके से पीड़ित को उसकी मां, बच्चे और पत्नी के सामने मारा गया वह इसे दुर्लभ से दुर्लभतम की श्रेणी के अपराध के दायरे में लाता है। भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश सचिव श्रीनिवासन पर 19 दिसंबर, 2021 को उनके परिवार के सामने पीएफआई और सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) से जुड़े कार्यकर्ताओं ने उनके घर में बेरहमी से हमला कर उनकी हत्या कर दी थी।

अभियोजक के अनुसार, अदालत ने पाया कि 15 में से आठ (अभियुक्त संख्या एक से आठ) आरोपी सीधे-सीधे मामले में शामिल थे। अदालत ने चार लोगों (अभियुक्त संख्या नौ से 12) को भी हत्या का दोषी पाया क्योंकि वे अपराध में सीधे तौर पर शामिल लोगों के साथ घातक हथियारों से लैस होकर घटनास्थल पर पहुंचे थे, जिनका उद्देश्य श्रीनिवासन को भागने से रोकना और उसकी चीखें सुनकर घर में प्रवेश करने वाले किसी भी व्यक्ति को रोकना था।

पडिक्कल ने कहा कि अदालत ने अभियोजन पक्ष की इस दलील को स्वीकार किया कि वे भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 149 (गैरकानूनी रूप से जुटे लोगों के समूह का प्रत्एक सदस्य सामान्य उद्देश्य के लिए किए गए अपराध का दोषी है) के तहत हत्या के साझा अपराध के लिए भी जिम्मेदार थे। अदालत ने इस अपराध की साजिश रचने वाले तीन लोगों (अभियुक्त संख्या 13 से 15) को हत्या का दोषी पाया। नतीजतन अदालत ने इस मामले के सभी 15 आरोपियों को हत्या का दोषी पाया।

उन्हें भारतीय दंड संहिता की विभिन्न अन्य धाराओं के तहत भी दोषी पाया गया। अदालत के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के. सुरेंद्रन ने कहा कि श्रीनिवासन को न्याय मिला है। उन्होंने कहा, आखिरकार सत्य की जीत हुई- महान शहीद रंजीत श्रीनिवासन को आज न्याय मिला... हम फैसले से खुश हैं और इसका तहे दिल से स्वागत करते हैं।

विपक्ष के चौदह सदस्यों का निलंबन रद्द, बजट सत्र में ले सकेंगे भाग

भाषा। नई दिल्ली

विपक्ष के 14 निलंबित सांसदों का निलंबन रद्द कर दिया गया है और अब वे बुधवार से आरंभ हो रहे बजट सत्र में भाग ले सकेंगे। सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इन्हें शीतकालीन सत्र के दौरान निलंबित करने के साथ ही उनके मामले को विशेषाधिकार समितियों के पास भेज दिया गया था। जिन विपक्षी सांसदों का निलंबन रद्द हुआ है उनमें 11 राज्यसभा और तीन लोकसभा के हैं। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने 11 विपक्षी सदस्यों के निलंबन रद्द करने का फैसला किया, हालांकि सदन की विशेषाधिकार समिति ने इन्हें विशेषाधिकार हनन और सदन की अवमानना का दोषी ठहराया था।

राज्यसभा के जिन सदस्यों का निलंबन रद्द हुआ है उनमें जेबी मैथर हिशाम, एल हनुमंतैया, नीरज डांगी, राजमणि पटेल, कुमार केतकर, जी सी चंद्रशेखर, विनय विश्वम, संतोष कुमार पी, एम मोहम्मद अब्दुल्ला, जॉन ब्रिटास और ए ए रहीम शामिल हैं। सूत्रों का कहना है कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी तीन सदस्यों अब्दुल खालिक, के. जयकुमार और विजय वसंत का निलंबन रद्द किया। ए तीनों कांग्रेस के सदस्य हैं। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने मंगलवार को कहा था कि इन सांसदों के संदर्भ में सरकार के आग्रह पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने सहमति जताई है।

दोनों सदनों में कुल 146 विपक्षी सांसदों का निलंबन हुआ था। इनमें से 100 लोकसभा सदस्य और 46 राज्यसभा सदस्य शामिल थे। इनमें 132 सांसदों का निलंबन शीतकालीन सत्र के लिए था, लेकिन 14 सांसदों के मामलों को दोनों सदनों की विशेषाधिकार समितियों के पास भेज दिया गया था। लोकसभा और राज्यसभा ने मिलकर 132 सांसदों को 21 दिसंबर को समाप्त हुए शीतकालीन सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया था और इन 14 सांसदों का मामला संबंधित विशेषाधिकार समिति को भेज दिया था। बजट सत्र बुधवार से आरंभ होगा और यह नौ फरवरी तक चलेगा।

हिंदू पक्ष ने ज्ञानवापी मस्जिद के सीलबंद क्षेत्र में शिवलिंग के एएसआई सर्वे के लिए न्यायालय का रुख किया

नई दिल्ली। हिंदू महिला वादियों ने उच्चतम न्यायालय का रुख कर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को उस शिवलिंग की प्रकृति और उसकी विशेषताओं का पता लगाने का निर्देश देने का अनुरोध किया है जिसके बारे में दावा किया गया है कि वह वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद में एक सीलबंद क्षेत्र में पाया गया है। चार हिंदू महिलाओं ने एक अलग याचिका में उच्चतम न्यायालय के 19 मई 2023 के आदेश को भी रद्द करने का अनुरोध किया है जिसमें उसने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के 12 मई 2023 के निर्देश पर शिवलिंग की आयु का पता लगाने के लिए कार्बन डेटिंग समेत वैज्ञानिक सर्वेक्षण करने पर रोक लगा दी थी। ए महिलाए वाराणसी की एक अदालत में लंबित मुकदमे की मूल वादी भी हैं। उन्होंने कहा कि शिवलिंग की असल प्रकृति उसके आसपास की कृत्रिमाआधुनिक दीवाराफर्श हटाकर और खुदाई कर पूरे सीलबंद इलाके का सर्वेक्षण तथा अन्य वैज्ञानिक पद्धतियों का इस्तेमाल करके पता लगाया जा सकता है।

वकील विष्णु शंकर जैन के जरिए दायर याचिका में कहा गया है कि एएसआई को अदालत द्वारा दिए गए समय के भीतर एक रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया जाए। इसमें कहा गया है, उचित और प्रभावी जांच के लिए यह आवश्यक है कि एएसआई को शिवलिंग (जिसे मुस्लिमों ने एक फव्वारा होने का दावा किया है) की प्रकृति और उसकी विशेषताओं का पता लगाने के लिए उसके आसपास आवश्यक खुदाई और अन्य वैज्ञानिक पद्धतियों का इस्तेमाल करने का निर्देश दिया जाए।

याचिका में कहा गया है कि शिवलिंग की मूल संरचना और उससे जुड़ी विशेषताओं का पता लगाने के लिए खुदाई आवश्यक है। यह याचिका उच्चतम न्यायालय में तब दायर की गई है जब कुछ दिन पहले वाराणसी की जिला अदालत ने ज्ञानवापी मस्जिद परिसर की सर्वे रिपोर्ट सभी पक्षकारों को सौंपे जाने का आदेश दिया। जैन ने बाद में दावा किया था कि एएसआई के वैज्ञानिक सर्वे की रिपोर्ट में कहा गया है कि मस्जिद का निर्माण पहले से मौजूद हिंदू मंदिर की संरचना पर किया गया था।

दोनों याचिकाओं में महिला वादियों ने कहा कि वाराणसी की दीवानी अदालत के आदेश पर एक सर्वे किया गया जिसके दौरान 16 मई 2022 को एक तालाब में एक बड़ा शिवलिंग पाया गया।

वादियों ने कहा कि 16 मई 2022 को मिला शिवलिंग भगवान शिव के भक्तों और सनातन धर्म के अनुयायियों के लिए पूजा की एक वस्तु है। याचिका में कहा गया है, श्रद्धालुओं को भगवान की पूजा, आरती और भोग लगाने का पूरा अधिकार है और उन्हें ऐसे अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता है। इसमें कहा गया है कि मामले में प्रमुख मुद्दा यह है कि 16 मई 2022 को मिली वस्तु शिवलिंग है या फव्वारा, जिसका केवल वैज्ञानिक जांच से ही पता चल सकता है। याचिका में कहा गया है कि एएसआई प्रमुख प्राधिकरण है जो पूरे सीलबंद इलाके का वैज्ञानिक सर्वेक्षण कर सकता है जिससे मामले में सच्चाई का पता चल सकता है। हिंदू कार्यकर्ताओं का दावा है कि इस स्थान पर पहले एक मंदिर था और 17वीं शताब्दी में मुगल सम्राट औरंगजेब के आदेश पर इसे ध्वस्त कर दिया गया था।

क्विक न्यूज

मेडिकल कॉलेजों में संकाय सदस्यों के लिए 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य : राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग

नई दिल्ली। राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) ने मेडिकल कॉलेजों में संकाय सदस्यों (फैकल्टी) को कॉलेज समय के दौरान निजी प्रैक्टिस में शामिल होने से रोक दिया है और उनके लिए 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य कर दी है। इस कदम से फर्जी संकाय सदस्यों (घोस्ट फैकल्टी) की समस्या से निपटने में मदद मिलेगी। चिकित्सा नियामक ने पिछले सप्ताह स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए आवश्यकताओं के न्यूनतम मानक-2023 (पीजीएमएसआर-2023) दिशानिर्देश जारी किए। दिशानिर्देश में कहा गया, संकाय सदस्य पूर्णकालिक होगा और कॉलेज समय के दौरान निजी प्रैक्टिस में संलग्न नहीं होगा। संकाय सदस्यों की अपेक्षित संख्या के लिए कुल कार्य दिवसों की कम से कम 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य होगी। दिशानिर्देशों में यह भी निर्धारित किया गया है कि पूरे वर्ष अस्पताल के 80 प्रतिशत बिस्तरों पर आंतरिक रोगी देखभाल की आवश्यकता वाले रोगियों की भर्ती होनी चाहिए और स्नातकोत्तर प्रशिक्षण प्रदान करने वाले विभाग में कुल बिस्तरों का न्यूनतम 15 प्रतिशत गहन देखभाल इकाई (आईसीयू) बिस्तराउच्च निर्भरता इकाई (एचडीयू) बिस्तर विशेष रूप से उस विभाग का होना चाहिए। दिशानिर्देशों में कहा गया है कि अस्पताल भवन एक सेवा प्रदाता के रूप में अस्पताल की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए मौजूदा राष्ट्रीय भवन मानदंडों और अस्पतालों के लिए विभिन्न स्थानीय वैधानिक नियमों के अनुरूप होगा, जिसमें प्रशासन, पंजीकरण, रिकॉर्ड भंडारण, बाह्य रोगी और आंतरिक रोगी क्षेत्र, ऑपरेशन थिएटर, आईसीयू, रेडियोलॉजी और प्रयोगशाला सेवाएं और आपातकालीन क्षेत्र आदि शामिल हैं।

अधिक से अधिक वृक्षों की सुरक्षा करना राज्य की जिम्मेदारी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि यह सुनिश्चित करना राज्य की जिम्मेदारी है कि अधिकतम संख्या में पेड़ों को काटे जाने से बचाया जाए। न्यायालय ने केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति (सीईसी) से ताज ट्रेपेजियम जोन (टीटीजेड) में एक सड़क परियोजना के निर्माण के लिए 3,874 पेड़ों को काटने का वैकल्पिक समाधान तलाशने को कहा। टीटीजेड लगभग 10,400 वर्ग किमी में फैला है और उप्र के आगरा, फिरोजाबाद, मथुरा, हाथरस और एटा जिलों और राजस्थान के भरतपुर जिले में फैला हुआ है। शीर्ष अदालत ताज महल और उसके आसपास के क्षेत्र के संरक्षण पर एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही है। न्यायमूर्ति अभय एस. ओका और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने उप्र सरकार को आगरा-जलेसर-एटा सड़क के प्रस्तावित संरेखण का एक स्केच प्रदान करने का निर्देश दिया और सीईसी से यह बताने को कहा कि क्या कुछ पेड़ों को बचाना संभव है। शीर्ष अदालत ने मामले की सुनवाई 12 मार्च को तय की और उत्तर प्रदेश सरकार से यह सुनिश्चित करने को कहा कि मंडल वन अधिकारी कुछ पेड़ों के स्थानांतरण की व्यवहार्यता पर एक रिपोर्ट दें।

यूजीसी ने वेबसाइट से अनारक्षण मसौदा दिशा निर्देश हटाए

नई दिल्ली। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने मंगलवार को अपनी वेबसाइट से उस मसौदा दिशानिर्देश को हटा दिया, जिसमें एससी, एसटी और ओबीसी श्रेणियों के पर्याप्त उम्मीदवार उपलब्ध नहीं होने पर आरक्षित पदों के अनारक्षण का सुझाव दिया गया था। इस मुद्दे को लेकर हाल में विवाद हो रहा है। आयोग के अध्यक्ष एम. जगदीश कुमार ने हालांकि कहा, दिशानिर्देशों को वेबसाइट से हटा दिया गया है क्योंकि हितधारकों के लिए अपनी प्रतिक्रिया देने की समय अवधि समाप्त हो गई है। यूजीसी के मसौदा दिशानिर्देशों पर रविवार को विवाद खड़ा हो गया, जिसमें कहा गया है कि उच्च शिक्षण संस्थानों में अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) उम्मीदवारों के लिए आरक्षित किसी भी रिक्ति को अनारक्षित घोषित किया जा सकता है, अगर इन श्रेणियों के पर्याप्त उम्मीदवार उपलब्ध नहीं हैं। कांग्रेस ने इसे आरक्षण खत्म करने की साजिश करार दिया। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने स्पष्ट किया कि एक भी पद अनारक्षित नहीं किया जाएगा और केंद्रीय शैक्षिक संस्थान (शिक्षक संवर्ग में आरक्षण) अधिनियम, 2019 के लागू होने के बाद आरक्षण के बारे में अस्पष्टता की कोई गुंजाइश नहीं है।

एनआईए ने राजस्थान पीएफआई षड्यंत्र मामले में तीन के खिलाफ आरोप-पत्र दायर किया

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने मुस्लिम युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और 2047 तक भारत में इस्लामी शासन स्थापित करने को उन्हें लड़ने के लिए हथियारों का प्रशिक्षण देने से संबंधित मामले में प्रतिबंधित पीएफआई के तीन कार्यकर्ताओं के खिलाफ आरोप-पत्र दायर किया है। पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) की गैरकानूनी और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों पर रोकथाम की कार्वाई करते हुए राजस्थान पीएफआई षड्यंत्र मामले में वाजिल अली, मुबारक अली और शमशेर खान के खिलाफ आरोप-पत्र दायर किया गया है। इससे पहले एनआईए ने तीन अन्य आरोपियों आसिफ, सादिक सर्फ और मोहम्मद सोहेल के खिलाफ आरोप-पत्र दायर किया था।

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को नोटिस जारी किया

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने आदर्श आचार संहिता के कथित उल्लंघन पर हाल के विधानसभा चुनावों में विधायक के रूप में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्वाचन को चुनौती देने वाली याचिका पर उनको नोटिस जारी किया है। न्यायमूर्ति पार्थ प्रतिम साहू द्वारा सोमवार को जारी आदेश की प्रति मंगलवार को उपलब्ध हुई। यह याचिका भाजपा सांसद विजय बघेल ने दायर की थी, जिन्होंने पाटन सीट से भूपेश बघेल के खिलाफ विधानसभा चुनाव लड़ा था और हार गए थे। याचिकाकर्ता के वकील टी.के. झा ने कहा, विजय बघेल ने दलील दी कि 15 नवंबर को पाटन निर्वाचन क्षेत्र में शाम पांच बजे के बाद जुलूस निकालकर भूपेश बघेल ने जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के प्रावधान का उल्लंघन किया। उन्होंने कहा, याचिकाकर्ता ने भूपेश बघेल के निर्वाचन को रद्द करने और उन्हें छह साल तक चुनाव लड़ने से रोकने की मांग की है।

पंजीकृत सड़क निर्माण मजदूरों को सवैतनिक मातृत्व अवकाश दें: सरकार

नई दिल्ली। महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि सरकार ने नियोक्ताओं को पंजीकृत सड़क निर्माण महिला मजदूरों को दो बच्चों तक 26 सप्ताह का सवैतनिक मातृत्व अवकाश देने को कहा है। ईरानी ने कहा कि नियोक्ता दो से अधिक बच्चों और गोद लेने या किसी दूसरी महिला के गर्भ में भ्रूण विकसित करने के लिए अपने अंडाणु का इस्तेमाल करने वाली माताओं (कमीशनिंग मदर) को 12 सप्ताह का सवैतनिक मातृत्व अवकाश दे सकते हैं।

ईरानी ने कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी पर एक परामर्श जारी कर यह घोषणा की। श्रम मंत्रालय और महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने इस पर एक संयुक्त परामर्श जारी किया है। उन्होंने कहा, देशभर में महिला निर्माण मजदूरों के लिए मेरे हाथ में जो परामर्श है उसमें उन्हें नियोक्ताओं द्वारा 26 सप्ताह का मातृत्व अवकाश देने का प्रावधान है। यह एक क्रांतिकारी कदम है। यह केवल कागजी कदम नहीं है बल्कि अधिकारी महिलाओं को ऐसी सुविधाएं देने के बारे में सक्रियता से विचार करें।

बच्चे के जन्म के अलावा इस परामर्श में गर्भपात पर भी ध्यान दिया गया है। इसमें कहा गया है कि अगर निर्माण क्षेत्र में किसी महिला का गर्भपात होता है तो वह गर्भपात वाले दिन से छह सप्ताह के लिए मातृत्व अवकाश के बराबर सवैतनिक अवकाश की हकदार है। परामर्श के अनुसार, महिला निर्माण मजदूरों का वेतन उन्हें ऑनलाइन माध्यम से दिया जाए ताकि उनके सुपरवाइजर द्वारा उनसे धोखाधड़ी करने की गुंजाइश न हो। इस परामर्श में नियोक्ताओं द्वारा रात की पाली के दौरान महिला मजदूरों के लिए सुरक्षित और उनके अनुकूल माहौल देने की आवश्यकता पर जोर दिया गया है। साथ ही उन्हें खासतौर से रात के समय घर से लेने और घर छोड़ने की सुविधा देने पर भी जोर दिया गया है।

22 फरवरी को होगी कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद मामले की अगली सुनवाई

भाषा। प्रयागराज

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मथुरा में शाही ईदगाह मस्जिद को हटाने की मांग वाली याचिका विचार योग्य है या नहीं, की सुनवाई के लिए मंगलवार को 22 फरवरी की तिथि तय की। याचिका में दावा किया गया कि शाही ईदगाह मस्जिद का निर्माण कटरा केशव देव मंदिर की 13.37 एकड़ भूमि पर किया गया है। न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन ने कहा कि याचिका विचार योग्य है नहीं के संबंध में अदालत अगली तिथि पर सुनवाई करेगी।

वरिष्ठ अधिवक्ता (इस मामले में न्याय मित्र) मनीष गोयल ने मंगलवार को मामले की सुनवाई शुरू होने पर कहा चूंकि ए याचिकाएं भगवान द्वारा अपने मित्र की ओर से दायर की गई हैं इसलिए याचिकाओं में टकराव से बचने के लिए अदालत को एक साझा अभिभावक की नियुक्ति करनी चाहिए। एक साझा अभिभावक की अनुपस्थिति में मुकदमा अनंत तक चलता रहेगा। वरिष्ठ अधिवक्ता के इस सुझाव का कुछ याचिकाकर्ताओं के वकीलों ने यह कहते हुए विरोध किया कि उन्होंने अलग-अलग मुकदमे दायर किए हैं और वे स्वयं ए मुकदमे लड़ेंगे।

वकीलों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने कहा, रिकॉर्ड पर गौर करने से पता चलता है कि याचिका को खारिज करने के लिए अर्जी लंबित हैं। उल्लेखनीय है कि कुछ मामलों में आपत्तियां दाखिल की गई हैं और कुछ मामलों में दाखिल नहीं की गई हैं। अदालत ने कहा, उन मामलों में जहां याचिकाकर्ताओं ने अपनी आपत्तियां दाखिल नहीं की हैं, वे छह फरवरी 2024 तक आपत्ति दाखिल कर सकते हैं। निर्देश दिया जाता है कि रजिस्ट्री में आपत्तियां दाखिल करने से पहले इन आपत्तियों की प्रति प्रतिवादियों के अधिवक्ताओं को उपलब्ध कराई जाए।

अदालत ने कहा, प्रतिवादियों को 13 फरवरी, 2024 तक उन मुकदमों में लिखित बयान दर्ज कराने का निर्देश दिया जाता है, जहां जवाबी हलफनामा अभी तक दाखिल नहीं किया गया है। यह स्पष्ट किया जाता है कि आपत्ति, हलफनामाजवाबी हलफनामा दाखिल करने के लिए और समय नहीं दिया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि 14 दिसंबर, 2023 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मथुरा में श्री कृष्ण जन्मभूमि मंदिर से सटे शाही ईदगाह मस्जिद परिसर का अदालत की निगरानी में सर्वेक्षण के लिए अधिवक्ता आयोग के गठन की मांग वाली अर्जी स्वीकार कर ली थी। इससे पूर्व, अदालत ने मथुरा के श्री कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद विवाद से जुड़ी 15 याचिकाओं को समेकित करने का निर्देश दिया था क्योंकि ए सभी समान प्रकृति की हैं।

पेज 1 का शेष

झारखंड में...

राज्य भाजपा प्रमुख बाबूलाल मरांडी ने भी एक विज्ञापन निकाला, जिसमें श्री सोरेन के बारे में जानकारी मांगी गई और विश्वसनीय जानकारी के लिए 11,000 रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की गई। ईडी ने इस मामले में अब तक 14 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें 2011 बैच की आईएएस अधिकारी छवि रंजन भी शामिल हैं, जो राज्य के समाज कल्याण विभाग के निदेशक और रांची के उपायुक्त के रूप में कार्यरत थीं। मामले में झारखंड भूमि राजस्व विभाग के एक कर्मचारी भानु प्रसाद प्रसाद को भी एजेंसी ने गिरफ्तार किया था। इससे पहले दिन में, राज्य में 'बिगड़ती कानून-व्यवस्था' पर बार-बार नाराजगी व्यक्त करने वाले राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने स्थिति का जायजा लेने के लिए मुख्य सचिव लालबियाक्तलुआंगा खियांग्ते और पुलिस महानिदेशक अजय कुमार सिंह को राजभवन में बुलाया। बैठक के बाद, डीजीपी ने कहा, 'कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए राज्य भर में व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई है, जिसमें अतिरिक्त 7,000 पुलिसकर्मियों की तैनाती भी शामिल है।'

बजट सत्र...

योजनाओं के कारण पश्चिम बंगाल के लंबित बकाए को शामिल करना चाहिए। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक मुख्यमंत्री को राज्य का केंद्रीय बकाया समय पर आवंटन की मांग के लिए धरने पर बैठना पड़ा है। समाजवादी पार्टी के नेता एसटी हसन ने पूजा स्थल अधिनियम को मजबूत करने के लिए कदम उठाने की मांग की, जो 15 अगस्त, 1947 को मौजूद धार्मिक स्थलों की स्थिति को स्थिर कर देता है और रखरखाव सुनिश्चित करते हुए उनके रूपांतरण पर रोक लगाता है। हसन की यह मांग वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद को हिंदू समुदाय को सौंपने की मांग के मद्देनजर आई है।

चंडीगढ़ मेयर...

करने का आरोप लगाया और इसे लोकतंत्र के लिए काला दिन करार दिया, जबकि भाजपा ने आरोपों को खारिज कर दिया। आप और कांग्रेस ने पीठासीन अधिकारी अनिल मसीह पर आरोप लगाया कि उन्होंने गिनती के दौरान मतपत्रों पर कुछ निशान बना दिए, जिससे वे अवैध हो गए। उन्होंने तर्क दिया कि 'अमान्य' मतपत्रों ने संतुलन को भाजपा उम्मीदवार के पक्ष में झुका दिया। जीत के लिए अपनी पार्टी इकाई को बधाई देते हुए, भाजपा प्रमुख जेपी नड्डा ने कहा कि चंडीगढ़ मेयर चुनाव में 'इंडिया' ब्लॉक के उम्मीदवार की हार से पता चला है कि न तो उनका अंकगणित काम कर रहा है और न ही उनकी केमिस्ट्री काम कर रही है। नड्डा ने एक्स पर लिखा, 'मेयर चुनाव जीतने के लिए चंडीगढ़ भाजपा इकाई को बधाई।' भाजपा प्रमुख ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र शासित प्रदेशों में 'रिकॉर्ड विकास' हुआ है। विपक्षी एकता पर कटाक्ष करते हुए नड्डा ने कहा, 'इंडिया गठबंधन ने अपनी पहली चुनावी लड़ाई लड़ी और फिर भी भाजपा से हार गया, इससे पता चलता है कि न तो उनका अंकगणित काम कर रहा है और न ही उनकी केमिस्ट्री काम कर रही है।' जबकि केजरीवाल ने भाजपा पर चंडीगढ़ मेयर चुनाव के दौरान 'गुंडागर्दी' करने का आरोप लगाया और चुनाव के दौरान हुई घटनाओं की श्रृंखला को 'लोकतंत्र के लिए काला दिन' कहा। यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए आप के राष्ट्रीय संयोजक ने कहा कि पूरे देश ने देखा कि चंडीगढ़ मेयर चुनाव में क्या हुआ। यह लोकतंत्र के लिए काला दिन है। सभी ने देखा कि कैसे उन्होंने वोट चुराए और जबरन अपने उम्मीदवार को जिताया। मुद्दा यह नहीं है कि मेयर कौन बनता है, बल्कि देश नहीं हारना चाहिए और लोकतंत्र नहीं हारना चाहिए। मेयर आते हैं और जाते हैं, पार्टियां आती हैं और जाती है। उन्होंने कहा, 'आप-कांग्रेस गठबंधन के पास स्पष्ट बहुमत था और यह सीधा चुनाव था। आठ वोट या कुल वोटों का 25 प्रतिशत अवैध घोषित कर दिया गया। यह किस तरह का चुनाव था? मेयर चुनाव परिणाम से पता चलता है कि कुछ गड़बड़ है और बड़े पैमाने पर, वे राष्ट्रीय चुनावों में किसी भी हद तक जा सकते हैं।' केजरीवाल ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाला केंद्र विपक्षी नेताओं को निशाना बनाने, पार्टियों को तोड़ने और सरकारों को गिराने के लिए चरम कार्रवाइयों का सहारा ले रहा है।

एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'लोकतांत्रिक व्यवस्था पर निर्लज्ज, बेशर्म कब्जा। चंडीगढ़ में मेयर चुनाव जीतने के लिए विपक्षी वोटों को अवैध घोषित करना दिखाता है कि लोकतांत्रिक जनादेश को खत्म करना भाजपा की दूसरी प्रकृति है।' पहले उन्होंने अचानक चुनाव स्थगित कर दिया, और फिर इस पर कब्ज़ा करने का एक तरीका ईजाद किया। यह उन सभी के लिए एक चेतावनी है जो यह सोचकर भ्रमित हैं कि मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा 2024 में जीतने पर लोकतंत्र को कार्य करने देगी।' 24 जनवरी के अपने आदेश में उच्च न्यायालय ने चंडीगढ़ प्रशासन को 30 जनवरी को सुबह 10 बजे मेयर चुनाव कराने का निर्देश दिया था। इसने चुनाव स्थगित करने के प्रशासन के 18 जनवरी के आदेश को 'अनुचित, अन्यायपूर्ण और मनमाना' करार देते हुए रद्द कर दिया था। उच्च न्यायालय ने यह भी निर्देश दिया था कि वोट डालने आने वाले पार्षदों के साथ किसी अन्य राज्य का कोई समर्थक या सुरक्षाकर्मी नहीं होगा। अदालत ने कहा था कि चंडीगढ़ पुलिस पार्षदों को सुरक्षा सुनिश्चित करेगी। सदन के पांच साल के कार्यकाल के दौरान हर साल तीन पदों के लिए चु

चीन हमारे पड़ोसी देशों को प्रभावित करेगा: जयशंकर

● भारत को प्रतिस्पर्धा से नहीं डरना चाहिए : विदेश मंत्री

भाषा। मुंबई

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि यह स्वीकार करना जरूरी है कि चीन भारत के पड़ोसी देशों को प्रभावित करेगा और भारत को ऐसी प्रतिस्पर्धी राजनीतिं से नहीं डरना चाहिए। भारतीय प्रबंधन संस्थान, मुंबई में छात्रों के साथ संवाद सत्र में मालदीव से तनावपूर्ण संबंधों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि हर पड़ोसी देश में समस्याएं हैं, लेकिन अंततः पड़ोसियों को एक-दूसरे की जरूरत होती है। जयशंकर ने कहा कि क्षेत्र में बढ़ते चीनी प्रभाव को लेकर प्रतिस्पर्धा है, लेकिन इसे भारतीय कूटनीति की विफलता कहना गलत होगा। उन्होंने कहा, हमें समझना चाहिए, चीन भी एक पड़ोसी देश है और कई मायनों में, प्रतिस्पर्धी राजनीति के तहत इन देशों को प्रभावित करेगा। मुझे नहीं लगता कि हमें चीन से डरना चाहिए। मुझे लगता है कि हमें यह मानना चाहिए वैश्विक राजनीति एक प्रतिस्पर्धी खेल है। आप अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें, मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूंगा। जयशंकर ने कहा कि एक प्रमुख अर्थव्यवस्था होने के नाते, चीन संसाधनों का इस्तेमाल करके चीजों को अपने तरीके से आकार देने की कोशिश करेगा। उन्होंने कहा, मैं आज कहना चाहता हूं...हमें प्रतिस्पर्धा से डरना नहीं चाहिए। हमें प्रतिस्पर्धा का स्वागत करना चाहिए और कहना चाहिए कि मुझमें प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता है। मालदीव में इंडिया आउट अभियान के बारे में एक सवाल पर जयशंकर ने भारतीय कूटनीति परै भरोसौ करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, हर देश के पड़ोस में समस्याएं हैं। समस्याएं तो होंगी। हमारा काम अनुमान लगाना, आकलन करना और प्रतिक्रिया देना है। अंत में पड़ोसियों के एक-दूसरे के साथ संबंध रहते हैं। उन्होंने बताया कि राजनीति में तीखे रुख अपनाए जाते हैं और कूटनीति हमेशा उन तीखे रुख से नहीं चलती। उन्होंने कहा, आखिरकार, पड़ोसियों को एक-दूसरे की जरूरत होती है। इतिहास और भूगोल बहुत शक्तिशाली ताकतें हैं। इससे कोई बच नहीं सकता। इस महीने की शुरुआत में, मालदीव के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने भारत से कहा था कि वह 15 मार्च तक मालदीव में तैनात सभी भारतीय सैन्य कर्मियों को वापस बुला ले।

भारत ने इजराइल-फलस्तीन संघर्ष के लिए द्विराष्ट्र समाधान का समर्थन किया

मुंबई। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि भारत दशकों पुराने इजराइल-फलस्तीन संघर्ष को समाप्त करने के लिए द्विराष्ट्र समाधान का समर्थन करता है। उन्होंने कहा कि अक्टूबर की शुरुआत में यहूदी देश के अंदर हमास के हमलों के बाद गाजा पट्टी में युद्ध भड़क उठा है जिसकी समाप्ति का कोई संकेत नहीं दिखता। जयशंकर ने कहा कि पश्चिम एशिया में संघर्ष को समग्र तरीके से देखा जाना चाहिए। उन्होंने करीब चार महीने महीने इजराइल में हमास के घातक हमलों को आतंकवादी हमला करार दिया। भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), मुंबई के छात्रों के साथ बातचीत में एक सवाल का जवाब देते हुए, जयशंकर ने कहा, यह निश्चित रूप से भारत का और बहुत बड़ी संख्या में देशों का विचार है कि द्विराष्ट्र समाधान ही कारगर हो सकता है जहां इजराइल के साथ फलस्तीन राष्ट्र होना चाहिए।

रेलवे भर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक मामले में आरआरबी के पूर्व अध्यक्ष को पांच साल की जेल

नई दिल्ली। हैदराबाद में सीबीआई की एक विशेष अदालत ने 2010 में 1,936 सहायक स्टेशन मास्टर और सहायक लोको पायलट की भर्ती के लिए प्रश्नपत्रों के लीक होने के सिलसिले में रेलवे भर्ती बोर्ड-मुंबई के तत्कालीन अध्यक्ष सतेंद्र मोहन शर्मा और नौ अन्य को पांच साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सीबीआई मामलों के लिए प्रधान विशेष न्यायाधीश (हैदराबाद) ने जिन लोगों को सजा सुनाई है, उनमें आसन-मैंगलोर रेल विकास निगम के पूर्व मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ए के जगन्नाधम भी शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि अदालत ने शर्मा पर 1.75 लाख रुपए और जगन्नाधम पर 1.31 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

क्विक न्यूज

ईडी ने शिवसेना-यूबीटी नेता संजय के भाई से पूछताछ की

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के खिचड़ी घोटाले से संबंधित धन शोधन के एक मामले में शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे (शिवसेना-यूबीटी) के नेता और सांसद संजय राउत के छोटे भाई संदीप राउत से पूछताछ की। संजय राउत के साथ संदीप पूर्वाह्न करीब 11.30 बजे दक्षिण मुंबई के बैलार्ड एस्टेट स्थित कार्यालय में जांच एजेंसी के सामने पेश हुए। मामले के विवरण के अनुसार, बीएमसी द्वारा कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान शहर में फंसे प्रवासी श्रमिकों को खिचड़ी पैकेट उपलब्ध कराने के ठेके में नियमों का उल्लंघन किया गया था। ईडी ने इस मामले में आदित्य ठाकरे के करीबी सहयोगी और युवा सेना के पदाधिकारी सूरज चव्हाण को गिरफ्तार किया है। ईडी ने आरोप लगाया कि सूरज ने एक वरिष्ठ राजनेता और बीएमसी अधिकारी से निकटता के कारण फोर्स वन मल्टी सर्विसेज को अनुबंध हासिल करने में मदद की और इस लेनदेन में गलत तरीके से 1.35 करोड़ रुपए का लाभ कमाया।

राधा रतूड़ी होंगी उत्तराखंड की पहली महिला मुख्य सचिव

देहरादून। अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी उत्तराखंड की पहली महिला मुख्य सचिव होंगी।आधिकारिक सूत्रों ने यहां बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस संबंध में अपनी मंजूरी दे दी है।वर्ष 1988 बैच की भारतीय प्रशासनिक सेवा की अधिकारी रतूड़ी, सुखबीर सिंह सन्धु का स्थान लेंगी जिनका कार्यकाल बुधवार को समाप्त हो रहा है।नवंबर, 2000 में अस्तित्व में आए उत्तराखंड में शीर्ष प्रशासनिक पद पर पहुंचने वाली रतूड़ी पहली महिला है। अपने लंबे प्रशासनिक करियर के दौरान रतूड़ी ने अविभाजित उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड दोनों राज्यों में कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभाली। उत्तराखंड के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है जब पति और पत्नी दोनों शीर्ष पदों तक पहुंचे हों। उनके पति अनिल रतूड़ी भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी रहे है जो प्रदेश में पुलिस महानिदेशक की जिम्मेदारी संभालने के बाद नवंबर 2020 को सेवानिवृत्त हुए।छात्र जीवन से लिखने का शौक रखने वाली रतूड़ी ने पहले पत्रकारिता में हाथ आजमाया।

झारखंड के स्कूल में शिक्षक ने प्रेम प्रसंग को लेकर दो सहकर्मियों की गोली मारकर हत्या की

रांची। झारखंड के गोड्डा जिले में एक सरकारी स्कूल के एक शिक्षक ने प्रेम प्रसंग को लेकर अपने दो सहकर्मियों की कथित रूप से गोली मारकर हत्या कर दी और बाद में खुद को भी गोली मारकर बुरी तरह घायल कर लिया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना रांची से करीब 300 किलोमीटर दूर पोरइयाहाट के चतरा अपग्रेडेड स्कूल में पूर्वाह्न करीब 11 बजे घटी। गोड्डा के पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा ने पीटीआई-भाषा को बताया, दो शिक्षकों के शव स्कूल के एक कमरे में खून से लथपथ मिले जिनमें एक महिला थी। वहीं आरोपी शिक्षक भी गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिला है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि स्कूल के विद्यार्थियों और शिक्षकों ने गोली चलने की आवाज सुनी तो वे वहां पहुंचे और कमरे को अंदर से बंद पाया। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचित किया। पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़ दिया लेकिन तब तक दोनों शिक्षकों की मौत हो चुकी थी जिनके सिर में गोली लगी थी। आरोपी शिक्षक ने अपने सिर के दाईं ओर गोली मारकर खुदकुशी की कोशिश की।

पढ़े जाने योग्य हिस्सों में बांट कर परीक्षा की तैयारी करें छात्र

नई दिल्ली। बोर्ड की परीक्षाएं किसी भी छात्र के शैक्षिक जीवन का बहुत ही महत्वपूर्ण पड़ाव होती हैं और इस दौरान तनाव होना बहुत ही सामान्य बात है। तरूण सैनी, सह-संस्थापक एवं सीईओ, विद्याकुल कहते हैं की बोर्ड परीक्षा के तनाव और चिंता को प्रबंधित करने के कुछ तरीके हैं जिनसे बच्चे अपने प्रदर्शन और कल्याण में सुधार कर सकते हैं। विद्याकुल एकमात्र एडटेक प्लेटफॉर्म है जो की एफॉर्डेबल क्षेत्रीय भाषाओं का ई-लर्निंग ऐप के माध्यम से राज्य बोर्ड के छात्रों की मदद कर रहा है। विद्याकुल कम आयवर्ग के परिवारों के बच्चों की जिंदगी की कहानी नए सिरे से लिख रहा है और इसके लिए उन्हें किफायती कीमत पर उनकी अपनी भाषा में शिक्षा देने के अभियान में जुटा है। यूपी और बिहार में आगामी बोर्ड परीक्षाओं के दौरान, छात्र प्रभावी तनाव प्रबंधन रणनीतियों का अभ्यास कर सकते हैं। तनाव का एक प्रमुख कारण यह है कि छात्र परीक्षा के लिए तैयार किए जाने वाले विषयों की व्यापकता की वजह से घबरा जाते हैं। ऐसे में यह आवश्यक है कि छात्र पढ़ाई के लिए ऐसे समय सारिणी तैयार करें जिसके हिसाब से वे पढ़ सकें। पाठ्यक्रम को अच्छी तरह पढ़ने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि उसे छोटे और पढ़े जाने योग्य हिस्सों में बांट लें और हर हिस्से के लिए उचित समय तय कर लें। परीक्षा की तारीखों और अपनी योग्यता के हिसाब से विषयों को प्राथमिकता देने से संतुलित दृष्टिकोण सुनिश्चित होता है।

आईआईटी जीनियस टेस्ट से मिलेगा मौका

गोरखपुर। फिट्जी ने शुरू से सच्चे गुरु के गुणों को संजोए रखा है। इसलिए यह न केवल आईआईटी जेईई प्रशिक्षण उद्योग में नया दौर शुरू करने बल्कि निरंतर पारदर्शिता और नैतिकता का बहुत उच्च मानक देने में भी सफल रहा है। यह हमेशा छात्रों और उनके अभिभावकों के हित में अनूठी पहल करने में सफल रहा है और एकमात्र संस्थान है जो आईआईटी जीनियस टेस्ट जैसे अभूतपूर्व अवसर देकर छात्रों को उत्कृष्टता का नया मानक देता रहा है। फिट्जी के ये प्रयास छात्रों की जिन्दगी बदल रहे हैं। एक बार फिर फिट्जी की सबसे प्रतिष्ठित और सबसे प्रतीक्षित परीक्षा आईआईटी जीनियस टेस्ट् होने वाला है। वर्तमान में आठवीं, नौवीं, दसवीं, ग्यारहवीं और बारहवीं कक्षा के छात्रों क्रमशः 2028,2027,2026, 2025 और 2024 में मेन और एडवांस के उम्मीदवारोंद्ध के लिए यह टेस्ट देश भर में 4 फरवरी 2024 को होगा। फिट्जी आईआईटी जीनियस टेस्ट के माध्यम से वैज्ञानिक पद्धति से भारत भर के जीनियस छात्रों की खोज करता है। उन्हें पहचान और पुरस्कार देता है। इस माध्यम से आठवीं, नौवीं,दसवीं, ग्यारहवीं और बारहवीं प्रत्येक कक्षा के सर्वश्रेष्ठ 10 छात्रों को आईआईटी जीनियस् का दर्जा और पुरस्कार मिलता है। आईआईटी में उनकी पढ़ाई फिट्जी स्पांसर करता है। छात्रवृत्ति के तहत छात्रावास शुल्क, शिक्षा शुल्क, किताबों की कीमत और उचित निजी खर्चे सहित संस्थान के सभी खर्चे देने का प्रावधान है।

सृति व अर्जित को लोग कर रहे पसंद

मुंबई। जीटीवी के शो, 'कैसे मुझे तुम मिल गए' तेजी से लोकप्रिय हो रहा है, जिसमें एक दूसरे बिल्कुल अलग दो किरदारों की नामुमकिन प्रेम कहानी दिखाई जा रही है। इनमें एक तरफ है अमृता (सृति झा) - एक साधारण परिवार की महाराष्ट्रीयन मुलगी, जो एक योग्य पार्टनर के साथ विवाह की पवित्रता में और उसे निभाने में विश्वास रखती है। दूसरी तरफ है दुनियादारी की समझ रखने वाला विराट (अर्जित तनेजा) दिल्ली का रहने वाला पंजाबी मुंडा, जो शादी पर से विश्वास खो चुका है और ये मानता है कि ज्यादातर महिलाएं लालची होती हैं। हाल के एपिसोड्स ने अपने इंटेंस ड्रामा के साथ दर्शकों को अपनी सीट से बांध लिया है और अब हाल ही में अमृता की तेरतर्रार दादी ज्ञानेश्वरी के किरदार में ऊषा नाडकर्णी की एंट्री से रोमांच और बढ़ने वाला है। जहां दर्शकों को स्क्रीन पर अमृता और ज्ञानेश्वरी का प्यारा रिश्ता देखने में मजा आ रहा है, वहीं हमें पता चला है कि उनका ऑफ-स्क्रीन रिश्ता भी बहुत बढ़िया है! दरअसल सृति ने बताया कि उन्हें ऊषा नाडकर्णी जैसी टैलेंटेड एक्टर से काफी कुछ सीखने को मिल रहा है और शॉट्स के दौरान उनके बीच लगातार चर्चा होती है, जिससे उनका रिश्ता और मजबूत हो रहा है जो पर्दे पर साफ नजर आता है।

प्रकाश आंबेडकर के नेतृत्व वाली वीबीए महा विकास आघाडी में शामिल

मुंबई। कांग्रेस, राकांपा (शरद पवार गुट) और शिवसेना (यूबीटी) के महा विकास आघाडी (एमवीए) गठबंधन ने मंगलवार को आगामी लोकसभा चुनाव से पहले प्रकाश आंबेडकर के नेतृत्व वाली वंचित बहुजन आघाडी (वीबीए) धन में शामिल करने की घोषणा की। कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष नाना पटोले ने एक्स पर कहा, कांग्रेस, राकांपा और शिवसेना ने सर्वसम्मति से वीबीए को राजनीतिक सहयोगी के रूप में शामिल करने का निर्णय लिया है। हम निरंकुशता के खिलाफ लड़ने के आपके रुख के लिए आभारी है।

जदयू की महाराष्ट्र इकाई विपक्षी गठबंधन का हिस्सा बनी रहेगी : कपिल पाटिल

मुंबई। जनता दल-यूनाइटेड (जदयू) की महाराष्ट्र इकाई विपक्षी गठबंधन इंडिया का हिस्सा बनी रहेगी। राज्य इकाई के एक नेता ने मंगलवार को यह जानकारी दी।जदयू अध्यक्ष नीतीश कुमार ने रविवार को रिकॉर्ड नौवीं बार बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। उन्होंने विपक्षी गठबंधन इंडिया को छोड़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ राज्य में नई सरकार बनाई। नीतीश ने 18 महीने से भी कम समय पहले भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन से नाता तोड़ लिया था। पार्टी महासचिव और विधान परिषद के सदस्य कपिल पाटिल ने यहां कहा कि जदयू की राज्य इकाई विपक्षी गठबंधन इंडिया के साथ अपने संबंध जारी रखेगी।उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, हमने शीर्ष नेतृत्व को अपने फैसले से अवगत करा दिया है।

न्युवोको ने तीसरी तिमाही में 31.03 करोड़ रुपये का लाभ कमाया

मुंबई। न्युवोको विस्टास कॉर्पोरेशन लिमिटेड, भारत की निर्माण सामग्री क्षेत्र में एक प्रमुख कंपनी, ने 31 दिसंबर 2023 को समाप्त तिमाही में 31.03 करोड़ रुपये का लाभ दर्ज किया है। बीते साल की समान तिमाही में न्युवोको ने 75.29 करोड़ रुपये का नुक्सान दर्ज किया था। भारत में पांचवें सबसे बड़े सीमेंट समूह, न्युवोको ने लगातार मजबूत प्रदर्शन किया और न्युवोको ने बिक्री और आय में बढ़ोतरी के साथ लाभ भी कमाया है। तीसरी तिमाही में न्युवोको की कुल सीमेंट बिक्री 4.02 एमएमटी तक पहुंच गई और अपने पूरे संचालन से राजस्व 2,421 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री जयकुमार कृष्णास्वामी ने न्युवोको के ऑपरेशंस में शानदार सफलता और लागत दक्षता पर प्रकाश डालते हुए चुनौतीपूर्ण मांग स्थितियों के बीच न्युवोको की मजबूत ग्रोथ की सराहना की। उन्होंने कहा कि हरियाणा सीमेंट प्लांट में अतिरिक्त क्षमता और गुणवत्ता और इनोवेशन पर निरंतर जोर के साथ, न्युवोको का लक्ष्य पूर्व में अपनी नेतृत्व स्थिति को बनाए रखते हुए उत्तर में एक बड़ा बाजार हिस्सेदारी हासिल करना है।

झारखंड के स्कूल में शिक्षक ने दो सहकर्मियों की गोली मारकर हत्या की

रांची। झारखंड के गोड्डा जिले में एक सरकारी स्कूल के एक शिक्षक ने अपने दो सहकर्मियों की गोली मारकर कथित तौर पर हत्या कर दी और बाद में खुद को भी गोली मारकर बुरी तरह जख्मी कर लिया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना रांची से करीब 300 किलोमीटर दूर पोरइयाहाट के अपग्रेडेड हाई स्कूल में सुबह करीब 11 बजे घटी। गोड्डा के पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा ने पीटीआई-भाषा को बताया, दो शिक्षकों के शव स्कूल के एक कमरे में खून से लथपथ मिले जिनमें एक महिला थी। वहीं आरोपी शिक्षक भी गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिला है।

चंडीगढ़ विश्वविद्यालय के संस्थापक-कुलाधिपति सतनाम संधू राज्यसभा के लिए मनोनीत

भाषा। नई दिल्ली

चंडीगढ़ विश्वविद्यालय के संस्थापक-कुलाधिपति सतनाम सिंह संधू को मंगलवार को राज्यसभा के लिए मनोनीत किया गया।गृह मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संधू को संसद के ऊपरी सदन के लिए नामित किया है।अधिसूचना में कहा गया है कि किसान के बेटे संधू भारत के प्रमुख शिक्षाविदों में से एक हैं।इसमें कहा गया है, संधू एक कृषक भी हैं और शिक्षा प्राप्त करने के लिए उन्होंने संघर्ष किया। उन्हें 2001 में मोहाली में चंडीगढ़ ग्रुप ऑफ कॉलेजेज (सीजीसी) की स्थापना और 2012 में चंडीगढ़ विश्वविद्यालय की स्थापना का श्रेय जाता है। बयान के अनुसार, वह अपने दो गैर सरकारी संगठनों इंडियन माइनॉरिटीज़ फाउंडेशन और न्यू इंडिया डेवलपमेंट फाउंडेशन के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में सुधार और सांप्रदायिक सद्भाव को आगे बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर सामुदायिक प्रयासों में सक्रिय रूप से शामिल हैं। उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने संधू के राज्यसभा के लिए नामांकन का स्वागत किया।धनखड़ ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, सामुदायिक सेवा में उनका समृद्ध कार्य और शिक्षा, नवाचार और सीखने के प्रति उनका जुनून राज्यसभा के लिए ताकत का बड़ा स्रोत होगा।

जब तक जीवित हूं, बंगाल में सीएए लागू नहीं होने दूंगी: ममता

भाषा। रायगंज (पश्चिम बंगाल)

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने लोकसभा चुनाव से पहले सीएए का मुद्दा उठाने के लिए मंगलवार को भाजपा पर निशाना साधा और कहा कि वह अपने जीवनकाल में राज्य में इसे लागू नहीं होने देंगी। उत्तर दिनाजपुर जिले के रायगंज में सार्वजनिक वितरण कार्यक्रम के दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने लाभ लेने के लिए आगामी चुनावों से पहले नागरिकता (संशोधन) अधिनियम यानी सीएए का मुद्दा उठाया है। बनर्जी ने कहा, वे (भाजपा) चुनाव से पहले एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिक पंजी), सीएए और समान नागरिक संहिता के बारे में बात कर रहे हैं। यह राजनीति के अलावा कुछ नहीं है। हमने सभी को नागरिकता दी है (और) उन्हें (सीमावर्ती क्षेत्रों के लोगों) को सब कुछ मिल रहा है। वे नागरिक हैं, यही कारण है कि वे वोट देते हैं। बनर्जी ने कहा, मैं यह स्पष्ट कर दूं कि जब तक मैं जीवित हूं, पश्चिम बंगाल में इसे लागू नहीं होने दूंगी।बनर्जी ने केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता शांतनु ठाकुर के हालिया दावे पर प्रतिक्रिया देते हुए यह बात कही है। ठाकुर ने कहा था कि पूरे देश में एक सप्ताह के अंदर सीएए लागू किया जाएगा। रविवार को दक्षिण 24 परगना जिले के काकद्वीप में एक जनसभा के दौरान दिए गए ठाकुर के बयान ने विवादास्पद कानून को लागू किए जाने को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं।भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने वर्ष 2019 में सीएए को मंजूरी दी थी। कानून में 31 दिसंबर 2014 से पहले बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाइयों सहित प्रताड़ित गैर-मुस्लिम प्रवासियों को भारतीय नागरिकता प्रदान करने का प्रावधान है।

छत्तीसगढ़ में नक्सली हमले में सीआरपीएफ के तीन जवान शहीद

14 अन्य घायल हो गए

भाषा। रायपुर

छत्तीसगढ़ के बीजापुर और सुकमा जिलों की सीमा पर मंगलवार को नक्सलियों के साथ मुठभेड़ के दौरान दो कोबरा कमांडो समेत केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के कम से कम तीन जवानों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि तीन शहीद जवानों में दो कोबरा की 201वीं बटालियन के और एक सीआरपीएफ की 150वीं बटालियन का है। सीआरपीएफ की कमांडो बटालियन फॉर रिजॉल्यूट एक्शन (कोबरा) जंगल में युद्ध अभियान चलाने वाली इकाई है। पुलिस महानिदेशक (बस्तर रेंज) सुंदरराज पी. ने बताया कि यह घटना बीजापुर और सुकमा जिले की सीमा पर स्थित टेकलगुडेम गांव के समीप उस वक्त हुई, जब सुरक्षाकर्मियों का एक संयुक्त दल तलाश अभियान चला रहा था। उन्होंने बताया कि सोमवार को राजधानी रायपुर से करीब 450 किलोमीटर दूर अंतर-जिला सीमा पर माओवादियों का गढ़ माने जाने वाले टेकलगुडेम में सुरक्षाकर्मियों का एक नया शिविर स्थापित किया गया था। उन्होंने बताया कि शिविर स्थापित करने के बाद विशेष कार्य बल, जिला रिजर्व बल और कोबरा के कर्मी जुनागुड़ा-अलीगुड़ा गांवों के समीप तलाश अभियान चला रहे थे तभी नक्सलियों ने उन पर गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षा बलों ने भी जवाबी कार्वाई की। सुंदरराज ने बताया कि नक्सलियों को जब पता चला कि सुरक्षा कर्मी उन्हें घेर रहे हैं तो वे घटनास्थल से फरार हो गए। उन्होंने कहा, घटना में तीन जवान शहीद हो गए और 14 अन्य घायल हो गए हैं। मृतकों में से दो कोबरा की 201वीं बटालियन के और एक सीआरपीएफ की 150वीं बटालियन के थे। उन्होंने बताया कि घायल जवानों को एक अस्पताल में ले जाया जा रहा है। अप्रैल 2021 में भी इसी टेकलगुडेम जंगल में नक्सलियों के साथ मुठभेड़ में 23 सुरक्षाकर्मी मारे गए थे।

पी. सी. जॉर्ज की केरल जनपक्षम (सेक्युलर) की भाजपा में विलय की योजना

भाषा। कोट्टायम (केरल)

केरल के पूर्व विधायक पी. सी. जॉर्ज ने मंगलवार को संकेत दिया कि उनके नेतृत्व वाली केरल जनपक्षम (सेक्युलर) पार्टी का भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में विलय होने की संभावना है। जॉर्ज ने यहां समाचार चैनलों से बातचीत में कहा कि उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं की सामान्य भावनाएं भाजपा में शामिल होने के पक्ष में हैं और इस संबंध में निर्णय लोकसभा चुनाव से पहले किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा कोई निर्णय लिया जाता है तो यह विलय नहीं होगा क्योंकि हमारी पार्टी बहुत छोटी है और यह नदी में मिलने वाली एक छोटी धारा की तरह होगी। केरल विधानसभा में 30 साल से अधिक समय तक पूंजर सीट का प्रतिनिधित्व करने वाले जॉर्ज ने नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा की और कहा कि भारत को इतना कुशल प्रधानमंत्री कभी नहीं मिला और पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच यही राय है कि उनका (प्रधानमंत्री का) समर्थन किया जाए। यह पूछे जाने पर कि अगर वह भाजपा में शामिल होते हैं तो क्या वह लोकसभा चुनाव लड़ेंगे, उन्होंने कहा, अगर भाजपा मुझसे चुनाव लड़ने के लिए कहेगी तो मैं लड़ूंगा, अगर नहीं तो मैं नहीं लड़ूंगा। कोट्टायम जिले के पूंजर निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले सात बार के पूर्व विधायक जॉर्ज ने 1982 से 1987 और 1996 से 2022 तक कुल 33 वर्षों तक केरल विधानसभा में प्रतिनिधित्व किया। 2016 के विधानसभा चुनावों के बाद अपनी खुद की पार्टी केरल जनपक्षम (सेक्युलर) बनाने से पहले वह केरल कांग्रेस, केरल कांग्रेस (जोसेफ), केरल कांग्रेस (मणि) और केरल कांग्रेस (सेक्युलर) जैसे विभिन्न राजनीतिक दलों से जुड़े थे। अपने राजनीतिक करियर के दौरान जॉर्ज यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) सरकार के सत्ता में रहने पर 2011 से 2015 तक केरल विधानसभा के मुख्य सचेतक जैसे पदों पर रहे। बाद में उन्होंने 2017 में अपनी पार्टी की स्थापना की। जॉर्ज 2021 के विधानसभा चुनावों में त्रिकोणीय मुकाबले में वाम लोकतांत्रिक मोर्चा के उम्मीदवार से अपने गढ़ पूंजर क्षेत्र में चुनाव हार गए थे।

राष्ट्रीय महत्व के संस्थान में राष्ट्रीय संरचना झलकनी चाहिए: सरकार ने एएमयू मामले पर न्यायालय से कहा

भाषा। नई दिल्ली

केंद्र ने मंगलवार को उच्चतम न्यायालय से कहा कि राष्ट्रीय महत्व के किसी संस्थान में राष्ट्रीय संरचना झलकनी चाहिए। केंद्र ने साथ ही यह भी कहा कि अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) में पढ़ने वाले करीब 70 से 80 प्रतिशत छात्र आरक्षण के बिना भी मुस्लिम हैं। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्त, न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की सात-न्यायाधीशों की संविधान पीठ एएमयू के अल्पसंख्यक दर्जा संबंधी जटिल मुद्दे पर दलीलें सुन रही है। केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ से कहा कि मामले का निर्णय करने में सामाजिक न्याय एक बहुत ही निर्णायक कारक होगा। मेहता ने पीठ से कहा, "आपको इस बात को ध्यान में रखना होगा कि पक्षों के बीच यह लगभग स्वीकृत स्थिति है कि आरक्षण के बिना भी, लगभग 70 से 80 प्रतिशत छात्र मुस्लिम हैं। उन्होंने कहा, मैं धर्म पर बात नहीं कर रहा हूं। यह एक बहुत ही गंभीर विषय है। संविधान द्वारा घोषित राष्ट्रीय महत्व की संस्था को राष्ट्रीय संरचना को प्रतिबिंबित करना चाहिए। आरक्षण के बिना, यह स्थिति है। शीर्ष अदालत में दायर अपनी लिखित दलील में, मेहता ने कहा है कि एक अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान को केंद्रीय शिक्षण संस्थान (प्रवेश में आरक्षण) अधिनियम, 2006 (2012 में संशोधित) की धारा 3 के तहत आरक्षण नीति लागू करने की आवश्यकता नहीं है। छठे दिन की सुनवाई के दौरान मेहता ने आरक्षण पहलू का जिक्र करते हुए कहा कि एएमयू बेहतरीन विश्वविद्यालयों में से एक है और इसे राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में मान्यता प्राप्त है। उन्होंने कहा, इसलिए, अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के योग्य उम्मीदवार या सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग के व्यक्ति को आरक्षण नहीं मिलेगा, लेकिन आर्थिक रूप से साधन संपन्न व्यक्ति को महज धर्म के आधार पर आरक्षण मिलेगा...।

मालदीव में आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या में भारतीय पांचवें स्थान पर पहुंचे

नई दिल्ली। मालदीव आने वाले विदेशी पर्यटकों में पहले सर्वाधिक संख्या भारतीयों की होती थी जो नई दिल्ली और माले के बीच कूटनीतिक विवाद के बीच पिछले कुछ सप्ताह में कम होकर पांचवें स्थान पर आ गई है। मालदीव के पर्यटन मंत्रालय द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों में इस द्वीपीय देश की यात्रा करने वाले भारतीय मुसाफिरों की संख्या में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। आंकड़े बताते हैं कि पिछले तीन साल में हर साल दो लाख से अधिक भारतीयों ने मालदीव का भ्रमण किया जो कोविड-19 महामारी के बाद किसी देश के पर्यटकों की सर्वाधिक संख्या है। हालांकि, भारतीयों के लिए पसंदीदा गंतव्य रहे इस देश को अब आलोचना का सामना करना पड़ रहा है जिसके तीन कैबिनेट मंत्रियों ने इस महीने की शुरुआत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लक्षद्वीप की यात्रा के बाद उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां की थीं। आंकड़ों के अनुसार मालदीव में इस साल 28 जनवरी तक 1.74 लाख से अधिक पर्यटक आए हैं।

हनुमान ध्वज विवाद : पंचायत विकास अधिकारी निलंबित

● मुख्यमंत्री ने कहा शांति भंग कर रहे गोडसे के वंशज

भाषा। बेंगलुरु

मांड्या के एक गांव में हनुमान ध्वज हटाने को लेकर हुए विवाद के संबंध में पंचायत के एक अधिकारी को निलंबित कर दिया गया। वहीं मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने कहा कि राज्य में शांति भंग करने के लिए गोडसे के वंशज जिम्मेदार हैं। एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि हनुमान ध्वज हटाने को लेकर केरागोडु गांव में तनाव फैल गया था लेकिन हालात अब सामान्य हो गए हैं। मांड्या में 108 फुट ऊंचे ध्वजस्तंभ से हनुमान ध्वज हटाए जाने के खिलाफ सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल सेक्युलर ने व्यापक विरोध-प्रदर्शन किया। वहीं मुख्यमंत्री ने विपक्षी दलों पर राजनीतिक लाभ प्राप्त करने के लिए विरोध प्रदर्शन करने का आरोप लगाया। महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर यहां उन्हें श्रद्धांजलि देने के बाद संवाददाताओं से बातचीत में सिद्धरमैया ने कहा, हमारे बीच ऐसे लोग भी हैं, जो (नाथूराम) गोडसे की पूजा करते हैं हालांकि वे महात्मा गांधी के बारे में भी बात करते हैं। मांड्या में तनावपूर्ण स्थिति के बारे में सिद्ध

इजरायल का वेस्ट बैंक पर हमला, तीन आतंकी ढेर

अस्पताल में छिपे थे फलस्तीनी आतंकवादी

जेनिन। असैन्य महिलाओं और चिकित्सा कर्मियों के भेष में इजरायली बलों ने मंगलवार को वेस्ट बैंक में एक अस्पताल पर हमला किया, जिसमें एक नाटकीय हमले में तीन फलस्तीनी आतंकवादियों की मौत हो गई। इससे पता चलता है कि गाजा में युद्ध से क्षेत्र में कितनी घातक हिंसा फैल गई है। फलस्तीन के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि इजराइली बलों ने जेनिन कस्बे में स्थित इब्न सिना अस्पताल के वार्डों में गोलीबारी शुरू कर दी। मंत्रालय ने हमले की निंदा की और अंतरराष्ट्रीय समुदाय का आह्वान किया कि अस्पतालों में इस तरह के अभियानों पर रोक लगाने के लिए इजराइल की सेना पर दबाव बनाया जाए। अस्पताल के एक प्रवक्ता ने कहा कि दोनों तरफ से गोलीबारी नहीं हुई जिससे संकेत मिलता है कि यह निशाना साधकर लोगों को मारने का मामला है। सेना ने कहा कि आतंकवादी छिपने के लिए अस्पताल का इस्तेमाल कर रहे थे। हालांकि उसने इस बाबत सबूत पेश नहीं किए।

नेतन्याहू ने गाजा से हटने या हजारों आतंकवादियों की रिहाई से इनकार किया, हमास ने की थी मांग

यरुशलम। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मंगलवार को कहा कि गाजा से कोई सैन्य वापसी या जेल में बंद हजारों आतंकवादियों की रिहाई नहीं होगी। फिलहाल चल रही अप्रत्यक्ष संघर्ष विराम वार्ता में हमास की तरफ से रखी गई यह दो मांग प्रमुख है। कब्जे वाले पश्चिमी तट में एक कार्यक्रम के दौरान, उन्होंने एक बार फिर संकल्प जताया कि हमास पर पूर्ण विजय के बिना युद्ध समाप्त नहीं होगा। उन्होंने कहा, हम अपने सभी लक्ष्यों को हासिल किए बिना युद्ध खत्म नहीं करेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा, हम गाजा पट्टी से इजरायली सेना को नहीं हटाएंगे और हजारों आतंकवादियों को रिहा नहीं करेंगे।

असमंजस में नेतान्याहू, एक ओर बंधकों की रिहाई की चुनौती तो दूसरी ओर युद्ध खत्म करने का दबाव

लॉस एंजिलिस। हमास-इजराइल युद्ध को चार महीने पूरे होने वाले है, ऐसे में कुछ इजराइली गाजा पट्टी से शेष 136 बंधकों को छुड़ाने में इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतान्याहू और उनकी सरकार की विफलता को लेकर लगातार आक्रोश प्रकट कर रहे है। इजराइली प्रदर्शनकारियों ने नेतान्याहू के इस्तीफे की मांग की है जबकि बंधक बनाए गए लोगों के परिवारों के दर्जनों सदस्यों ने 22 जनवरी 2024 को इजराइली संसद पर धावा बोल दिया और बंधकों की रिहाई के लिए समझौता करने की मांग की। द कन्वरसेशन ने इजराइल में जनता की नब्ज को बेहतर ढंग से समझने के लिए इजराइली राजनीति और इजराइल-फलस्तीन विवाद के जानकार डोव वैक्समैन से बात की। साथ ही वैक्समैन से यह जानने की भी कोशिश की कि वह और कुछ अन्य जानकार यह क्यों कह रहे है कि नेतान्याहू युद्ध खत्म नहीं करना चाहते। युद्ध को लेकर इजराइली जनता की राय कैसे बदल रही है? युद्ध के पहले तीन महीनों में, इजराइलियों, विशेष रूप से यहूदी इजराइलियों ने, युद्ध और हमास को हराने व नष्ट करने के सरकार के घोषित लक्ष्य का पुरजोर समर्थन किया था। वह सर्वसम्मति और एकता तेजी से कमजोर हो रही है।

पर्ड्यू विश्वविद्यालय में लापता हुए भारतीय छात्र की मौत की पुष्टि हुई

वाशिंगटन। अमेरिका के इंडियाना राज्य में स्थित प्रतिष्ठित पर्ड्यू विश्वविद्यालय के लापता भारतीय छात्र की मौत हो गई है। विश्वविद्यालय ने इसकी पुष्टि की। भारतीय छात्र नील आचार्य रविवार को लापता हो गया था। पर्ड्यू के परिसर में मौरिस जे. जुक्रो प्रयोगशाला के पास नील का शव मिलने के बाद टिप्पेकेनो काउंटी कोरोनर कार्यालय के अधिकारियों को इसकी जानकारी दी गई।विश्वविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान विभाग के अंतरिम प्रमुख क्रिस क्लिफ्टन ने सोमवार को विभाग को भेजे एक ईमेल में कहा, बहुत दुख के साथ मैं आपको सूचित कर रहा हूं कि हमारे एक छात्र नील आचार्य का निधन हो गया है। कंप्यूटर विज्ञान विभाग उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त करता है। मैं उनके जाने से बहुत दुखी हूं। मेरी संवेदनाएं उनके दोस्तों, परिवार और सभी प्रभावित लोगों के साथ हैं।

क्विक न्यूज

उत्तर कोरिया ने इस महीने में तीसरी बार दागी क्रूज मिसाइलः दक्षिण कोरिया

सियोल। उत्तर कोरिया ने मंगलवार को पश्चिमी तट के पास समुद्र में कई क्रूज मिसाइले दागी जो इस महीने मे उसका इस प्रकार का तीसरा परीक्षण है। दक्षिण कोरिया ने यह जानकारी दी। यह परीक्षण ऐसे समय मे किया गया है जब क्षेत्र मे तनाव पहले से बढ़ा हुआ है। उत्तर कोरिया द्वारा हथियारो का प्रदर्शन और अमेरिका, दक्षिण कोरिया एवं जापान के संयुक्त सैन्य अभ्यास बढ़ गए है। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफस ऑफ स्टाफ ने कहा कि दक्षिण कोरियाई और अमेरिकी सेनाएं इन प्रक्षेपणो का विश्लेषण कर रही है। अभी यह जानकारी नही दी गई है कि कितनी मिसाइले दागी गईं या वे कितनी दूर तक पहुंची।इससे पहले उत्तर कोरिया ने 24 जनवरी और 28 जनवरी को भी इसी प्रकार के परीक्षण किए थे।

अमेरिका, चीन के अधिकारियों ने बैंकॉक में 12 घंटे से अधिक समय तक बैठक कीः व्हाइट हाउस

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन और उनके चीनी समकक्ष वांग ई ने बैंकॉक मे 12 घंटे से अधिक समय तक बैठके की। अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस ने सोमवार को यह जानकारी दी। व्हाइट हाउस मे रणनीतिक संचार के लिए एनएससी (राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद) समन्वयक जॉन किर्बी ने संवाददाताओ से कहा, सप्ताहांत मे राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने चीन के अपने समकक्ष वांग ई के साथ बैंकॉक मे 12 घंटे से अधिक समय तक बैठके की। किर्बी ने कहा, सुलिवन और वांग ने नवंबर मे (अमेरिका के) राष्ट्रपति (जो) बाइडन और (चीन के) राष्ट्रपति शी (चिनफिंग) के बीच बैठक के बाद प्रमुख मुद्दो पर प्रगति का जायजा लिया। इसमे सैन्य-से-सैन्य संचार को फिर से शुरू करने के प्रयास, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से जुड़े सुरक्षा के मुद्दो और जोखिमो से निपटना और द्विपक्षीय नशीले पदार्थ रोधी सहयोग को आगे बढ़ाने पर चर्चा की गई।

सरकारी डेटा चुराने की साजिश में दो भारतीय अमेरिकी नागरिकों को जेल की सजा

वाशिंगटन। अमेरिका की एक अदालत ने सरकार के संवदेनशील डेटा चुराने की साजिश रचने मे संलिप्तता के लिए दो भारतीय अमेरिकी नागरिको समेत तीन पूर्व संघीय कर्मचारियो को सजा सुनाई है। न्याय विभाग ने बताया कि तीनो को शुक्रवार को एक वाणिज्यिक उद्यम मे उपयोग के लिए सरकार के एक सॉफ्टवेयर और संवेदनशील कानून-प्रवर्तन डेटाबेस को चुराने के लिए सजा सुनाई गई। वाशिंगटन डीसी के वर्जीनिया उपनगर के मुरली वाई वेंकट (58) को चार महीने जबकि वर्जीनिया की ही सोनल पटेल (49) दो साल की सजा सुनाई गई है जिनमे से एक साल घर मे नजरबंद रहना होगा। मैरीलैंड के चार्ल्स एडवर्ड (63) को 18 महीने की जेल की सजा सुनाई गई है। अदालत के दस्तावेजो के अनुसार, वेंकट, पटेल और एडवर्ड तीनो अमेरिकी डाक सेवा के महानिरीक्षक के कार्यालय मे नौकरी करते थे। उन्होने संवेदनशील सूचना वाले डेटाबेस और अमेरिकी सॉफ्टवेयर को चुराने की साजिश रची थी।

दुनिया में बढ़ेगी देशी फोन की धूम

ग्लोबल। स्मार्टफोन ब्रैंड, टेक्नो ने अपने स्लोगन स्टॉप एट नथिंग को वास्तविकता में बदलते हुए, 30 जनवरी, 2024 को अपनी ऑल-राउंडर स्पार्क सीरीज के नवीनतम एडिशन- स्पार्क 20 को लॉन्च किया है। दुनिया भर के भारतीयों के लिए प्रीमियम हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर तकनीक बेहद सुलभ हो गई है। इसे विस्तार से जानने के लिए, अमेज़ॅन और टेक्नो के सोशल हैंडल्स पर स्मार्टफोन का आकर्षक टीज़र प्रस्तुत किया गया है, जिसमें दीपिका पादुकोण के हाथों में यह प्रीमियम डिवाइस दिखाया गया है। वर्ष 2024 में बदलाव को अपनाते हुए, अपने गतिशील ब्रैंड एंबेसेडर के साथ टेक्नो नवाचार को और भी अधिक स्टाइलिश बनाने और आज के यूजर्स की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए दृढ़ता से काम कर रहा है। टेक्नो की स्पार्क सीरीज़ ने ऑल-इन-वन स्मार्टफोन के रूप में लगातार यूजर्स का दिल जीता है। इस सीरीज को विशेष रूप से यूजर्स को संपूर्ण अनुभव प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है।

भारतीय मूल के युगल को ऑस्ट्रेलिया में कोकीन भेजने के आरोप में दोषी ठहराया गया

लंदन। ब्रिटेन मे भारतीय मूल के युगल को ऑस्ट्रेलिया मे आधे टन से अधिक कोकीन भेजने का दोषी ठहराया गया है। जांच के बाद पता चला कि वे एक कंपनी से जुड़े थे। उन्होने कंपनी के नाम पर धातु के टूलबॉक्स की आड़ मे छिपाकर कोकीन विमान से ऑस्ट्रेलिया भेजी थी। भारत ने आरोपियो के प्रत्यर्पण की मांग की है। जांच एजेंसी ने सोमवार को एक बयान मे कहा कि मई 2021 मे सिडनी पहुंचने पर ऑस्ट्रेलियाई सीमा बल ने 5.7 करोड़ पाउंड की कोकीन पकड़ी और राष्ट्रीय अपराध एजेंसी (एनसीए) के जांचकर्ताओ ने इसे भेजने वाले की पहचान ईलिंग के हनवेल की 59 वर्षीय आरती धीर और 35 वर्षीय कवलजीत सिंह रायजादा के रूप मे की। धीर और रायजादा ने ऑस्ट्रेलिया मे कोकीन भेजने और धन शोधन के आरोपो से इनकार किया है। सोमवार को साउथवार्क क्राउन कोर्ट मे सुनवाई के बाद न्यायाधीशो की जूरी ने उन्हे निर्यात के 12 मामलो और धन शोधन के 18 मामलो मे दोषी ठहराया। उन्हे मंगलवार को इसी अदालत मे सजा सुनाई जाएगी।

इंडियावुड वैश्विक शिखर सम्मेलन भारत में

बेंगलुरू। वुडवर्किंग और फर्नीचर उत्पादन प्रौद्योगिकी हेतु एक वैश्विक शिखर सम्मेलन का 13वां संस्करण बैंगलोर अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी केंद्र, बेंगलुरू में व्यापक रूप से लकड़ी और फर्नीचर उत्पादन प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन करेगा। 75,000 वर्गमीटर तक फैले प्रदर्शनी क्षेत्र के इस कार्यक्रम में 50 से अधिक देशों की 950 से अधिक कंपनियां और 75,000 से अधिक व्यापार आगंतुक भाग लेंगे। यह कार्यक्रम नवीनतम नवाचारों और प्रौद्योगिकी की झलक पेश करने के साथ अद्वितीय नेटवर्किंग का अवसर प्रदान करेगा। आयोजन के प्रभाव को लेकर न्यूर्नबर्गमेस्से इंडिया के समूह निदेशक शिवकुमार वेणुगोपाल ने संक्षेप में कहा, इंडियावुड, उद्योग के विकास के लिए उत्प्रेरक के रूप में वुडवर्किंग और फर्नीचर उत्पादन के परिदृश्य को अधिक प्रभावशाली बनाता है। इसका प्रभाव तकनीकी प्रगति, सहयोगात्मक प्रगति और उद्योग के भविष्य को आकार देने के लिए निरंतर प्रतिबद्धत है। इंडियावुड 2024, आयोजन के इतिहास में सबसे बड़ा, यह कार्यक्रम दुनिया भर से उद्योग जगत के नेताओं, प्रौद्योगिकी आपूर्तिकर्ताओं और खरीदारों को एक साथ लाएगा। इसमें विशेषज्ञों और विचारकों के नेतृत्व में सेमिनारों, कार्यशालाओं और पैनल चर्चाओं की एक विस्तृत श्रृंखला भी शामिल रहेगी। इस आयोजन में विशेषज्ञों और विचारकों के नेतृत्व में सेमिनारों, कार्यशालाओं और पैनल चर्चाओं की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल होगी।

हांगकांग ने राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लागू करने के लिए लोगों से मशविरा लेना शुरू किया

हांगकांग। हांगकांग ने राष्ट्रीय सुरक्षा कानून को लागू करने की प्रक्रिया के तहत मंगलवार को सार्वजनिक रूप से लोगो से सलाह-मशविरा लेना शुरू कर दिया है। नागरिक स्वतंत्रता का हनन होने के डर से स्थानीय लोग कई वर्षो से इस कानून का विरोध करते आ रहे है। चीन ने 2020 मे हांगकांग मे एक राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लागू किया था और इसके बाद विरोधियो के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई थी। विरोध के दौरान शहर के कई प्रमुख लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ताओ को गिरफ्तार किया गया, खामोश करा दिया गया या स्वनिर्वासन के लिए मजबूर किया गया।इतना ही नही, कई नागरिक समाज समूहो को भंग कर दिया गया और एप्पल डेली और स्टैंड न्यूज जैसे मुखर मीडिया प्रतिष्ठानो को बंद करने के लिए मजबूर किया गया।

पर्यावरण अनुकूल व्यापार की मांग बढ़ी

ग्लोबल। पर्यावरण-अनुकूल पेंट्स और 23 बिलियन अमेरिकी डॉलर के मूल्यांकन वाले जेएसडब्ल्यू ग्रुप की सहायक कंपनी, जेएसडब्ल्यू पेंट्स ने 5 वर्ष पहले अपनी स्थापना के बाद से इंडस्ट्री की तुलना में अपने व्यवसाय में 5 गुना अधिक वृद्धि दर्ज की है। वित्त वर्ष 22 में 1,000 करोड़ रुपए का अभूतपूर्व आँकड़ा पार करने के बाद, जेएसडब्ल्यू पेंट्स अब 15 महीनों के भीतर 2,000 करोड़ रुपए के रन-रेट की महारत हासिल कर चुका है। कंपनी वित्त वर्ष 24 में 2,000 करोड़ रुपए से अधिक के टर्नओवर को प्राप्त करने की ओर अग्रसर है। कंपनी को दृढ़ विश्वास है कि यह इससे भी कम समय में अपना अगला राजस्व 1,000 करोड़ रुपए हासिल करेगी, जो चालू वित्त वर्ष में 9 महीनों के भीतर पहले ही 1,500 करोड़ रुपए का आँकड़ा पार कर चुकी है। ये उपलब्धियाँ जेएसडब्ल्यू पेंट्स को न सिर्फ एक अद्वितीय कंपनी के रूप में पहचान दिलाती हैं, बल्कि इसे देश में छठी सबसे बड़ी पेंट्स कंपनी के अपने वर्तमान स्थान से ऊपर उठाकर कुछ ही वर्षों में सबसे बड़ी चौथी कंपनियों में से एक बनने के लिए भी तैयार करती हैं। पार्थ जिंदल, मैनेजिंग डायरेक्टर, जेएसडब्ल्यू पेंट्स, ने कहा, हमारा प्रयास शुरू से ही एक मजबूत समग्र जल-आधारित पेंट्स पोर्टफोलियो बनाने का रहा है, जिसने हमें भारतीय उपभोक्ताओं की तेजी से विकसित हो रही प्राथमिकताओं को पूरा करने के लिए एक प्रभावशाली स्थिति प्रदान की है।

फिलीपीन और वियतनाम ने विवादित दक्षिण चीन सागर को लेकर समझौता किया

हनोई (वियतनाम)। विवादित दक्षिण चीन सागर मे टकराव को रोकने के लिए फिलीपीन और वियतनाम के बीच मंगलवार को एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता फिलीपीन के राष्ट्रपति फर्डिनांडो मार्कोस जूनियर की हनोई यात्रा के दौरान हुआ। दक्षिण चीन महासागर नौवहन के लिए सबसे महत्वपूर्ण जलमार्गों मे से एक है। इसको लेकर फिलीपीन और वियतनाम सहित कई देशो का चीन के साथ समुद्री विवाद जारी है। चीन लगभग पूरे दक्षिण चीन सागर पर संप्रभुता का दावा करता है। इतना ही नही, चीन और फिलीपीन के जहाजो के बीच पिछले एक साल से विवादित जल क्षेत्र मे टकराव देखने को मिल रहा है, जिससे तनाव के व्यापक होने की आशंका भी बढ़ गई है। फिलीपीन सरकार ने एक बयान मे कहा कि वह और वियतनाम समुद्री मुद्दो पर समन्वय को बढ़ाने और विश्वास तथा भरोसे के साथ काम करने के लिए मंगलवार को सहमत हो गए है।

पाकिस्तान में आम चुनाव के लिए मतपत्रों की छपाई शुक्रवार तक पूरी हो जाएगी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के चुनाव अधिकारियो ने कहा है कि आठ फरवरी को होने वाले आम चुनावो के लिए मतपत्रो की छपाई शुक्रवार तक पूरी हो जाएगी। मंगलवार को मीडिया मे आई एक खबर मे यह जानकारी दी गई है। पाकिस्तान मे अगले बृहस्पतिवार को नेशनल असेंबली और चार प्रांतो की विधानसभाओ के चुनाव होने है और चुनाव प्रचार जोर-शोर से जारी है। द न्यूज इंटरनेशनल की खबर के अनुसार, पाकिस्तान निर्वाचन आयोग (ईसीपी) ने कहा कि चार प्रांतो मे एक साथ सुरक्षा कर्मियो की मदद से मतपत्रो की आपूर्ति जारी है और मतपत्रो की छपाई दो फरवरी तक पूरी हो जाएगी। खबर मे कहा गया है कि तीन सरकारी प्रेस मे मतपत्रो की छपाई संतोषजनक ढंग से जारी है।

श्रीलंका में मछली पकड़ने के लिए 10 भारतीय मछुआरों को सजा

कोलंबो। श्रीलंका की एक अदालत ने देश के जलक्षेत्र मे मछली पकड़ने के लिए 10 भारतीय मछुआरो को दो वर्ष की निलंबित सजा सुनाई। उत्तरी जाफना प्रायद्वीप के पॉइंट पेड्रो के मजिस्ट्रेट ने सोमवार को सजा सुनाते हुए नौका के मालिक को 24 अक्टूबर को अगली सुनवाई के दौरान अदालत मे पेश होने का आदेश भी दिया। अवैध रूप से मछली पकड़ने के मामले मे नौका जब्त की जा चुकी है। दो साल की जेल की सजा को पांच साल के लिए निलंबित करने का मतलब है कि मछुआरे वास्तव मे जेल नही जाएंगे बल्कि उनकी सजा पांच साल के लिए निलंबित कर दी गई है।

कनाडा : भारतीय मूल के युवक की हत्या के मामले में किशोर गिरफ्तार

ओटावा। कनाडा के एक शहर मे भारतीय मूल के एक युवक की हत्या के मामले मे उसके हमवतन किशोर को गिरफ्तार किया गया। पुलिस मामले की जांच मे मदद के लिए अन्य जानकारियां जुटाने और वीडियो फुटेज खंगालने मे जुटी है।कनाडा के ओंटारियो प्रांत के ब्रैम्पटन शहर मे रहने वाले 18 वर्षीय निशान थिंड को पिछले वर्ष 19 दिसंबर को वहां के एक स्थानीय अस्पताल मे भर्ती कराया गया था।पुलिस को सूचना दी गई कि अस्पताल पहुंचने के बाद उसकी मौत हो गई। पील क्षेत्रीय पुलिस ने एक बयान मे बताया, ऐसा माना गया कि उसे (थिंड को) किसी अज्ञात स्थान व समय पर गोली मारी गई और बाद मे अस्पताल मे छोड़ दिया गया।

कनाडा में जानलेवा सड़क दुर्घटना में दोषी भारतीय को निर्वासित किया गया

ओटावा। कनाडा मे हुई एक सड़क दुर्घटना मे दोषी ठहराए जाने के बाद एक भारतीय व्यक्ति को निर्वासित कर दिया गया। व्यक्ति को वर्ष 2019 मे हुई दुर्घटना मे दोषी ठहराया गया था जिसमे देश के अल्बर्टा प्रांत मे दो महिलाओ की मौत हो गई थी। मीडिया की एक खबर मे कहा गया कि छात्र वीजा पर 2016 मे कनाडा पहुंचे विपिनजोत गिल ने 15 जनवरी को देश छोड़ दिया था। देश की एक संघीय अदालत के न्यायाधीश ने निर्वासन आदेश पर रोक लगाने के उसके प्रयासो को इस महीने की शुरुआत मे खारिज कर दिया था। गिल ने अपनी ह्युंडई कार को गति सीमा से दोगुनी रफ्तार से चलाते हुए 18 मई, 2019 को लाल बत्ती पार कर एक टोयोटा कोरोला कार को टक्कर मार दी थी।

सिडनी हार्बर में शार्क हमले में महिला गंभीर रूप से घायल

सिडनी। सिडनी हार्बर मे सोमवार को बुल शार्क के हमले मे एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। स्थानीय अधिकारियो ने यह जानकारी दी। पीड़ित महिला, जिसकी उम्र लगभग 20 वर्ष के आसपास बताई जा रही है, उसे शार्क ने सोमवार रात लगभग आठ बजे सिडनी के पूर्व मे एलिजाबेथ बे मे तैरते समय दाहिने पैर मे काट लिया था। एक

पाकिस्तान : इमरान खान, कुरैशी को गोपनीयता उल्लंघन मामले में 10 साल की सजा

भाषा। इस्लामाबाद

जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी को गोपनीयता का उल्लंघन करने के मामले में मंगलवार को 10-10 साल जेल की सजा सुनाई गई। इसके साथ ही आठ फरवरी को होने वाले आम चुनाव में सत्ता में लौटने के उनके प्रयास को झटका लगा है। शासकीय गोपनीयता अधिनियम के तहत रावलपिंडी की अडियाला जेल में स्थापित की गई विशेष अदालत में मामले की सुनवाई के बाद न्यायाधीश अबुल हसनत जुल्करनैन ने दोनों नेताओं को सजा सुनाई।भ्रष्टाचार के मामले में दोषी पाए जाने के बाद खान पहले ही तीन साल की जेल की सजा काट रहे हैं। इस मामले का संबंध गोपनीय राजनयिक दस्तावेज के खुलासे से हैं। खान ने 27 मार्च, 2022 को एक सार्वजनिक रैली में अमेरिका का नाम लेते हुए दावा किया था कि यह उनकी सरकार को गिराने की एक अंतरराष्ट्रीय साजिश का सबूत है। संघीय जांच एजेंसी ने पिछले साल 15 अगस्त को खान और कुरैशी के खिलाफ मामला दर्ज किया था। यह फैसला आठ फरवरी को होने वाले आम चुनाव से नौ दिन पहले आया है। खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) अपने नेताओं पर कार्वाई और बिना चुनावी चिह्न के यह चुनाव लड़ रही है। डॉन की खबर के अनुसार, इमरान और कुरैशी दोनों जेल में हैं। इमरान की उम्मीदवारी खारिज कर दी गई है जबकि कुरैशी को थार से नेशनल असेंबली की सीट पर चुनाव लड़ने की मंजूरी दे दी गई है। लेकिन आज की सजा का मतलब है कि दोनों अगले पांच साल तक चुनाव लड़ने से अयोग्य हो गए हैं।खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने घटनाक्रम की पुष्टि करते हुए कहा कि यह एक झूठा मामला है। मीडिया या जनता को इससे दूर रखा गया। उनकी पार्टी ने व्हॉट्सएप संदेश में कहा, हमारी कानूनी टीम इस फैसले को उच्च अदालत में चुनौती देगी। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने मामले की लचर सुनवाई के तहत दो बार कार्यवाही को रद्द कर दिया था, मीडिया तथा जनता की पहुंच का आदेश दिया था। फिर भी कानूनी टीम को जाने नहीं दिया गया, उसे अलग रखा गया और जल्दबाजी में निर्णय लिया गया। ऐसे में उम्मीद है कि उपरोक्त तथ्यों के मद्देनजर सजा को निलंबित कर दिया जाएगा। पीटीआई नेताओं को पहली बार अक्टूबर 2023 में दोषी ठहराया गया था, लेकिन इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने इस फैसले को पलट दिया था। दिसंबर में उन्हें फिर से दोषी ठहराया गया। पीटीआई नेता गौहर खान ने कहा कि विशेष अदालत के न्यायाधीश ने जल्दबाजी में फैसला सुनाया। मुकदमे की सुनवाई कानून और संविधान के अनुसार नहीं की गई।

ह्यूस्टन में आसमान में लहराया जय श्री राम का बैनर

भाषा। ह्यूस्टन

अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के एक सप्ताह के बाद भी भारतीय अमेरिकियों के बीच उत्साह का माहौल है और अमेरिका के ह्यूस्टन शहर में हवाई जहाज से एक बैनर लहराया गया जिस पर लिखा था, यूनिवर्स चैंट्स जय श्री राम यानी ब्रह्मांड में गूंज रहा जय श्री राम का मंत्र। ह्यूस्टन में पिछले दिनों कंपकंपाती सर्दी और बारिश के बाद परंपरागत भारतीय परिधान पहने भारतवंशी लोग रविवार को गुजरात समाज और अन्य स्थानों पर जमा हुए। वे भगवा झंडे हाथ में लिए हुए जय श्री राम के नारे लगा रहे थे। जिस विमान पर यह बैनर लहराया गया, उसके पायलट का भी जय श्री राम के नारे लगाकर अभिनंदन किया गया। आयोजकों ने रविवार को दोपहर। से 3 बजे के बीच पूरे ह्यूस्टन में अपनी तरह के पहले हवाई बैनर के बारे में प्रचार किया। भारतीय मूल के लोग आसमान में निहारते रहे। इसके लिए प्रचार करने वाले फ्लायर पर लिखा था, आसमान पर नजर रखें और जब आप अपने इलाके में विमान को देखें तो जय श्री राम के नारे लगाएं। इस शो के आयोजक उमंग मेहता ने पीटीआई-भाषा से कहा, 500 साल के संघर्ष के बाद श्री राम मंदिर के उद्घाटन का उत्सव मनाने के लिए इस कार्यक्रम की कल्पना की गई और इस तरह का संदेश दिया गया जो हिंदुओं के बीच गूंजता रहे।

भारत एवं सिंगापुर खाद्य सुरक्षा, हरित विकास, उभरती तकनीक पर काम कर रहे हैंः भारतीय उच्चायुक्त

भाषा। सिंगापुर

सिंगापुर में भारत के उच्चायुक्त शिल्पक अंबुले ने यहां कहा कि भारत-सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन (आईएसएमआर) द्वारा चिह्नित किए गए नए क्षेत्रों में काम जारी है जिनमें खाद्य सुरक्षा, हरित विकास एवं उभरती तकनीक शामिल है। अंबुले ने 75वें गणतंत्र दिवस समारोह संबंधी एक कार्यक्रम में सोमवार रात कहा, आईएसएमआर ने सहयोग के विशिष्ट स्तंभों की पहचान की है और खाद्य सुरक्षा, डिजिटल परिवर्तन, हरित विकास, कौशल और उभरती प्रौद्योगिकियों के इन नए क्षेत्रों में काम जारी है। आईएसएमआर नेताओं के नेतृत्व वाला मंच है जो कोविड-19 महामारी से उबरने के चरण में तेजी से बदल रहे भू-राजनीतिक घटनाक्रम और आपूर्ति श्रृंखला में मौजूदा व्यवधानों को देखते हुए पारस्परिक रूप से लाभप्रद सहयोग के अवसरों का पता लगाता है। सिंगापुर की संचार और सूचना मंत्री, साइबर सुरक्षा एजेंसी और स्मार्ट नेशन इनिशिएटिव की प्रभारी मंत्री जोसेफाइन तियो इस कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि थे। अंबुले ने कहा कि इन क्षेत्रों की बात करें तो सिंगापुर एक अपरिहार्य भागीदार है और इन क्षेत्रों में सक्रिय सहयोग जारी है। उन्होंने कहा, भारत और सिंगापुर रणनीतिक साझेदार हैं और मधुर एवं मैत्रीपूर्ण ऐतिहासिक संबंध साझा करते हैं। उन्होंने कहा, सिंगापुर एफडीआई (प्रत्यक्ष विदेशी निवेश) का हमारा सबसे बड़ा स्रोत और आसियान (दक्षिण पूर्वी एशियाई राष्ट्रों का संगठन) क्षेत्र में हमारा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। उच्चायुक्त ने सिंगापुर और भारत के बीच अंतरिक्ष क्षेत्र में सहयोग का भी जिक्र किया। पिछले साल एक भारतीय अंतरिक्ष यान के जरिए सिंगापुर निर्मित उपग्रह को कक्षा में स्थापित किया गया था।

मालदीव : जम्हूरी पार्टी ने राष्ट्रपति मुइज्जू से भारत से माफी मांगने को कहा

भाषा। माले

मालदीव में जम्हूरी पार्टी के नेता जसीम इब्राहिम ने राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू से भारत और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से औपचारिक रूप से माफी मांगने और द्विपक्षीय संबंधों को सुधारने के लिए राजनयिक सुलह करने का अनुरोध किया है। इब्राहिम की यह मांग चीन समर्थक माने जाने वाले मुइज्जू की उन टिप्पणियों के संदर्भ में की गई है जिसमें इस महीने की शुरुआत में उन्होंने किसी देश का नाम लिए बगैर भारत को धमकाने वाला देश बताया था। राष्ट्रपति मुइज्जू ने मालदीव के तीन मंत्रियों द्वारा प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ सोशल मीडिया पर अपमानजनक टिप्पणियों को लेकर भारत के साथ राजनयिक विवाद के बीच 13 जनवरी को चीन की पांच दिवसीय हाई-प्रोफाइल यात्रा के बाद स्वदेश लौटने पर कहा था, हम छोटे (देश) हो सकते हैं लेकिन इससे उन्हें हमें धमकाने का लाइसेंस नहीं मिल जाता। जम्हूरी पार्टी ने यह मांग तब की है जब एक दिन पहले ही विपक्षी मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) ने सोमवार को कहा कि उसकी मुइज्जू पर महाभियोग चलाने के लिए एक प्रस्ताव रखने की तैयारी है। मुइज्जू (45) ने पिछले साल सितंबर में राष्ट्रपति चुनाव में भारत से अच्छे संबंध रखने वाले निवर्तमान राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह को हरा दिया था। वॉयस ऑफ मालदीव पोर्टल के अनुसार, जसीम ने जम्हूरी पार्टी (जेपी) की एक बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में राष्ट्रपति मुइज्जू से हाल में एक साक्षात्कार के दौरान की गई विवादित टिप्पणियों के लिए भारत और प्रधानमंत्री मोदी से औपचारिक रूप से माफी मांगने को कहा।

राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग संबंधी संशोधित नियमों के खिलाफ उच्चतम न्यायालय पहुंची सरकार

माले। मालदीव सरकार ने राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू पर महाभियोग चलाने की विपक्ष की योजना के मद्देनजर संसद के स्थाई आदेशो मे हुए हालिया संशोधन को लेकर उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। मीडिया मे मंगलवार को आईं खबरो मे यह जानकारी दी गई है। इन हालिया संशधोन के बाद महाभियोग की प्रक्रिया आसान हो गई है। अटॉर्नी जनरल के कार्यालय ने रविवार याचिका दायर की थी। रविवार को सदन मे मुइज्जू के मंत्रिमंडल के लिए चार सदस्यो को मंजूरी देने को लेकर मतभेदो के बाद सरकार समर्थक सांसदो और विपक्षी सांसदो के बीच हाथापाई हुई थी। मालदीव की संसद मे बहुमत रखने वाले मुख्य विपक्षी दल मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) ने सोमवार को राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के मंत्रिमंडल के तीन सदस्यो की मंजूरी रोक दी थी। इसके तुरंत बाद, एमडीपी ने घोषणा की थी कि उसने राष्ट्रपति मुइज्जू पर महाभियोग चलाने के लिए एक प्रस्ताव प्रस्तुत करने की योजना बनाई है और उसने पहले ही इसके लिए हस्ताक्षर की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

अमेरिकाः रो खन्ना ने बाइडन के लिए किया प्रचार, हेली को उनका अतीत याद दिलाया

भाषा। वाशिंगटन

भारतीय-अमेरिकी सांसद रो खन्ना ने अमेरिका में होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव के मद्देनजर मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन के लिए साउथ कैरोलाइना में प्रचार किया। साउथ कैरोलाइना राष्ट्रपति पद की रिपब्लिकन उम्मीदवार बनने की दावेदारी पेश कर रहीं भारतीय-अमेरिकी नेता निक्की हेली का गृह राज्य है। खन्ना ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, साउथ कैरोलाइना में राष्ट्रपति बाइडन के लिए प्रचार करना मेरे लिए गर्व की बात है। साउथ कैरोलाइना में डेमोक्रेटिक पार्टी और रिपब्लिकन पार्टी के प्राइमरी चुनाव होने हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी का प्राइमरी चुनाव तीन फरवरी और रिपब्लिकन पार्टी का प्राइमरी चुनाव 24 फरवरी

राहुल-जडेजा की चोटों से बढी मुश्किल

भाषा। नई दिल्ली

रविंद्र जडेजा और केएल राहुल को अचानक लगी चोटों से भारतीय टीम के सामने चयन की दुविधा पैदा हो गई है जिसे इंग्लैंड के हाथों पहले टेस्ट में मिली हार के बाद श्रृंखला में वापसी करनी है। जडेजा और राहुल ने हैदराबाद टेस्ट में पहली पारी में शानदार प्रदर्शन किया लेकिन इंग्लैंड ने दूसरी पारी में शानदार खेल दिखाकर वापसी की। जडेजा को हैमस्ट्रिंग की चोट लगी है जबकि राहुल को दाहिने जांघ की मांसपेशी में दर्द है। हरफनमौला जडेजा की कमी पूरी कर पाना किसी के लिए भी मुश्किल है और राहुल सितंबर में सर्जरी के बाद वापसी से वनडे और टेस्ट में भारतीय बल्लेबाजी की धुरी रहे हैं। विराट कोहली निजी कारणों से पहले दो टेस्ट से वैसे भी बाहर हैं लिहाजा शुक्रवार से विशाखापत्तनम में शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट में भारत के सामने कई चुनौतियां होंगी। चयनकर्ताओं ने सरफराज खान, सौरभ कुमार और वॉशिंगटन सुंदर को टीम में शामिल किया है। रजत पाटीदार हैदराबाद में भारत की 15 सदस्ईय टीम में थे। वह मध्यक्रम में राहुल की जगह ले सकते हैं जबकि जडेजा की जगह कुलदीप यादव को उतारा जा सकता है। भारतीय टीम चार स्पिनरों और एक तेज गेंदबाज के साथ भी उतर सकती है जैसा इंग्लैंड ने पहले टेस्ट में किया था। ऐसे में मोहम्मद सिराज पर कुलदीप को तरजीह मिलेगी ताकि सरफराज या वॉशिंगटन को मध्यक्रम में उतारा जा सके। जडेजा की ही तरह सौरभ बाएं हाथ के स्पिनर हैं और प्रथम श्रेणी क्रिकेट में शतक भी लगा चुके हैं। हैदराबाद के एसीए वीडीसीए स्टेडियम पर अब तक दो टेस्ट खेले गए हैं और पिच बल्लेबाजों की मददगार रहती है। भारत ने 2019 में इस मैदान पर पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 502 रन बनाए थे। रोहित ने सलामी बल्लेबाज के तौर पर पहली पारी में 176 रन जोड़े थे। महान स्पिनर अनिल कुंबले का मानना है कि अंतिम एकादश में कुलदीप को जगह मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा , अगर भारत को लगता है कि सिर्फ एक तेज गेंदबाज से काम चल जाएगा तो कुलदीप को टीम में रखना चाहिए। उसके पास विविधता है और विकेट टर्न ले सकता है। चार टेस्ट के अपने कैरियर में अपनी प्रतिभा की बानगी दे चुके आफ स्पिनर वॉशिंगटन सुंदर भी चयन के दावेदार हैं। उन्होंने पांच पारियों में नाबाद 85 और नाबाद 95 रन बनाए हैं और दो विकेट भी लिए हैं। पूर्व चयनकर्ता शरणदीप सिंह ने कहा कि हरफनमौला उपयोगी होता है लेकिन अंतिम एकादश में ज्यादा छेड़छाड़ नहीं की जानी चाहिए। रजत पाटीदार को राहुल की जगह और जडेजा की जगह कुलदीप को उतारा जा सकता है। हमें इंग्लैंड की नकल करके चार स्पिनरो को उतारने की जरूरत नहीं है। अपनी धरती पर दो तेज गेंदबाज और तीन स्पिनर हमारी ताकत रहे हैं। हमें उसी पर अडिग रहना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि पारी की शुरूआत शुभगन गिल और यशस्वी जायसवाल को करनी चाहिए और रोहित शर्मा को तीसरे नंबर पर उतरना चाहिए।

मुशीर के शानदार शतक से भारत ने न्यूजीलैंड को 214 रन से रौंदा

● आईसीसी अंडर-19 विश्व कप

भाषा। ब्लोमफोंटेन

मुशीर खान के दूसरे शतक के बाद स्वामी पांडे की अगुआई में गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन से भारत ने आईसीसी अंडर-19 विश्व कप के सुपर सिक्स चरण के मुकाबले में मंगलवार को यहां न्यूजीलैंड को 214 रन से रौंद दिया। भारत ने मुशीर की 131 और सलामी बल्लेबाज आदर्श सिंह की 52 रन की पारी की बदौलत आठ विकेट पर 295 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। न्यूजीलैंड की टीम इसके जवाब में बाएं हाथ के स्पिनरों पांडे (19 रन पर चार विकेट) और मुशीर (10 रन पर दो विकेट) के अलावा तेज गेंदबाज राज लिमबानी (17 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने 28.1 ओवर में सिर्फ 81 रन पर सिमट गई। लिमबानी ने न्यूजीलैंड की पारी की पहली और पांचवीं गेंद पर क्रमश: टॉम जोन्स (00) और स्नेहित रेड्डी (00) को आउट किया जिसके बाद पांडे ने लैकलेन स्टैकपोल (05) और जेम्स नेल्सन (10) को पवेलियन भेजकर न्यूजीलैंड का स्कोर 22 रन पर चार विकेट किया और टीम कभी इन झटकों से नहीं उबर पाई। कप्तान ऑस्कर जैकसन 19 रन बनाकर टीम के शीर्ष स्कोर रहे। भारत एक बार फिर इस प्रतियोगिता में खिताब का प्रबल दावेदार नजर आ रहा है। रनों के लिहाज से यह न्यूजीलैंड की तीसरे सबसे बड़ी हार और तीसरा सबसे कम स्कोर है। इससे पहले मेनगॉन्ग ओवल की बल्लेबाजी की अनुकूल पिच पर मुशीर ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ाई और मौजूदा प्रतियोगिता में 300 रन के आंकड़े को पार करने वाले पहले बल्लेबाज बने। मुशीर ने 126 गेंद में 13 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 131 रन की पारी खेली। मुशीर ने विकेट के चारों तरफ शॉट लगाए और दौड़कर भी ढेरों रन बटोरे। वह अंतिम ओवरों में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करने में भी सफल रहे। भारत की शुरुआत हालांकि अच्छी नहीं रही। पिछले मैच में शतक जड़ने वाले अर्शिन कुलकर्णी (09) का विकेट टीम ने जल्दी गंवा दिया। मुशीर और आदर्श ने इसके बाद दूसरे विकेट के लिए 77 रन जोड़कर पारी को संवारा।

ईराक को हराकर जोर्डन एशियाई कप क्वार्टर फाइनल में

अल रेयान (कतर)। ऐमैन हुसैन को आखिरी क्षणों में मैदान से जाना पड़ा और दस खिलाड़ियों तक सिमटे ईराक को 3-2 से हराकर जोर्डन ने एशियाई कप फुटबॉल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। हुसैन को दूसरा गोल करने के बाद अति उत्साहित होकर जश्न मनाने के कारण दूसरा पीला कार्ड दिखाया गया। हुसैन ने 76वें मिनट में गोल दागा। अतिरिक्त समय के पांचवें मिनट में याजान अल अरब ने बराबरी का गोल किया और निजार अल रशदान ने दो मिनट बाद विजई गोल दागा। जोर्डन के लिए पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में याजान अल नेमत ने गोल किया था। ईराक के लिए 68वें मिनट में सउद नातिक ने बराबरी का गोल दागा। ईराक ने खिताब की प्रबल दावेदार जापान को हराकर नॉकआउट चरण में प्रवेश किया था। एक अन्य मैच में गत चैम्पियन कतर ने फलस्तीन को 2 .। से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। अब उसका सामना उजबेकिस्तान या थाईलैंड से होगा।

कर्नाटक के कप्तान मयंक अस्पताल में भर्ती

अगरतला। कर्नाटक के कप्तान और लंबे समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल को नई दिल्ली के लिए उड़ान भरने को तैयार विमान में बीमार पड़ने के बाद यहां स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। राज्य क्रिकेट संघ के सूत्रो ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि वह विमान मे चढ़ चुके थे लेकिन उड़ान भरने से पहले ही उनकी तबीयत खराब हो गई। बत्तीस साल के मयंक ने भारत के लिए 21 टेस्ट खेले है।

सानिध्य ने गणतंत्र टेनिस में जीते दोहरे खिताब

लखनऊ। सानिध्य द्विवेदी ने एसडीएस टेनिस अकादमी में आयोजित गणतंत्र दिवस टेनिस टूर्नामेंट में दोहरे खिताब जीत लिए। पुरुष एकल के फाइनल में सानिध्य द्विवेदी ने पार्थ का 7-6,8-6 से और बालक अंडर-16 में अनिरुद्ध को 9-4 से हराया। एसडीएस टेनिस अकादमी के टेनिस कोच गोपाल सिंह बिष्ट ने बताया कि अन्य वर्गो के पाइनल में बालक अंडर-12 में अणर्व श्रीवास्तव ने विवान श्रीवास्तव को 9-5 से , बालिका अंडर-12 में आलिया सिंह ने रशेल वीर को 9-3 से बालक अंडर-14 में हसन अनीश ने रोहिन राज को 9-5 से, बालिका अंडर-14 में भव्या ने दिव्यानी को 9-3 से, अंडर-16 बालिका में आशी शमशेरी ने भव्या को 9-4 से और पुरुष वर्ग में एकलव्य व वंशराज ने शनीश मणि मिश्रा व ओम को 9-5 से हराया। समापन समारोह में शैलेंद्र द्विवेदी ने पुरस्कार बांटे।

सिनेर की जीत पर पोप ने दी इटली को बधाई

वेटिकन सिटी। पिछले करीब पचास साल मे ग्रैंडस्लैम जीतने वाले इटली के पहले टेनिस खिलाड़ी बने यानिक सिनेर के आस्ट्रेलियाई ओपन चैम्पियन बनने पर पोप फ्रांसिस ने देश को बधाई दी है। सिनेर ने रविवार को दानिल मेदवेदेव को हराकर आस्ट्रेलियाई ओपन जीता था। पोप ने रीयाल क्लब डे टेनिस बार्सीलोना से बातचीत मे कहा , हम आज इटली को बधार्द देते है क्योकि उसने आस्ट्रेलिया मे जीत दर्ज की हे। उन्होने कहा , जीवन की तरह ही टेनिस मे भी हम हमेशा जीत नही सक्ते लेकिन खेलभावना से खेलना जरूरी है।

भानवाला 25 मीटर रेपिड फायर पिस्टल में 10वें, सिद्धू 11वें स्थान पर

नई दिल्ली। भारत के अनीष भानवाला और विजयवीर सिद्धू मिस्र के काहिरा मे चल रहे आईएसएसएफ विश्व कप चरण एक की पुरुष 25 मीटर रेपिड फायर पिस्टल स्पर्धा के क्वालीफिकेशन दौर मे 579 के समान स्कोर के साथ क्रमशः 10वे और 11वे स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाने मे नाकाम रहे। स्पर्धा मे हिस्सा ले रहे तीसरे भारतीय अभिनव चौधरी मिस्र अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक सिटी निशानेबाजी रेंज मे 569 अंक के साथ 22वे स्थान पर रहे। शीर्ष छह निशानेबाजो ने फाइनल मे जगह बनाई। महिला 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन मे अंजुम मोदगिल, प्रिया ब्रिजपाल सिंह और आशी चौकसी एलिमिनेशन दौर से आगे बढ़ने मे सफल रहे ।

मुंबई ओपन टेनिस पांच से 11 फरवरी तक

मुंबई। मुंबई ओपन टेनिस चैंपियनशिप मे 31 देशो के खिलाड़ी चुनौती पेश करेगे जिसका आयोजन छह साल के अंतराल के बाद यहां पांच से 11 फरवरी तक होगा। इसका आयोजन क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया (ब्रेबॉर्न स्टेडियम) मे नव-निर्मित टेनिस कोर्ट मे होगा। क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया, महाराष्ट्र राज्य लॉन टेनिस संघ (एमएसएलटीए) के साथ इस कार्यक्रम का सह-आयोजक है।

सभी स्पिनरों के साथ उतरने से पीछे नही हटेंगे: मैकुलम

विशाखापत्तनम। टॉम हार्टले ने पांच मैचों की श्रृंखला के पहले मुकाबले में शानदार स्पिन गेंदबाजी कर भारतीय बल्लेबाजों की मानसिकता को ठेस पहुंचाई है, जिसके बाद इंग्लैंड शुक्रवार से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट मैच में सभी स्पिन गेंदबाजों के साथ उतर सकता है। पदार्पण कर रहे हार्टले ने दूसरी पारी में सात विकेट लेकर इंग्लैंड को 28 रन से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। इंग्लैंड के कोच ब्रैंडन मैकुलम अब दूसरे टेस्ट मैच की पिच को देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे है। विशाखापत्तनम के मैदान को आम तौर पर बड़े स्कोर के लिए जाना जाता है लेकिन पिछले कुछ समय से यहां स्पिनरों का दबदबा रहा है। मैकुलम ने कहा कि अगर परिस्थितियां पूरी तरह से स्पिनरों की मुफीद हुई तो उनकी टीम गेंदबाजी विभाग में सभी स्पिनरों के साथ उतरने से पीछे नहीं हटेगी। इस मैच में शोएब बशीर को पदार्पण का मौका मिल सकता है जबकि अनुभवी स्पिनर जैक लीच की चोट की स्थिति के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। लीच अगर फिट रहते है तो बशीर पहले टेस्ट में खेलने वाले इकलौते तेज गेंदबाज मार्क वुड की जगह ले सकते हैं। न्यूजीलैंड के इस पूर्व कप्तान ने कहा, अगर श्रृंखला के आगे बढ़ने पर विकेट उसी तरह से टर्न लेते रहे जैसा हमने पहले टेस्ट में देखा था, तो हम सभी स्पिनरों के साथ खेलने से पीछे नहीं हटेंगे। बशीर हमारे साथ अबू धाबी में शिविर में था और उसने अपने कौशल से हमें प्रभावित किया। वह सहजता से इस समूह का हिस्सा बना गया। कम उम्र और प्रथम श्रेणी में के कम अनुभव के बावजूद वह ऐसा खिलाड़ी है जिसमें उत्साह की कोई कमी नहीं है। मैकुलम ने अनुभवहीन गेंदबाजों का शानदार तरीके से इस्तेमाल करने पर कप्तान बेन स्टोक्स की तारीफ की। हार्टले के खिलाफ पहली पारी में भारतीय बल्लेबाजों ने खुल कर रन बनाए थे लेकिन उन्होंने दूसरी पारी में सात विकेट चटका कर मैच का पासा पलट दिया।उसे प्रथम श्रेणी का ज्यादा अनुभव नहीं है और चयन के लिहाज से शायद वह थोड़ा कमजोर था। लेकिन हमने उसमें कुछ ऐसा देखा जो यहां प्रभावी होता। वह एक मजबूत जज्बे वाला खिलाड़ी है। कप्तान ने जिस तरह से उसे संभाला वह काफी उल्लेखनीय था, और उसने साफ तौर पर हमें टेस्ट में जीत दिलाई। यह शानदार कप्तानी का एक नमूना था। यह सिर्फ हार्टले के लिए नहीं बल्कि सभी के लिए एक संदेश है कि मैदान में स्वच्छंद होकर खेलने की पूरी आजादी दी जाएगी।

हमने जिन स्पिनरों को चुना है वह हमें भारत को हराने का सर्वश्रेष्ठ मौका देते है: स्टोक्स

विशाखापत्तनम। भारत को पांच मैचो की श्रृंखला के पहले मुकाबले मे 28 रन से हराने वाले इंग्लैड के कप्तान बेन स्टोक्स ने इस दौरे से पहले ही कहा था कि टीम मे जिन खिलाड़ियो का चयन हुआ है, वे भारत को उसकी धरती पर मात देने का हमे सर्वश्रेष्ठ मौका देने मे सक्षम है। टॉम हार्टले ने अपने पहले टेस्ट मे ही भारत की दूसरी पारी मे सात विकेट लेकर इंग्लैड को 28 रन से यादगार जीत दिलाने मे अहम भूमिका निभाई। इंग्लैड की टीम हैदराबाद मे खेले गए पहले टेस्ट मे सिर्फ एक तेज गेंदबाज मार्क वुड के साथ मैदान मे उतरी और उसकी यह रणनीति कामयाब रही। स्टोक्स ने भारत के खिलाफ पांच मैचो की श्रृंखला के शुरुआती मुकाबले से पहले जियो सिनेमा को दिए साक्षात्कार मे कहा था, मुझे लगता है कि कभी-कभी अनुभवहीनता को ज्यादा बढ़ा-चढ़ा कर पेश किया जाता है। इसमे हालांकि कोई संदेह नही है कि अनुभवी खिलाड़ी खास कर इन परिस्थितियो मे अधिक सहज महसूस करता है। इस दौरे के लिए हमने जिन स्पिनरो को चुना है, हमे लगता है कि वे हमे भारत को हराने का सबसे अच्छा मौका देगे। मेरे लिए, यह सिर्फ स्पिनरो के बारे मे नही है। यह उनके पास मौजूद प्रतिभा को समझना और उन्हे वहां जाकर उस प्रतिभा को व्यक्त करने की छूट देने के बारे मे है। हम चाहते है कि वे परिणाम के बारे मे ज्यादा चिंता किए बिना अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करे। इस श्रृंखला से पहले इंग्लैड के खेमे मे स्पिन गेंदबाजो की अनुभवहीनता की चर्चा हो रही थी लेकिन स्टोक्स ने कहा कि वह ऐसी बातो को ज्यादा तवज्जो नही देते है। एक गेंदबाज के तौर पर आपका का विकेट लेना होता है। एक बल्लेबाज के तौर पर आपका काम रन बनाना होता है।

रोहित का सर्वश्रेष्ठ समय निकल गया, कोहली की कमी खली: बॉयकॉट

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व सलामी बल्लेबाज ज्योफ्री बॉयकॉट का मानना है कि भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेल लिया है और हैदराबाद टेस्ट में टीम को दिग्गज विराट कोहली की कमी खली। भारतीय टीम पांच मैचों की श्रृंखला के शुरुआती मुकाबले की पहली पारी में मजबूत स्थिति में थी लेकिन इंग्लैंड ने बल्ले और गेंद से दूसरी पारी में पलटवार करते हुए 28 रन से जीत दर्ज की। कोहली की गैरमौजूदगी में भारतीय बल्लेबाजी को मजबूत करने की जिम्मेदारी रोहित शर्मा के कंधों पर थी। भारतीय कप्तान दोनों पारियों में महज 24 और 39 रन ही बना सके। भारतीय टीम जीत के लिए 231 रन का पीछा करते हुए मैच के चौथे दिन 202 रन पर आउट हो गई। बॉयकॉट का मानना है कि इंग्लैंड के पास भारतीय सरजमीं पर 12 साल बाद जीत दर्ज करने का सुनहरा मौका है। उन्होंने द डेली टेलीग्राफ के अपने कॉलम में लिखा , इंग्लैंड के पास पिछले 12 साल में भारत को उन्हीं की धरती पर हराने वाली पहली टीम बनने का सुनहरा मौका है।

दीप्ति टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में संयुक्त दूसरे स्थान पर

दुबई। भारत की दीप्ति शर्मा एक पायदान चढकर आईसीसी महिला टी20 गेंदबाजी रैंकिंग मे मंगलवार को संयुक्त दूसरे स्थान पर पहुंच गई जबकि उनकी हमवतन रेणुका सिंह भी दसवे स्थान पर पहुंच गई है। दक्षिण अफ्रीका की स्पिनर नोकुलुलेको एमलाबा तीन पायदान गिरकर दूसरे से पांचवे स्थान पर खिसक गई। दीप्ति के साथ पाकिस्तान की सादिया इकबाल दूसरे स्थान पर है जबकि इंग्लैड की सारा ग्लेन चौथे स्थान पर है। इंग्लैड की स्पिनर सोफी एक्सेलेटन शीर्ष पर बनी हुई है। हरफनमौलाओ की सूची मे शीर्ष दस मे कोई बदलाव नही है। इसमे दीप्ति चौथे स्थान पर बनी हुई है। बल्लेबाजो मे भारतीय उपकप्तान स्मृति मंधाना चौथे, जेमिमा रौड्रिग्स 13वे, शेफाली वर्मा 16वे और हरमनप्रीत कौर 17वे स्थान पर है। आस्ट्रेलिया की बेथ मूनी शीर्ष पर है जबकि उनकी हमवतन ताहलिया मैकग्रा दूसरे स्थान पर है।

खेल का आनंद ले सकते है खिलाड़ी

नई दिल्ली। मोटोरोला ने जी सीरीज फ्रेंचाइजी में अपने नवीनतम एंट्री-लेवल स्मार्टफोन मोटो जी24 पावर को लॉन्च किया। यह अपने सेगमेंट का एक अग्रणी किफायती स्मार्टफोन है जिसमें प्रीमियम डिजाइन, एक विशाल 6000एमएएच बैटरी और टर्बो पॉवर 33 वॉट चार्जर दिया गया है। केवल 8.99 मिमी मोटाई और 197 ग्राम वजन वाला यह पतला स्मार्टफोन वॉटर रेपेलेंट डिजाइन और आईपी 52 रेटिंग के साथ आता है, और दो आश्चर्यजनक और सुरुचिपूर्ण रंगों- इंक ब्लू और ग्लेशियर ब्लू में उपलब्ध है। मोटो जी24 पावर एक विशाल 6000 एमएएच की बैटरी के साथ उपयोगकर्ताओं को अपने पसंदीदा कंटेंट का आनंद लेने, गेम खेलने और लंबी अवधि तक वीडियो कॉल करने में सक्षम बनाता है। यह डिवाइस एक असाधारण और स्थायी स्मार्टफोन अनुभव सुनिश्चित करता है, जो इसे जी सीरीज फ्रैंचाइज के लिए एक एक उत्कृष्ट योगदान बनाता है। मोटो जी24 पावर का लुक बेहद खूबसूरत है, इसमें 3डी ऐक्रेलिक ग्लास (पीएमएमए) फिनिश है, साथ ही यह 6000 एमएएच बैटरी के साथ सेगमेंट में सबसे पतले और सबसे हल्का डिवाइसों में से एक है। यह नवीनतम एंड्रायड 14 के साथ आता है और एक उन्नत 50 एमपी क्वाड पिक्सेल कैमरा सिस्टम को प्रदर्शित करता है, साथ ही इसमें सेगमेंट का अग्रणी 16एमपी सेल्फी कैमरा भी दिया गया है जो विभिन्न प्रकार की प्रकाश परिस्थितियों में असाधारण फोटो को कैप्चर करता है।

ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके रेसवॉकर अक्षदीप ने अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा

चंडीगढ। पेरिस ओलंपिक के लिए पहले ही क्वालीफाई कर चुके पंजाब के अक्षदीप सिंह ने राष्ट्रीय ओपन पैदल चाल स्पर्धा मे मंगलवार को यहां पुरूषो के 20 किलोमीटर वर्ग मे अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा। रांची मे राष्ट्रीय ओपन पैदल चाल स्पर्धा 2023 जीतकर ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाले अक्षदीप ने एक घंटे 19 मिनट 38 सेकेंड का समय निकालकर एक घंटे 19 मिनट 55 सेकेंड का अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा। उत्तराखंड के सूरज पंवार दूसरे स्थान पर रहे जिन्होने पेरिस ओलंपिक का एक घंटे 20 मिनट 10 सेकेंड का क्वालीफाइंग स्तर पार किया। उन्होने एक घंटे 19 मिनट 43 सेकेंड का समय निकाला। तीसरे स्थान पर रहे तमिलनाडु के सर्विन सबेस्टियन (एक घंटा 20 मिनट तीन सेकेंड) और चौथे स्थान पर रहे पंजाब के अर्शप्रीत सिंह (एक घंटा 20 मिनट चार सेकेंड) भी पेरिस ओलंपिक के क्वालीफाइंग स्तर को हासिल करने मे सफल रहे। भारत के छह खिलाड़ियो ने पेरिस ओलंपिक मे पुरूषो की 20 किमी पैदल चाल के लिए क्वालीफाई कर लिया है।

यह ऐतिहासिक मुकाबला है, भारतीय टीम के दौरे से फायदा मिलेगा : पाकिस्तानी टेनिस जगत

इस्लामाबाद। पिछले एक दशक मे अंतरराष्ट्रीय खेलो की मेजबानी नही मिलना का पाकिस्तान को काफी नुकसान हुआ है और अब टेनिस जगत को उम्मीद है कि भारतीय डेविस कप टीम के इस ऐतिहासिक मुकाबले के लिए आने से देश मे खेलो को बढावा मिलेगा और दर्शको की रुचि जगेगी। आखिरी बार भारतीय डेविस कप टीम 1964 मे पाकिस्तान आई थी। अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) इस साल भी टीम भेजना नही चाहता था लेकिन आईटीएफ ने उसकी अपील खारिज करके साफ तौर पर कहा कि यह मानने का कोई कारण नही है कि भारतीय खिलाड़ियो को पाकिस्तान मे सुरक्षा संबंधी कोई मसला होगा। लाहौर मे मार्च 2009 मे श्रीलंकाई क्रिकेट टीम की बस पर हमले के बाद से पाकिस्तान मे खेल गतिविधियां बाधित है। पाकिस्तान को विश्व स्तरीय टूर्नामेंटो की मेजबानी नही मिल रही है। पाकिस्तानी टेनिस महासंघ जूनियर आईटीएफ या सीनियर पुरूष फ्यूचर टूर्नामेंटो की भी मेजबानी नही कर सका है। महिला टीम का कोई टूर्नामेंट नही हुआ और 2017 के बाद से डेविस कप टीम भी यहां नही आई है।

राजपाल की गैरमौजूदगी में डेविस कप कप्तान बने जीशान

इस्लामाबाद। इसे नियति कहे या संयोग। पिछली बार 1964 मे पाकिस्तान दौरे पर गई भारत की डेविस कप टीम मे अख्तर अली अहम खिलाड़ी थे। छह दशक बाद दोनो पड़ोसी देश एक बार फिर पाकिस्तान पर सरजमी पर टेनिस मुकाबले के लिए आमने-सामने होगे और इस बार अख्तर के बेटे जीशान अली भारतीय टीम के कप्तान की भूमिका निभाएंगे। जीशान को हालांकि अस्थाई तौर पर यह जिम्मेदारी सौपी गई है। तब अख्तर अली ने पांच मे से तीन मैच खेले थे। उन्होने पहला एकल मुकाबला जीतने के अलावा प्रेमजीत लाल के साथ मिलकर युगल मुकाबला जीता था। मुनव्वर इकबाल के खिलाफ उनका तीसरा मैच पूरा नही हो सका था और भारत ने 4-0 से जीत दर्ज की थी। अख्तर और प्रेमजीत दोनो का निधन हो चुका है। नियमित कप्तान रोहित राजपाल घर मे चिकित्सा समस्या के कारण इस्लामाबाद नही आ सके जिसके बाद जीशान को कोच और कप्तान की दोहरी जिम्मेदारी सौपी गई है। अखिल भारतीय टेनिस महासंघ (एआईटीए) के सचिव अनिल धूपर ने मंगलवार को यहां पीटीआई से कहा, हमारे गैर खिलाड़ी कप्तान रोहित राजपाल निजी कारणो से टीम के साथ यात्रा नही कर पाए। मुझे यह सूचित करते हुए खुशी हो रही है कि हमने बेहद सीनियर खिलाड़ी जीशान अली को आज टीम का कप्तान नियुक्त किया है। वह (जीशान) इस मुकाबले के लिए कप्तान होगे और हमे विश्वास है कि भारत उनकी कप्तानी मे पाकिस्तान मे ठोस प्रदर्शन करेगा। जीशान के लिए यह भावुक लम्हा है जो 2013 से भारत के कोच है।

खेल मंत्रालय ने निलंबित डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष के खिलाफ कानूनी कार्वाई की चेतावनी दी

नई दिल्ली। खेल मंत्रालय ने सरकारी मान्यता के संबंध मे पूर्ण निराधार और हानिकारक दावा करने पर मंगलवार को भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष संजय सिंह के खिलाफ कानूनी कार्वाई की चेतावनी दी। मंत्रालय ने फिर से कहा कि इस निकाय के द्वारा किसी भी टूर्नामेंट के आयोजन को अस्वीकृत माना जाएगा। संजय सिंह ने बीते शनिवार को दावा किया था कि लगभग 700 पहलवान 29 से 31 जनवरी तक पुणे मे सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप मे भाग लेगे। मंत्रालय ने संजय सिंह को लिखे पत्र मे कहा, आपके द्वारा डब्ल्यूएफआई की वर्तमान मे निलंबित कार्यकारी समिति की मान्यता और पुणे मे आपके द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओ के बारे मे कुछ दावे किए जा रहे है, जो पूरी तरह से निराधार और हानिकारक है। मंत्रालय ने पहले ही सात जनवरी 2024 को पत्र के माध्यम से, आपको संबोधित किया है और जिनकी प्रतियां डब्ल्यूएफआई और राज्य सरकारोकेंद्र शासित प्रदेशो की संबद्ध इकाइयो को दी गई है। इस पत्र मे इस पूरे मुद्दे को स्पष्ट कर दिया गया था। एक बार फिर सूचित किया जाता है कि डब्ल्यूएफआई की निलंबित कार्यकारी समिति के सदस्यो द्वारा आयोजित किसी भी चैंपियनशिप या प्रतियोगिता को अस्वीकृत और गैर-मान्यता प्राप्त प्रतियोगिता माना जाएगा।

थाईलैंड मास्टर्स: त्रीशा-गायत्री दूसरे दौर में

अश्विनी-तनीषा से होगी भिड़ंत

भाषा। बैंकॉक

त्रीशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की भारतीय जोड़ी ने मंगलवर को यहां थाईलैंड मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट में कड़े मुकाबले में लोक लोक लुइ और विंग युंग एनजी की हांगकांग की जोड़ी को हराकर महिला युगल के दूसरे दौर में जगह बनाई।

छठी वरीय भारतीय जोड़ी ने पहले दौर के मुकाबले में एक घंटे और 14 मिनट में 16-21 21-10 21-18 से जीत दर्ज की।त्रीशा और गायत्री अगले दौर में तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा की हमवतन गैरवरीय जोड़ी से भिड़ेंगे। तनीषा और अश्विनी ने लिंग फैंग हू और शियाओ मिन लिन की चीनी ताइपे की जोड़ी को 21-13 21-17 से हराया। पुरुष एकल में भारत के समीर वर्मा और एस शंकर मुथुस्वामी सुब्रमण्यम दो क्वालीफाइंग मैच जीतकर मुख्य ड्रॉ में जगह बनाने में सफल रहे। वर्मा ने अमेरिका के होवार्ड शू को पुरुष एकल क्वालीफिकेशन के पहले दौर में 21-9 21-16 से हराने के बाद चीनी ताइपे के कुआन लिन कुओ को 16-21 21-16 21-15 से हराकर मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई। मुथुस्वामी ने इंडोनेशिया के अनुभवी टॉमी सुगियार्तो को 9-21 21-17 21-12 से हराने के बाद थाईलैंड के कोराकृत लाओत्राकुल को 20-22 21-10 21-14 से हराकर मुख्य ड्रॉ में प्रवेश किया। वर्मा पहले दौर में हांगकांग के एनजी का लोंग एंगस जबकि मुथुस्वामी मलेशिया के जुन हाओ लियोंग से भिड़ेंगे।

एआईएफएफ ने दूसरी बार अपने महासचिव को बर्खास्त किया, भूटिया ने अध्यक्ष चौबे का इस्तीफा मांगा

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय कप्तान बाईचुंग भूटिया ने देश में फुटबॉल के प्रशासन में मौजूदा अव्यवस्था के लिए अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे को जिम्मेदार ठहराते हुए मंगलवार को उनके इस्तीफे की मांग की जबकि शाजी प्रभाकरन को महासचिव के रूप में दूसरी बार बर्खास्त किया गया। एआईएफएफ की कार्यकारी समिति ने मंगलवार को प्रभाकरन को महासचिव पद से हटा दिया जबकि इससे दो महीने से अधिक समय पहले सात नवंबर को विश्वास के उल्लंघन के लिए आपात समिति ने ऐसा ही किया था। आठ दिसंबर को दिल्ली उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने प्रभाकरन की बर्खास्तगी पर रोक लगा दी थी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 19 जनवरी को अपने नवीनतम आदेश में कहा था कि प्रभाकरन को एआईएफएफ की आपात समिति ने बर्खास्त किया था जबकि महासंघ का संविधान केवल कार्यकारी समिति को यह अधिकार देता है। उच्च न्यायालय ने हालांकि कहा था कि उसका आठ दिसंबर का आदेश याचिकाकर्ता (प्रभाकरन) का कार्यकाल रद्द करने के लिए एआईएफएफ को कार्यकारी समिति की बैठक करने से नहीं रोकता। एक सूत्र ने पीटीआई को बताया, हां, शाजी प्रभाकरन को मंगलवार को बैठक मे कार्यकारी समिति ने महासचिव के रूप में बर्खास्त किया। भूटिया ने मंगलवार को एआईएफएफ की कार्यकारी समिति की बैठक में हिस्सा लिया जिसे सात नवंबर को प्रभाकरन की बर्खास्तगी पर चर्चा करने के लिए बुलाया गया था।

एफआईएच हॉकी-5 विश्व कप क्वार्टर फाइनल में नीदरलैंड से हारा भारत

मस्कट। मोहम्मद राहील की हैट्रिक के बावजूद भारत को एफआईएच हॉकी5 पुरूष विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में मंगलवार को नीदरलैंड ने 7 . 4 से हरा दिया। राहील (पहला, सातवां और 25वां मिनट) के अलावा मनदीप मोर (11वां मिनट) ने भारत के लिए गोल दागे। नीदरलैंड के लिए सैंडर डे विज्न (चौथा और 15वां) और अलेक्जेंडर शॉप (10वां और 26वां) ने दो गाल किए जबकि लुकास मिडेनडोर्प (12वां), जैमी वान आर्ट (13वां) और पेपिन रेएंगा (20वां) ने एक एक गोल किया। मैच की शुरूआत काफी अच्छी रही और भारत के लिए राहील ने पहले ही मिनट में गोल दागा। इसके बाद नीदरलैंड को सैंडर ने बराबरी दिलाई। भारत ने जवाबी हमले तेज किए और सातवें मिनट में राहील ने दूसरा गोल दाग दिया। इसे शॉप ने दसवें मिनट में उतारा। मनदीप ने अगले मिनट भारत को फिर बढत दिलाई। नीदरलैंड ने तेजी से मिले बोलना जारी रखा जिसमें मिडेनडोर्प और वान आर्ट ने गोल दाग दिए। हाफटाइम से ठीक पहले सैंडर ने दूसरा गोल करके नीदरलैंड को अच्छी बढत दिला दी। दूसरे हाफ में रेएंगा और शॉप ने बढत में इजाफा किया। राहील ने 25वें मिनट में हैट्रिक पूरी की लेकिन भारत को जीत नहीं दिला सके। अब भारत का